

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 2] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 10, 1976 (पौष 20, 1897)
No. 2] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 10, 1976 (PAUSA 20, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं० ए० 32014/1/75 प्रशा० 1—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थानापन्न वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० सेवा का ग्रेड-I) श्री एम० सी० खुराना को, राष्ट्रपति द्वारा 1-12-75 से 15-1-76 तक 46 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में अस्थायी और तदर्थ आधार पर निजी सचिव (के० स० स्टे० सेवा का चयन ग्रेड) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

आर० एम० अहलूवालिया,
अवर सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

महामंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं० टी०-2/69-प्रशासन-5.—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से महाराष्ट्र संवर्ग (1957) के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी श्री 406 GI/75

टी० आर० वरदराजन को दिनांक 2-12-75 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए स्थानापन्न पुलिस उप महानिरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० के० पुरी,
उप निदेशक (प्रशा०),
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं० ए० 20023/5/75 प्रशा०-5—उप निदेशक (प्रशासन), केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, महाराष्ट्र राज्य पुलिस से प्रतिनियुक्ति श्री ए० सी० वी० पलनीतकर को दिनांक 10 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में लोक-अभियोजक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
कृते उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं० ए०-19036/14/75-प्रशा०-5.—दिनांक 26-11-75 के समसंख्यक अधिसूचना के अधीन, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो तथा पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा मध्य प्रदेश पुलिस विभाग से प्रतिनियुक्त पुलिस निरीक्षक श्री आर० एम० शुक्ला को दिनांक 15-11-75 के पूर्वाह्न में अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 दिसम्बर 1975

सं० ए०-35018/15/75-प्रशासन-1 :—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, पश्चिम बंगाल राज्य में प्रतिनियुक्त पुलिस निरीक्षक श्री अमल कुमार भट्टाचार्य को दिनांक 25 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न में अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की कलकत्ता शाखा में अस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

सं० पी० एफ०/एम०-68/66-प्रशासन-5 :—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एम० डी० अग्रधारकर, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कध, बम्बई को प्रोत्ति पर दिनांक 1 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न में अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, सामान्य अपराध स्कध, बम्बई में अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

श्री एम० डी० अग्रधारकर ने दिनांक 1 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न में पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कध, बम्बई के कार्यभार को त्याग दिया।

जी० एल० अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (लेखा)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं० एम०-11/74-प्रशासन-5 :—श्री मदन लाल कालरा, कार्यकारी-अभियंता, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 26-11-75 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में कार्यकारी अभियंता के पद का कार्यभार त्याग दिया। दिनांक 26-11-75 के अपराह्न में उनकी सेवाएं प्रमुख इंजीनियर केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली को वापस सौंप दी गई हैं।

विजय पाल पाण्डे,
प्रशासन अधिकारी (स्था०),
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं० एफ०-2/33/75-ईस्ट० (सी० आर० पी० एफ०):—
राष्ट्रपति श्री एम० पी० गरेला उप पुलिस अधीक्षक (कम्पनी

कमाण्डर/क्वार्टर मास्टर) को उनकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में सहायक कमाण्डेंट के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

2 श्री एम० पी० गरेला ने उनकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप केन्द्रीय रिजर्व पुलिस की 56वीं बटालियन में सहायक कमाण्डेंट के पद का कार्यभार 30 अक्टूबर, 1975 के अपराह्न में सम्भाला।

सं० O-II-1013/75-स्थापना.—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर मनोरंजन दाम की तदर्थ रूप में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनकी 30-6-75 पूर्वाह्न में नियुक्त करने हैं।

2. डाक्टर मनोरंजन दाम को संकेत बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 6 दिसम्बर 1975

सं० ओ० दो०-1245/75-स्थापना:—राष्ट्रपति, श्री राकेश मोहन शर्मा उप पुलिस अधीक्षक, 22वीं बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल का त्याग पत्र 27-10-1975 के पूर्वाह्न में स्वीकार करते हैं।

दिनांक 10 दिसम्बर 1975

सं० O-II-38/71-ईस्ट०:—ले० कर्नल वी० के० राज ने आम्मी में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप 18 नवम्बर, 1975 के अपराह्न में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के ग्रुप सेन्टर, अवादी (मद्रास) में कमाण्डेंट के पद का कार्यभार छोड़ा।

दिनांक 12 दिसम्बर 1975

सं० ओ० दो०-429/69-स्थापना:—श्री दयाल सिंह, उप पुलिस अधीक्षक 12वीं बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने निवर्तन की आयु पर पहुंचने के परिणाम फलस्वरूप उन्होंने अपने पद का कार्यभार 5-11-75 के अपराह्न में छोड़ दिया।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 5 दिसम्बर, 1975

सं० ई०-32015(2)/7/74-प्रशा०-1:—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कामिको (सीधी भर्ती) को प्रत्येक के सामने दिखाई गई तारीख (खो) से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में स्थानापन्न रूप से पुलिस उपाधीक्षक नियुक्त करने हैं। उनका मुख्यालय प्रशिक्षण कालेज हैदराबाद में होगा।

(क) श्री हर्षवर्धन चतुर्वेदी . 1-10-75 (पूर्वाह्न)
(ख) श्री नरिन्दर कुमार खजूरिया —यथोक्त—
(ग) श्री गणवीर रत्न भारद्वाज —यथोक्त—
(घ) श्री हरविन्दरजीत सिंह . —यथोक्त—
(ङ) श्री दीवान सिंह बडवल . 14-10-75 (पूर्वाह्न)

एल० एस० बिष्ट,
महानिरीक्षक

भारत के महापञ्जीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 दिसम्बर 1975

सं० 11/13/75 ए० डी० I.—राष्ट्रपति, श्री एच० पी० राइम्बाइ को, जो असम असेनिक सेवा I के अधिकारी हैं, दिनांक 6 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश प्रेषित होने तक, मेघालय के सहायक जनगणना निदेशक के पद पर अस्थाई रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री राइम्बाइ का मुख्य कार्यालय शिलांग में होगा।

बद्री नाथ,
भारत के उपमहापञ्जीकार
एव पदेन उपसचिव

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व का कार्यालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

सं० प्रशामन-I/कार्यालय आदेश 692/पी० एफ०/जी० एस० जुनेजा/3138—एफ० आर० 56 (के०) के अन्तर्गत 50 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के उपरान्त सेवा से निवृत्त होने के लिए श्री जी० एस० जुनेजा द्वारा इस कार्यालय को दिए गए नोटिस के समाप्त होने तथा इसके अनुसरण में, श्रीमान् महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व ने श्री जुनेजा को 30-11-75 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त होने के लिए अनुमति दी है।

श्री जुनेजा की जन्म तिथि 13-4-1925 है।

एच० एम० रामान,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 2 दिसम्बर 1975

सं० प्रशा० I/कार्यालय आदेश 705/5-8/70-76/3153—महालेखाकार, ने आगामी आदेश होने तक एफ० आर०-30 (1) की दूसरी परन्तुक के अन्तर्गत कार्यालय के निम्नांकित अनुभाग अधिकारियों/नियन्त्रक महालेखापरीक्षक के कार्यालय के सहायक सुपरिन्टेन्डेंट—(इस कार्यालय को प्रोफार्मा आवंटित) को लेखा अधिकारी की श्रेणी में उनके समक्ष लिखी तिथि से भूतलक्षी प्रभावी रूप में सामयिक-वेतनमान 840-1200 में प्रोफार्मा पदोन्नति के आदेश किए हैं।

नाम	लेखा अधिकारी के रूप में प्रोफार्मा पदोन्नति की तिथि	टिप्पण
1. श्री जे० एन० बहल, अनुभागाधिकारी	26-6-73 (पूर्वाह्न)	
2. श्री जी० एस० जुनेजा, अनुभागाधिकारी	1-1-74 (पूर्वाह्न)	
3. श्री ब्रज भूषण अनुभागाधिकारी	17-1-74 (पूर्वाह्न)	श्री ब्रज भूषण के मामले में यह अधिसूचना क्रमांक प्रशासन-1 5-8/70-74/2846 दिनांक 15-2-74 की अधिसूचना के अतिरिक्त है।
4. श्री एस० आर० चावला (नियन्त्रक महालेखापरीक्षक के कार्यालय के सहायक सुपरिन्टेन्डेंट)	17-1-74 (पूर्वाह्न)	
5. श्री पी० सी० गुप्ता, अनुभागाधिकारी	25-1-74 (पूर्वाह्न)	
6. श्री अमर नाथ-I, अनुभागाधिकारी	31-1-74 (पूर्वाह्न)	
7. श्री अमर नाथ-II, अनुभागाधिकारी	2-5-74 (पूर्वाह्न)	
8. श्री के० एन० बाली, अनुभागाधिकारी	24-6-74 (पूर्वाह्न)	

ह० अपठनीय
वरिष्ठ उप-महालेखाकार, (प्रशासन)

महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश-I का कार्यालय

हैदराबाद-500004, दिनांक 27 नवम्बर 1975

सं० ई० बी०-I/8-312/74-75/341—महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री बी० दुर्गा प्रसाद राव को महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश,

हैदराबाद द्वारा वेतन मान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 26-11-75 के अपराह्न से तब तक आगे आदेश न दिए जाए, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

दिनांक दिसम्बर 1975

सं० ई० बी० 1/8-312/74-76/344—महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री जी० आर० विद्यासागर को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई० बी० 40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 28-11-75 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाए, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एस० आर० मुखर्जी,
प्रवर उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कौलाम्कर, अनुभाग अधिकारी की वरिष्ठ उप-महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, बम्बई के कार्यालय में 24-11-1975 (पूर्वाह्न) से लेखा अधिकारी के पद पर अगले आदेशों तक अस्थायी रूप से पदोन्नति कर दी है।

दिनांक 16 दिसम्बर 1975

सं० एडमन-1/2(4)/ /9117-27—महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली, कुमारी सुजाता गुप्ता, अनुभाग अधिकारी, की वरिष्ठ उप-महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, कलकत्ता के कार्यालय में 24-11-75 (पूर्वाह्न) से लेखा अधिकारी के पद पर, अगले आदेश तक, अस्थायी एवं अनन्तिम रूप से सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

बी० बी० देव राय,
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध
नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं० एडमन I/2(4)/ V /9007-15—महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली ने श्री एच० एन०

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

सं० 23012(1)/75-प्रशा० ए० (जिल्द-II) —रक्षा लेखा महा नियंत्रक एतद्वारा निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारियों (लेखा) को प्रत्येक के सामने लिखी हुई तारीखों के पूर्वाह्न से मूल पदधारी लेखा अधिकारियों के रूप में नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	संगठन जिसमें सेवारत है।	प्रभावी तारीख
सर्वश्री			
1. एम० कृष्णामूर्ति	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	1-2-75
2. बी० जी० कृष्णामूर्ति	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	1-2-75
3. भगत राम बिआला	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	1-2-75
4. आर० बी० बालासुन्दरम	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	1-2-75
5. हरबंस लाल आनंद	.	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-2-75
6. आर० सुब्रह्मन्यम	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	1-2-75
7. सत्य प्रकाश बहल	.	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना), देहरादून	1-2-75
8. गुलाब सिंह वर्मा	.	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	27-2-75
9. एम० हरिहर सुब्रह्मन्यम	.	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक), दक्षिण, मद्रास	28-2-75
10. पुरुषोत्तम दास मक्कड़	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन), इलाहाबाद	1-3-75
11. सतपाल सहगल	.	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-3-75
12. ए० बी० प्रकाशम	.	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, मेरठ	1-3-75

एस० के० सुन्दरम, रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक, (प्रशासन)

श्रम मंत्रालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

जगजीवन नगर, दिनांक दिसम्बर 1975

सं०-पी० 8(9)/67—कोयला खान श्रमिक कल्याण कोष नियमावली 1949 के नियम 5 के अन्तर्गत उप-नियम (1) (बी) में दिये गए अधिकारों का प्रयोग कर, कोयला खान श्रमिक

कल्याण कोष सलाहकार समिति एतद्वारा उप-क्षेत्रीय प्रबंधक, डब बेली सब-एरिया, ओरियन्ट कोलियरी, पोस्ट-ब्रजराज नगर, जिला सम्बलपुर, उड़ीसा को श्री एस० के० मुखर्जी, उप-क्षेत्रीय प्रबंधक, सम्बलपुर, उड़ीसा के स्थान पर नियोक्ता प्रतिनिधि मनोनीत करती है, जिसका गठन अधिसूचना सं० पी० 8(9)/67 दिनांक 12-1-1973 तथा बाद में सम संख्या के संशोधित

अधिसूचना तारीख 7-2-1974 में उल्लिखित है तथा कथित अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

प्रबंधक, डब बैली सब एरिया, ओरियन्ट कोलियरी, पोस्ट ब्रजराज नगर, जिला सम्बलपुर, उड़ीसा” प्रतिस्थापित किया जाए।

“क्रम संख्या-4—श्री एस० के० मुखर्जी, उप क्षेत्रीय प्रबंधक सम्बलपुर उड़ीसा” के स्थान पर “क्रम संख्या-1-उप-क्षेत्रीय

आर० पी० सिन्हा, कोयला खान कल्याण आयुक्त, धनबाद।

श्रम मंत्रालय

श्रम ब्यूरो

शिमला, दिनांक 2 जनवरी 1976

सं० 23/3/75-सी० पी० आई०—नवम्बर, 1975 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार 1960-100) अक्तूबर, 1975 के स्तर से एक अक घट कर 315 (तीन सौ पन्द्रह) रहा। नवम्बर, 1975 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किए जाने पर 383 (तीन सौ तेरासी) आता है।

के० के० भाटिया, निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

सं० सी० ई० आर०/6/75—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से, मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० (4)/58, दिनांक 7 मार्च, 1958 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के सलग्न सारणी के स्तंभ 2 में, क्र० सं० 4 के सामने मद (28) के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां जोड़ दी जाएगी, अर्थात् :—

- | | |
|---|---------------------------------|
| (29) संयुक्त निदेशक, हाथकरघा, वस्त्र (प्रशासन), नागपुर। | शक्तिचलित करघा और सहकारी |
| (30) संयुक्त निदेशक, हाथकरघा, (टेक्नीकल), नागपुर। | शक्तिचलित करघा और सहकारी वस्त्र |
| (31) क्षेत्रीय उप-निदेशक, हाथकरघा, वस्त्र निदेशालय, नागपुर। | शक्तिचलित करघा और सहकारी |
| (32) क्षेत्रीय उप-निदेशक, हाथकरघा, वस्त्र निदेशालय, बम्बई। | शक्तिचलित करघा और सहकारी |
| (33) क्षेत्रीय उप-निदेशक, हाथकरघा, वस्त्र निदेशालय, गोंलापुर। | शक्तिचलित करघा और सहकारी |

गौरी शंकर भार्गव, संयुक्त वस्त्र आयुक्त

बम्बई-400020, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

दिनांक 12 दिसम्बर 1975

सं० ई० एम० टी० 1-2(635) —वस्त्र आयुक्त, बुनकर सेवा केन्द्र बम्बई के अधीक्षक श्री विलियम परेग को 21 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, वस्त्र आयुक्त के बम्बई स्थित प्रादेशिक कार्यालय में सहायक निदेशक, द्वितीय श्रेणी (नान टेक्नीकल) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

वीरेन्द्र बहादुर वर्मा,
निदेशक

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली-1, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं० प्र० 6/247(580)/67—भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी-I के ग्रेड-II की धातुकर्म शाखा से पदावनति होने पर श्री एम० के० पांडे ने दिनांक 31 अक्तूबर, 1975 के अपराह्न में धातुकर्म निरीक्षणालय, जमशेदपुर में उप निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म) का पदभार छोड़ दिया तथा 1-11-1975 के पूर्वाह्न में उसी निरीक्षणालय में राउरकेला में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म) का पदभार संभाल लिया।

सं० ए-17011(94)/75-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के मुख्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री सवलेन्दु दास को दिनांक 21-11-75 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक बर्नपुर निरीक्षण मंडल में सहायक निदेशक (धातु रसायन) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री दास ने 10-11-75 के अपराह्न में पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली के मुख्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) का पदभार छोड़ दिया तथा दिनांक 21-11-75 (पूर्वाह्न) में बर्नपुर निरीक्षण मंडल में सहायक निदेशक (धातु रसायन) का पदभार संभाल लिया।

सं० प्र०-6/247(220)—भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-I के ग्रेड-II की वस्त्र शाखा में स्थायी उप निदेशक निरीक्षण और पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन उत्तरी निरीक्षण मंडल नई दिल्ली में भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी-I के ग्रेड-I में स्थानापन्न निरीक्षण निदेशक श्री बी० पी० सेन गुप्त, दिनांक 30-11-75 के अपराह्न से निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

गुर्य प्रकाश

उप निदेशक (प्रशासन)

नूते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं० 7604/बी/12/72(एस० एल० डी०)/19-ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक लागत-लेखा अधिकारी श्री सोहन लाल दूगर ने अपनी सेवाओं का कार्यभार, इस्तीफे पर, 16 नवम्बर, 1973 के अपराह्न से त्याग दिया ।

बी० के० एस० वरदन
महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 9 नवम्बर 1975

सं० ए०/19012(44)/71-स्था०-ए०—श्री एम० व्ही०-व्ही० पेरी शास्त्री, मिनीस्ट्री आफ एनर्जी, कोयला विभाग से प्रत्यावर्तित होने पर भारतीय खनिज विभाग में 8 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से खनिज अधिकारी (सांख्यिकी) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया ।

दिनांक 10 दिसम्बर 1975

सं० ए०/19011(68)/75-स्था०-ए०—श्री एस० एल० राय, उप खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना), यूनाइटेड नेशन्स टेक्निकल असिस्टेंट्स रीक्रुटमेंट सर्विसेस से प्रत्यावर्तित होने पर 23 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से उप खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिये ।

ए० के० राघवाचारी
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी
कृते नियन्त्रक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

सं० सी० 5029/594—श्री सुरेश्वर बोस, तकनीकी सहायक, मानचित्र चित्रोत्पादन (सलेक्शन ग्रेड), श्रेणी-III डिवीजन-1 सेवा, को सं० 102 (पी० एल० डी०) मुद्रण वर्ग (पू० सं०), भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कलकत्ता में सहायक प्रबन्धक, मानचित्र चित्रोत्पादन (सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-II) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में 14 नवम्बर, 1975 से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है ।

सं० सी०-5030/718-ए—श्री एस० डी० करारिया, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षण का कार्यालय, को मानचित्र अभिलेख एवं निर्गम कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-II) के पद पर श्री बी० आर० पन्त स्थापना एवं लेखा अधिकारी जो सेवाकाल समाप्ति पर सेवा निवृत्त हो चुके हैं के स्थान पर

स्थानापन्न रूप में 840 रु० प्रति माह वेतन पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में दिनांक 1 दिसम्बर, 1975 पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है ।

सं० सी०-5031/718-ए—श्री आर० एन० शर्मा स्थानापन्न अधीक्षक महासर्वेक्षक का कार्यालय को मानचित्र प्रकाशन कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग देहरादून में स्थापना एवं लेखा-अधिकारी (सामान्य सेवा श्रेणी-II) के पद पर श्री एच० बनर्जी, स्थापना एवं लेखा अधिकारी जो अवकाश पर चले गये हैं के स्थान पर स्थानापन्न रूप में 840 रु० प्रति माह वेतन पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतन मान में अल्पकालिक अवकाश रिक्ति पर दिनांक 1 दिसम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है ।

हरी नारायण
भारत के महासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय एटलस संस्था

कलकत्ता-700019, दिनांक 12 दिसम्बर 1975

सं० 35-2/75-स्था०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री सुदर्शन मुखर्जी स्थायी क्षेत्र अधिकारी को राष्ट्रीय एटलस संस्था में वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर दिनांक 10-12-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से पदोन्नति की जाती है ।

एस० पी० दासगुप्त
निदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1975

सं० ए० 19012-7-75-स्थापना-1—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक बी० जी० कोच, यूनिट, मद्रास में क्षत्तीय प्रदर्शनी अधिकारी, श्री एस० एस० शान्ताराम को इस निदेशालय में 29 अक्टूबर, 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक सहायक मुद्रण प्रबन्धक के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए सर्वथा तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं ।

रोशन लाल जैन
उप निदेशक (प्रशासन)
विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक की ओर से

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर, 1975

सं० 4(9)/75-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्द्वारा श्री जी० एस० हिरण्यप्पा को 30 अक्टूबर, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी बंगलौर में अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादन के पद पर नियुक्त करते हैं ।

शान्ति लाल
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं० 2/12/75-एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री डी० मुभेन्द्रराव, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, आकाशवाणी, परभाणी, को दूरदर्शन केन्द्र आकाशवाणी, बम्बई में 15 नवम्बर, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, तदर्थ आधार पर सहायक इंजीनियरी के संवर्ग में स्थानापन्न रूप में कार्य करने को नियुक्त करते हैं।

प्रेम कुमार सिन्हा
प्रशासन उप निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1975

सं० 4(115)/75-एग-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वद्वारा श्री डी० सी० कचारी को 15 अक्टूबर, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी गोहाटी में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

प्रेम कुमार सिन्हा
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

सं० 20/6(2)/75-सी० जी० एच० एस०-1—अपना त्यागपत्र मंजूर हो जाने के फलस्वरूप डा० विनोद कुमार, कनिष्ठ, चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) ने 29 अक्टूबर, 1975 (पूर्वाह्न) से जी० डी० ओ० ग्रेड 2 (कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं० एफ० 9-33/75-सी० जी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) ए० एम० जोशी को 27 अक्टूबर 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस निदेशालय के अधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई में पूर्णतया तदर्थ आधार पर आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर नियुक्त किया है।

के० वेणुगोपाल
उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1975

सं० 11-3/74 एडमिन 1(भाग-2)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री जी० पंचापकेसन को निम्नलिखित अवधियों के लिये केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-1 में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं:—

- (1) 13 सितम्बर, 1975 पूर्वाह्न से 20 सितम्बर, 1975 अपराह्न तक।
- (2) 25 सितम्बर, 1975 पूर्वाह्न से 12 नवम्बर, 1975 अपराह्न तक।

2. राष्ट्रपति श्री जी० पंचापकेसन की इस निदेशालय में उपनिदेशक (प्रशासन) के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

अगुनीन मुरीन
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं० 17-8/75-भंडार-1—सरकारी सेवा से रिटायर होने पर चिकित्सा सामग्री भंडार संगठन के सहायक डिपो प्रबन्धक श्री एस० राजशेखरन ने 30-11-75 (अपराह्न) को चिकित्सा सामग्री भंडार डिपो बम्बई में उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया

मंगत सिंह
उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, एन० एच०-4, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं० फाइल 4-6(20)/74-प्रशा०-1—व्यापार मंत्रालय के अधीन पणजी में आयात और निर्यात नियन्त्रक के रूप में कार्यभार ग्रहण करने पर श्री आर० पी० डोडियाल, का दिनांक 4-5-75 के अपराह्न से इस निदेशालय में सहायक विपणन अधिकारी, के अपने पद से त्यागपत्र समझा जाय।

ई० एस० पार्थसारथी
कृषि विपणन, सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

तारापुर परमाणु बिजलीघर

महाराष्ट्र-401504, दिनांक 19 नवम्बर 1975

सं० टी० ए० पी० एस०/प्रशासन/634-III/1354—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, सर्वश्री हरिनाथ सिंह गौड़ और पी० के० चोपड़ा को 19 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये तारापुर परमाणु बिजलीघर में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 नवम्बर 1975

सं० टी० ए० पी० पी०/ए० डी० एस०/735 ए-1364—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के अस्थायी वरिष्ठ आशुलिपिक श्री एस० दयम्बकनाथ को, उनकी तैनाती संवर्ग प्राधिकरण द्वारा की जाने पर, 20 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये तारापुर परमाणु बिजलीघर में अस्थायी रूप से सहायक कामिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० वी० सेतुमाधवन
मुख्य प्रशासन अधिकारी

विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

(नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना)

बम्बई-400005, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

सं० एन० ए० पी० पी०/1(26)/75 प्रशा०-3806-1357—
श्री आर० के० वाली, वरिष्ठ कामिक अधिकारी ने उनका प्रत्यावर्तन भारत पम्प एण्ड कम्प्रेसर्स लिमिटेड, इलाहाबाद से नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना को होने पर, भारत पम्प एण्ड कम्प्रेसर्स लिमिटेड, इलाहाबाद में अपने पद का कार्यभार 8 जुलाई, 1975 के अपराह्न को छोड़ दिया तथा नरोरा-स्थित नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना में प्रशासन अधिकारी-II के पद का कार्यभार 15 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न को संभाल लिया।

2. श्री वाली नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना में प्रशासन अधिकारी-II के पद का कार्यभार आगामी आदेश तक संभालें रहेंगे।

दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं० पी० पी० ई० डी०/3(236)/75 प्रशासन/13223-1362—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक, प्रभाग के अस्थायी विज्ञान-सहायक 'बी' श्री आर० आर० सावे को 1 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये उसी प्रभाग में अस्थायी रूप से विज्ञान अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड 'एस० बी०', नियुक्त करते हैं।

सं० पी० पी० ई० डी०/3(236)/75-प्रशासन-13224-1363—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक एतद्वारा इस प्रभाग के अस्थायी विज्ञान-सहायक 'सी' श्री एन० राजगोपाल राव को 1 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये उसी प्रभाग में अस्थायी रूप से विज्ञान अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

एन० जी० पेरुलेकर
प्रशासन अधिकारी
कृते निदेशक

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं० ए० एम० डी०-1/18/75-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री शुभान्कर दत्त को 19 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिये उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० ए० एम० डी०-1/18/75-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री दिलीप हरीपंत जोशी को 11 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिये उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपष्कम, दिनांक 21 नवम्बर 1975

सं० आर० आर०-सी-II-1(26)/72-24387-1353—
रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के निदेशक केन्द्र के स्थानापन्न सहायक श्री पोटथपक्कम वेणुगोपालाचारी सुन्दरराजन को श्री एस० आर० रामबलिवन, सहायक प्रशासन अधिकारी जिन्हें वरिष्ठ आणुलिपिक के पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया गया है, के स्थान पर 4 अक्टूबर, 1975 से 15 नवम्बर, 1975 तक की अवधि के लिये स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

(भारत मौसम विज्ञान विभाग)

नई दिल्ली-110003, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

सं० ई(1)05853—वेधशालाओं के महानिदेशक मद्रास प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री टी० वी० वैद्यनाथन को अठतालीस दिन की अवधि के लिये 28-10-1975 के पूर्वाह्न से 14-12-1975 तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री टी० वी० वैद्यनाथन, मद्रास प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई(1)05131—वेधशालाओं के महानिदेशक मद्रास प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री एस० बी० सेशाद्री को तैतीस दिन की अवधि के लिये 17-11-1975 के पूर्वाह्न से 29-12-1975 तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री सेशाद्री मद्रास प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 15 दिसम्बर 1975

सं० ई(1)04267—वेधशालाओं के महानिदेशक पूना के वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान) के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री पी० के० ई० राजा को बासठ दिन की अवधि के लिये 17-11-1975 के पूर्वाह्न से 17-1-1976 तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री राजा 17-11-75 के पूर्वाह्न से पूना उपकरण के निदेशक के कार्यालय में स्थानान्तरित कर दिये गये हैं।

एस० आर० एन० मनियन
मौसम विशेषज्ञ
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

सं० ए०-31014/1/75-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एस० सरकार को 1 जनवरी, 1975 से नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार सगठन में सहायक संचार अधिकारी के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

हरबस लाल कोहली
उप-निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं० ए०-32013/5/73-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एल० पी० सैमुअल, महायक तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई को 8-9-1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक तदर्थ आधार पर तरुनीकी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है तथा उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता में तैनात किया है।

विश्व विनोद जीहरी
सहायक निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

सं० ए०-32013/2/74-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री के० बी० पी० आर्यंगर, विमानक्षेत्र अधिकारी को 24 नवम्बर, 1975 (अपराह्न) से तथा अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में स्थानापन्न रूप से वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है। श्री आर्यंगर को मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास में तैनात किया जाता है।

विश्व विनोद जीहरी,
सहायक निदेशक, (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

सं० ए०-31013/4/75-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री बी० एस० राव, स्थानापन्न उप-निदेशक, उडान कर्मिंदल मानक, नागर विमानन विभाग को 27 अगस्त, 1975 से उमी ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

टी० एस० श्रीनिवासन
सहायक निदेशक (प्रशासन)

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

सं० 1/394/75-स्था०—श्री कपूर सिंह गुलिआनी को 14 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्विचिंग काम्पलैक्स, बम्बई में अस्थायी रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त किया जाता है।

2-406 GI/ 75

सं० 1/395/75-स्था०—श्री जसबीर सिंह सादना को 15 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक बम्बई शाखा में अस्थायी रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 10 दिसम्बर 1975

सं० 1/396/75-स्था०—श्री ए० आर० सुब्रमोनिया अय्यर को 24 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक बम्बई शाखा में अस्थायी रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त किया जाता है।

सं० 1/381/75-स्था०—श्री वार्ड० पी० माराभाई, स्थायी निरीक्षक, सी० आर० पी० एफ० महानिदेशालय, नई दिल्ली को पहली दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक प्रतिनियुक्ति के आधार पर मुख्य कार्यालय, बम्बई में स्थानापन्न रूप से सुरक्षा अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० दामने
महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1975

सं० 1/246/75-स्था०—महानिदेशक, विदेश संचार सेवा ने श्री जी० बी० तिवारी, स्थायिवत् महायक अभियन्ता, स्विचिंग काम्पलैक्स, बम्बई का सरकारी सेवा से त्यागपत्र दिनांक 24 नवम्बर, 1975 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

पा० कि० गो० नायर
उप-निदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तलय
(सीमाशुल्क सिबबन्दी)

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1975

सं० 1/75—कस्टम हाउस, कलकत्ता के कार्यालय अधीक्षक श्री रणजित सेन की पदोन्नति दिनांक 21-12-73 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी के रूप में की गई है।

सं० 2/75—कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक अधिकारी ग्रेड-I श्री ए० बी० मुदालियर की पदोन्नति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं० 3/75—कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक अधिकारी ग्रेड-I श्री जी० आर० सिन्हा की पदोन्नति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के रूप में दी गई है।

सं० 4/75—कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक अधिकारी ग्रेड-I श्री ए० जी० जेवियर की पदोन्नति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं० 5/75—कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक अधिकारी ग्रेड-I श्री सी० बी० स्टफेंस की पदोन्नति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं० 6/75—कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक अधिकारी ग्रेड-I श्री जे० टी० क्रेनेनवार्ग की पदोन्नति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं० 7/75—कस्टम हाउस, कलकत्ता के स्थानापन्न मूल्य निरूपक श्री एन० सी० दत्ता की पदोन्नति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं० 8/75—कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक अधिकारी ग्रेड-I श्री वि० सि० साहा की पदोन्नति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं० 9/75—कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक अधिकारी ग्रेड-I श्री ई० टोप्पो की पदोन्नति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं० 10/75—कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक अधिकारी ग्रेड-I श्री पी० के० राय लस्कर की पदोन्नति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं० 11/75—कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक अधिकारी ग्रेड-I श्री डी० सी० राय की पदोन्नति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं० 12/75—कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक अधिकारी ग्रेड-I श्री एन० एन० मन्डल की पदोन्नति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस, कलकत्ता से निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं० 13/75—कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक अधिकारी ग्रेड-I श्री एच० सी० मजुमदार की पदोन्नति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं० 14/75—कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक अधिकारी ग्रेड-I श्री डी० आर० बनर्जी की पदोन्नति दिनांक 23-12-74 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं० 15/75—कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक अधिकारी ग्रेड-I श्री एस० के० सेन की पदोन्नति दिनांक 28-1-75 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

देवकी नन्दन लाल
सीमा शुल्क समाहर्ता, कलकत्ता

बंगलौर, दिनांक 10 सितम्बर 1975

सं० 14/75—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के निम्नलिखित स्थायी और स्थानापन्न (प्रवरण ग्रेड) निरीक्षकों को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के सम्यमान स्थानापन्न अधीक्षक, श्रेणी II के रूप में पदोन्नत किया गया है और उनके नामों के सामने दिए गए कार्यालयों में तैनात किया गया है :—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	कार्यालय जिसमें तैनात किए गए हैं	कार्यभार संभालने की तिथि
	सर्वश्री		
1.	एन० डी० ठाकुर	बहुपदीय अधिकारी रेंज, शिमोगा	4-8-75
2.	पी० एन० डण्डी	बहुपदीय अधिकारी रेंज-IX बंगलौर-1, प्रभाग	8-8-75

दिनांक 15 अक्टूबर 1975

सं० 16/75—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के निम्नलिखित स्थापन्न कार्यालय अधीक्षकों को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के सम्यमान में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के प्रशासन अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी, श्रेणी-II के रूप में पदोन्नत किया गया है। उन्होंने उनके नामों के सामने बताए गए कार्यालयों में प्रशासन अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी का कार्यभार संभाल लिया है :—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	कार्यालय जहां तैनात किया गया	कार्यभार संभालने की तारीख
1	2	3	4
	सर्वश्री		
1.	एम० के० रामचन्द्र	प्रशासन अधिकारी, समेकित प्रभागीय कार्यालय, निपानी।	15-9-75
2.	सी० एस० अज्जगोडा	प्रशासन अधिकारी, समेकित प्रभागीय कार्यालय, बंगलौर-II प्रभाग	14-8-75 अपराह्न

1	2	3	4
सर्व श्री			
3. के० एस० सूसैनिकम्		सहायक मुख्य लेखा अधिकारी प्रधान कार्यालय, भगलौर।	13-8-75
4. बी० आर० फटाटे		प्रशासन अधिकारी, समेकित प्रभागीय कार्यालय भगलौर, सीमाशुल्क प्रभाग।	11-9-75
5. वी० के० बागलवाडी		प्रशासन अधिकारी, समेकित प्रभागीय कार्यालय, भगलौर, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क प्रभाग।	12-9-75

एस० वेकटराम अय्यर
समाहर्ता

नारकोटिक्स विभाग

ग्वालियर, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

सं० 36—श्री एम० एस० बंसल, आसूचना अधिकारी, नारकोटिक्स आसूचना ब्यूरो, कार्यालय, भारत का नारकोटिक्स आयुक्त, ग्वालियर को 1 अक्टूबर, 1974 से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, रु० 1000.00 के चरण पर दक्षतारोध पार करने की अनुमति दी जाती है।

सं० 37—श्री गोरख नाथ, अधीक्षक (कार्यपालक), गाजीपुर को 1 मई, 1975 से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु० 810.00 के चरण पर दक्षतारोध पार करने की अनुमति दी जाती है।

सं० 38—श्री एस० के० घोषाल, जिला अफीम अधिकारी, नौमच-V प्रभाग को, 1 फरवरी, 1974 से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के चरण पर दक्षतारोध पार करने की अनुमति दी जाती है।

अभिलाष शर्कर
भारत का नारकोटिक्स आयुक्त

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं० क-19012/217/75-प्रशा०-5—अपने मूल विभाग अर्थात् भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, लोदी रोड, नई दिल्ली में वापसी परावर्तन पर श्री जे० के० खन्ना ने दस नवम्बर, 1975 के पूर्वार्द्ध से केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त महायुक्त निदेशक (जल-विज्ञान) के पद के कार्यभार का त्याग कर दिया है।

सं० क-19012/471/74-प्रशा०-5—इस आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 26-8-75 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्द्वारा श्री एस० एल० अहलूवालिया को जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पूना में विशेष अधिकारी (प्रलेखन) के पद पर स्थानापन्न क्षमता में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 29-2-76 तक की आगामी अवधि के लिए अथवा जब तक यह पद नियमित रूप से भरा जाएगा, जो भी पूर्व हो, पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 दिसम्बर 1975

शुद्धिपत्र

सं० क-19012/514/74-प्रशा०-5—इस आयोग की अधिसूचना सं० क-19012/514/74-प्रशा०-5 दिनांक 23-7-75 में सूचित की गई तारीख 14-12-1974 के स्थान पर “10 दिसम्बर, 1794” रखी जाय।

के० पी० बी० मेनन
अवर सचिव
इसे अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं० क-19012/544/75-प्रशा०-5—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयन किए जाने के परिणामस्वरूप अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री उल्हास विश्वाधपुरांडारे को केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पूना, केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी सिविल) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में 15 नवम्बर, 1975 के पूर्वार्द्ध से नियुक्त करते हैं।

श्री यू० वी० पुरांडारे उपर्युक्त तारीख तथा समय से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे

के० पी० बी० मेनन
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद-121001, दिनांक 6 दिसम्बर 1975

सं० 3-374/75-सी० एच० (ई०)—संघ लोक सेवा आयोग की चयन के फलस्वरूप श्री के० वी० एस० सास्त्री को सहायक जल भूविज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० वी०-35-880-40-1000-ई० वी०-40-1200 के अन्तर्गत अस्थाई आधार पर उनके मुख्यालय भोपाल के साथ दिनांक 10-11-75 (पूर्वार्द्ध) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

सं० 3-412/75-सी० एच० (ई०)---श्री जे० एन० राय को सहायक जल भूविज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अस्थाई आधार पर उनके मुख्यालय नागपुर के साथ दिनांक 14-11-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

डी० एस० देशमुख
मुख्य जल भूविज्ञानी

फरीदाबाद-121001, दिनांक 12 दिसम्बर 1975

सं० 3-424/75-ईस्ट---श्री मन मोहन सिंह डीलो को दिनांक 7-5-1973 (अपराह्न) से संग्रह अधिकारी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड नर्मदा प्रोजेक्ट में उनके मुख्यावास भोपाल के साथ वेतनमान 750-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अस्थाई व तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है। किन्तु श्री मन मोहन सिंह डीलो को संग्रह अधिकारी का वेतनमान जिस दिन से पद भार लिया है उसी दिन यानी 1-9-75 से मिलेगा।

देवता पाण्डेय
अधीक्षक अभियन्ता

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1975

सं० 5/6/75-ई० सी०-I---राष्ट्रपति, 1974 में हुई इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के आधार पर निम्नलिखित उम्मीदवारों को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा, श्रेणी-I/केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी सेवा श्रेणी-I में सहायक कार्यपालक इंजीनियरी (सिविल)/सहायक कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत्) के अस्थायी पदों पर उनके नाम के आगे दी हुई तिथि से परीक्षाधीन नियुक्त करते हैं :—

केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-I

सर्वश्री

- | | |
|----------------------|----------|
| 1. जगदीश चन्द्र वासन | 19-11-75 |
| 2. सुशान्त बालिगा | 20-11-75 |
| 3. लेखराज सिंह | 24-11-75 |

केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी श्रेणी-I

- | | |
|-------------------|----------|
| 1. अनिल कुमार जैन | 20-11-75 |
|-------------------|----------|

एस० एस० पी० रात्रो
प्रशासन उप-निदेशक

कम्पनी कार्य विभाग

रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अधीन सूचना और मेसर्स मकसूदपुर रेफरिजेशन इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

पटना-1, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

सं० (425) लिक्विडेशन/4613---कम्पनी अर्जी सं० 2/1975 में पटना स्थित उच्च न्यायालय के दिनांक 31-10-75 के आदेश द्वारा मेसर्स मकसूदपुर रेफरिजेशन इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के परिसमापन का आदेश दिया गया है।

सं० प्र० तायल
कम्पनी निबंधक, बिहार
पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स घी ईस्टर्न जालाबाड मोटर ट्रांसपोर्ट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1975

सं० 560/648---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवधान पर मेसर्स घी ईस्टर्न जालाबाड मोटर ट्रांसपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे० गो० गाथा
प्रमडल पजीयक, गुजरात राज्य
अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अधीन सूचना और रायपुर मटल प्रोडक्ट्स प्राईवेट लिमिटेड, रायपुर के संबंध में

ग्वालियर-474001, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

सं० 906/लिक्विडेशन/1863---कम्पनी अधिनियम की धारा 445(2) के अन्तर्गत सूचित किया जाता है कि रायपुर मटल प्रोडक्ट्स प्राईवेट लिमिटेड, रायपुर को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर के आदेश दिनांक 3 अक्टूबर, 1975 के द्वारा परिसमापन करने का आदेश दिया है तथा शासकीय समापक इन्दौर को उक्त कम्पनी का समापक नियुक्त किया है।

महेश प्रसाद
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 जेसवाल टूरिस्ट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

सं० 1281 टी(560)---कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जेसवाल टूरिस्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

श्रीम प्रकाश जैन
कम्पनी रजिस्ट्रार
आंध्र प्रदेश, हैदराबाद।

कम्पनी अधिनियम 1913 और नेशनल स्टील
कारपोरेशन लि० (इन लिंकी)

सं० एल०/10898/डी-738---यतः नेशनल स्टील कारपोरेशन लि० (इन लिंकी) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय कलकत्ता में है, का समापन किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्तियुक्त हेतुक है कि कम्पनी के कामकाज का पूरी तौर से समापन कर दिया गया है, और यह कि स्टेटमेंट आफ एकाउन्ट्स जो समापक द्वारा दिये जाने के लिए अपेक्षित है, छह क्रमवर्ती मास के लिए नहीं दी गई है,

अतः अब कम्पनी अधिनियम, 1913 की धारा 247 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में, एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर नेशनल स्टील कारपोरेशन लिमिटेड (इन लिंकी) का नाम, यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एन० एन० मौलिक
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कार्यालय आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

सं० एफ० 48-ए डी- (एटी)/75-पी II---श्री एम० एम० प्रसाद, अधीक्षक, आयकर अपील अधिकरण, बम्बई, न्यायपीठ बम्बई जिन्हे तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में आयकर अपील अधिकरण, कटक न्यायपीठ, कटक में सहायक रजिस्ट्रार के पद पर स्थानापन्न रूप से 30-9-1975 (अपराह्न) तक कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गयी थी (देखिये - कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 31 जुलाई, 1975) उन्हें उसी क्षमता में तदर्थ आधार पर आयकर अपील अधिकरण, कटक न्यायपीठ, कटक में सहायक रजिस्ट्रार के पद पर स्थानापन्न रूप से और छह महीने के लिए अर्थात् 1-10-1975 से 31-3-1976 तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा मनोनीत व्यक्ति की नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

हरनाम शंकर
अध्यक्ष

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

ग्रजन रेंज III दिल्ली- 1

4/14-ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली।

दिनांक 17 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/III/एस आरब III/जून/314(10)/75-76—यतः, मुझे, एस० सी० परोजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० जायदाद नं० 15/2358 का 1/2 भाग है, जो चूना मण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम नाथ आनन्द, सुपुत्र श्री ठाकुर दास आनन्द, 17, बाबर रोड़ नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सुरीन्दर सिंह, सुपुत्र श्री घेरा सिंह, 2657/8, चूना मण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

(3) श्री प्रेम नाथ सूरजभान (2) श्री हरी किशन आफ बधवा मैडिकल स्टोर (3) मै० पोलसन ड्राई क्लीन (सभी निवासी 15/2358, चूना मण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 15/2358 का 1/2 भाग जोकि लेनहोल्ड प्लाट को भूमि पर बना हुआ है जिसका क्षेत्रफल 417 वर्ग गज है तथा जोकि चूना मण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :

पूर्व : श्री परस राम तथा सुखा का मकान

पश्चिम : राजगुरु रोड़ तथा चूना मण्डी

उत्तर : श्री राम नाथ तथा भोला का मकान

दक्षिण : जायदाद नं० 15/2358 का बाकी बचा भाग

एस० सी० परोजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

दिनांक 17 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्यु०/11/2039/971/75-76—
यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० 1853 परतीन दुकाने हैं, जो बिस्सोमल कालोनी
भागीरथ पैलेस, चांदनी चौक, दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 21-5-1975 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-
शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती गिन्दो बाई, पत्नी स्वर्गीय श्री विशम्बर नाथ
निवास 1808, बिस्सोमल कालोनी, भागीरथ
पैलेस, चांदनी चौक, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सत्या पाल बन्सल, सुपुत्र श्री जगदीश राय, एडवोकेट,
निवासी बी-15, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन दुकानें जो कि ग्राउन्ड फ्लोर पर बनी हुई हैं जिसका
माईश अन्दर की तरफ 28 फुट 10 इंच बाई 25 फुट और ऊंचाई
15 फुट हैं, मिनजुमले अहाता जायदाद नं० 1853 बाक्य बिस्सोमल
कालोनी, भागीरथ पैलेस, चांदनी चौक, इलाका नं० 2 दिल्ली-6
जिसकी सीमाएं इस प्रकार से हैं :—

पूर्व : दीवार मुशतारका व बाकी जायदाद बिक्रेता

पश्चिम : दीवार मुशतारका व दुकान श्रीमती कृष्णा कुमारी
ठाबड़ा

उत्तर : रास्ता आमबोरफ्त मिलकीयत बिक्रेता

दक्षिण : दीवार मुशतारका व जायदाद बिक्रेता

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 17 दिसम्बर 1975

मोहर :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली 1

दिनांक 17 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1962/972/75-76

—यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1853 पर तीन दुकानें हैं, जो बिस्सामल कालौनी, भागीरथ पैलेस, चांदनी चौक दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती गिद्धो बाई, पत्नी स्वर्गीय श्री बिशम्बर नाथ, निवासी 1808, बिस्सोमल कालौनी, भागीरथ पैलेस, चांदनी चौक, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सत्यापाल बंसल, सुपुत्र श्री जगदीश राय, एडवोकेट निवासी बी-15, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन दुकानें जोकि ग्राउण्ड फ्लोर पर हैं जिसकी पैमाईश 29 फुट 9 इंच बाई 25 फुट और ऊंचाई 15 फुट है, मिनजूमल अहाता जायदाद न० 1853 बाक्या बिस्सामल कालौनी, भागीरथ पैलेस, चांदनी चौक इलाका न० 2 दिल्ली-6 जिसकी सीमाएं इस प्रकार हैं :—

पूर्व : दीवार भुशतरका व बाकी जायदाद विक्रेता
पश्चिम : दीवार भुशतरका व बाकी जायदाद विक्रेता
उत्तर : रास्ता आमदोरपत मिसकीयत विक्रेता
दक्षिण : दीवार भुशतरका व जायदाद विक्रेता

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज—2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17 दिसम्बर 1975

मोहर :

आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली।

दिनांक 17 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1915(973)/75-75—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 27 है, जो गोखले मार्किट, (सामने) तीस हजारी कोर्ट के, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री हरबन्स लाल, सुपुत्र श्री लछम्मन दास, सी-3/17, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरदेवी, पत्नी एस० जगत सिंह कोहली, 5293, बसंत रोड़, पहाड़गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 27 जोकि गोखले मार्किट, तीस हजारी के सामने, दिल्ली में बनी है, इसका क्षेत्रफल 563 वर्ग फुट है जिसमें 2/3 ग्राउण्ड फ्लोर पर तथा 1/3 पहली मंजिल है।

एस एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज—2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 17 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

दिनांक 19 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1920/974/75-
76—यतः, मुझे, एम० एन० एल० अग्रवाल

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिस की सं० 6161 (आउण्ड प्लोर) है, जो पक्की गली, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरनाम सिंह, सुपुत्र एस० सुन्दर सिंह, डी-131-ए/9, माडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री राम धारी अग्रवाल, सुपुत्र श्री जय लाल अग्रवाल, 3613, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आउण्ड प्लोर जायदाद का नं० 6668-69 (पुराना) तथा 5 तथा 6161 (नया), वाडं नं० 13 है तथा जोकि पक्की बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली में फ्रीहोल्ड प्लॉट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 91 वर्ग गज है निम्न प्रकार से घिरा है :—

पूर्व : जायदाद नं० 6160

पश्चिम : जायदाद नं० 6162

उत्तर : गली तथा आम रास्ता

दक्षिण : बहादुरगढ़ रोड

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 19 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 19 दिसम्बर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1921(975)/
75-76—यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 6161 (पहली मंजिल) है, जो पक्की गली,
बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-4-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :-

(1) हरनाम सिंह, सुपुत्र एम० इन्द्र सिंह, डी-13 II 19,
माडल टाउन, दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री विष्णु भगवान, सुपुत्र श्री रामधारी अग्रवाल,
3613, वारा हिन्दू राव, दिल्ली-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद की पहली मंजिल जिसका नं० 6668-69 (पुराना)
तथा 6161 वाडें नं० 13 है तथा जोकि पक्की गली, वारा हिन्दू
राव, दिल्ली में फ्रीहोल्ड प्लॉट की भूमि जिसका क्षेत्रफल
वर्ग गज है सीमाएं तथा जिसकी निम्न प्रकार से हैं :-

पूर्व : जायदाद नं० 6160

पश्चिम : जायदाद नं० 6162

उत्तर : गली तथा ग्राम रास्ता

दक्षिण : बहादुरगढ़ रोड़

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 19 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/316(976)/75-76—यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ए-7/54 है जो कृष्ण नगर, दिल्ली-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती देवकी देवी मंगा, पत्नी श्री देवी दास मंगा, ए-7/54, लाल मकान, मैन रोड, कृष्णनगर, दिल्ली-5 (अन्तरक)

(2) श्रीमती बिमला रानी, पत्नी श्री अमर नाग, 160, तेलीवाड़ा, शाहदरा, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बनी हुई जायदाद जिसका म्युनिसिपल नं० 11/284 (पुराना) तथा ए-7/54 (नया) है जोकि प्लॉट नं० ए-7/54 के हिस्से पर बन हुई है और क्षेत्रफल 66 1/2 वर्ग गज है तथा जोकि कृष्ण नगर, दिल्ली-51 में निम्न सीमाओं से घिरा है :—

पूर्व : मैल लाल क्वाटर

पश्चिम : रोड

उत्तर : जायदाद का बाकी भाग

दक्षिण : जायदाद का बाकी भाग

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज—2, दिल्ली-1

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

दिनांक 7 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एकयु०/ /350/977/75-76—यत, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल
भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं०जी-30 है, जो राधेपुर, शाहदरा इलाका, दिल्ली-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध-अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गियान सिंह, सुपुत्र श्री खुशिया सिंह,
एच-5/22, कृष्ण नगर, दिल्ली-5

(अन्तरक)

(2) श्री केवल कृष्ण, सुपुत्र श्री हरबस लाल, (2) श्री एच० ए० मेघजी, सुपुत्र श्री ए० एम० मेघजी, निवासी
ए-7/22, कृष्ण नगर, दिल्ली-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर कत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें ।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ढोई मजिला मकान जोकि प्लाट की भूमि पर बना हुआ है क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है (दक्षिणी भाग का क्षेत्रफल 200 वर्ग गज) तथा जोकि जी-40, राधेपुरी, खुरेजी खास गांव, शाहदरा, दिल्ली में निम्न प्रकार से घिरा है —

पूर्व अन्य भूमि

पश्चिम रोड़ 20 फुट

उत्तर जी-40 प्लाट का भाग

दक्षिण. प्लाट न० जी-39

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज—2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड नई दिल्ली ।

तारीख 17 दिसम्बर 1975

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1953/978/75-76—यत, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० 51 है, जो गन्दी गली, फतेहपुरी, दिल्ली-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पुराणे लाल कपूर, सुपुत्र श्री राम सारूप कपूर, 58, बँदवाडा स्ट्रीट, मेरठ राजधानी (य० पी०) (अन्तरक)

(2) श्री नारेन्द्र कुमार खुराना, तथा श्री चन्द्र मोहन खुराना, सुपुत्र श्री देस राज, निवासी 51, गन्दी गली, फतेहपुरी, दिल्ली-6 (अन्तरिती)

(3) सदाना मोहन (2) दाऊ दयाल (3) नारीन्द्र खुराना (4) शान्ती स्वरूप बैजाल, निवासी 51, गन्दी गली फतेहपुरी, दिल्ली-6 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक दुमजिला मकान जिसका म्युनिसिपल न० 51, वार्ड न० 3 है तथा जोकि गन्दी गली फतेहपुरी, दिल्ली में जिसका क्षेत्रफल 252 वर्ग गज है निम्न प्रकार से घिरा है :

पूर्व : लाला हर स्वरूप का मकान
पश्चिम : लाला कुरे मल का मकान
उत्तर : लाला चन्द स्वरूप का मकान
दक्षिण : लाला मुन्नी लाल का मकान

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज—2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

तारीख 19 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/11/2053/979/

75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० खसरा नं० 159 है, जो धीरपुर गांव, संत निरंकारी कालौनी, दिल्ली-9 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों शर्तित :—

(1) श्रीमती श्रवतार कौर, पत्नी एस० आनन्द सिंह, डेफोर्ट गांव, पोस्ट आफिस मडनोके, जिला अमृतसर, (पंजाब)

(अन्तरक)

(2) श्री ब्रिशन सिंह, सुपुत्र श्री गुरबख्श सिंह, मकान नं० 99, संत निरंकारी कालौनी, दिल्ली-9

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है जोकि खसरा नं० 159 का भाग है तथा जोकि संत निरंकारी कालौनी, दिल्ली-9, धीरपुर गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार की सीमाओं से घिरा है :—

पूर्व : रोड़ 40'

पश्चिम : रोड़ 10'

उत्तर : अमर सिंह की भूमि

दक्षिण : गली 10'

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 19 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली

तारीख 19 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1904/980/
75-76—यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० बी-181 है, जो दो मजलीस पार्क,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन अप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ओम प्रकाश सेठी, पत्नी श्री लाल चन्द सेठी,
बी-206, मजलीस पार्क, दिल्ली-33
(अन्तरक)

(2) श्री मदन लाल आनन्द, सुपुत्र श्री माखन लाल, बी-
181, मजलीस पार्क, दिल्ली-33
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

टेड मंजिला मकान जोकि प्लाट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल
100 वर्ग गज है प्लाट नं० 181 ब्लॉक नं० 'बी' खसरा नं० 6,
है तथा जोकि भारोला गांव, मजलीस पार्क की अबादी, जी० टी०
रोड़ पर, दिल्ली राज्य में निम्न सीमाओं से घिरा है :—

पूर्व : जायदाद नं० बी-180

पश्चिम : जायदाद नं० बी-182

उत्तर : रोड़

दक्षिण : जायदाद नं० बी-101

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 19 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

दिनांक 19 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 11/1946/981/75-76—
यतः, मझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से
अधिक है

और जिस की स० 1322, 23 वार्ड न० 13 है, जो फौज गंज, बहादुर
गढ़ रोड़, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 26-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-406G1/75

(1) श्री कोटू मल, सुपुत्र श्री सुन्दर दास, 1321, फौज गंज,
बहादुरगढ़ रोड़, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरजीत कौर, पत्नी एस० तीर्थ सिंह, 1322-
23, फौज गंज, बहादुरगढ़ रोड़, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक हुमजिला मकान जिसका क्षेत्रफल 108 वर्ग गज है और
नं० 1322, 23 वार्ड नं० 13, गली नं० 3 नर बना हुआ है तथा
जोकि फौज गंज, बहादुरगढ़ रोड़, दिल्ली में निम्न प्रकार की सीमाओं
से घिरा है :—

पूर्व : अन्य जायदाद

पश्चिम : मकान नं० 1324

उत्तर : मकान नं० 756

दक्षिण : दरवाजा

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 19 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

तारीख 23 दिसम्बर 1975

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1882/(997)/
75-76—यत, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० प्लॉट न० 38, ब्लॉक न० 65 है, जो डब्ल्यू ई०
ए०, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम क अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती गत पाल कौर, पत्नी सुन्दर सिंह, 2382/12,
बोदनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री रानी सहगल, पत्नी श्री के० के०
सहगल 5-सी/73, रोहतक रोड, नई दिल्ली-5

(अन्तरिती)

(3) श्री एस० एम० सिंह (2) वी० पी० रमण (3) वी०
रामाचन्द्रा (4) कौशल राय, सभी निवासी 38/65,
डब्ल्यू ई० ए०, रोहतक रोड, नई दिल्ली

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ठाई मजिल मकान जो किनारे के 273 वर्ग गज प्लॉट पर
बना है और जिसका न० 38, ब्लॉक न० 65, डब्ल्यू ई० ए०, रोहतक
रोड, नई दिल्ली में है। यह मकान इस प्रकार स्थित है —

पूर्व . रोड

पश्चिम . सर्विस लेन

उत्तर . रोड

दक्षिण . जायदाद न० 37

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 23 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 23 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1995(996)/
75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 2187 वाई नं० 9 है, जो गली नलवाली, पहाड़ी
भोजला, चीतली कबर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 7-4-75 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

- (1) श्री मोहम्मद इराफर (2) मोहम्मद गहमन (3)
मोहम्मद रिजवन तथा मोहम्मद इकबाल, सुपुत्र
श्री हाजी मोहम्मद उस्मान, सभी निवासी मकान नं०
9/2186, गली नलवाली, पहाड़ी भोजला, चीतली
कबर, जामामस्जिद, दिल्ली (अन्तरक)
(2) मुस्मात अजीस फातमा, पत्नी मोहम्मद अशफाक,
निवासी 9/1608, अंधेरी गली, पहाड़ी भोजला,
चीतली कबर, दिल्ली (2) मोहम्मद यूसफ, सुपुत्र
मोहम्मद याकूब, निवासी 9/2187, गली नलवाली,
पहाड़ी भोजला, जामामस्जिद, दिल्ली (3) मोहम्मद,
राफीक, सुपुत्र मोहम्मद मुनीर, निवासी 9/1608
अंधेरी गली, पहाड़ी भोजला, चीतली कबर, जामा-
मसजिद, दिल्ली (4) अहम्मद हीन कुरेशी, सुपुत्र
श्री मोहम्मद हीन कुरेशी, निवासी 9/2801, पहाड़ी
भोजला, चीतली कबर, जामा मस्जिद, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जो फ्रीहोल्ड 180 वर्ग गज प्लॉट पर
बना है। इसका म्युनिसिपल नं० 1321 (पुराना) 2187 (नया);
वाई नं० 9 नलवाली गली, पहाड़ी भोजला, चीतली कबर, जामा
मस्जिद, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : अन्य जायदाद की दीवारें
पश्चिम : अन्य जायदाद की दीवारें
उत्तर : अन्य जायदाद की दीवारें
दक्षिण : दीवार

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 23 दिसम्बर 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

दिनांक 23 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयु०/11/1943/995/75-
76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० सी-5/20 का 1/2 भाग है, जो माडल टाउन,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 28-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विनोद सिंह, सुपुत्र श्री सरदार ईशर सिंह, ए-1,
विशाल इन्कलेव, रजौरी गार्डन के सामने, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री दाबिन्द्र सिंह कोहली, सुपुत्र श्री सूरज सिंह कोहली,
(2) श्रीमती सम्पूर्ण कौर, पत्नी एस० भाग सिंह,
निवासी डी-10/5, माडल टाउन, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल 306 वर्ग गज है और
नं० 20 ब्लॉक 'सी-5' पर बना है जोकि माडल टाउन, दिल्ली में
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० सी-5/21

पश्चिम : जायदाद नं० सी-5/19

उत्तर : जायदाद नं० बी-6/19 तथा सी-6/20

दक्षिण : रोड

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 23 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

दिनांक 23 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1942/994/75-76—यतः, मुझे, एम० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी-5/20 का 1/2 भाग है, जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री ईशर सिंह, ए-1, विशाल इन्कलेव, रजौरी गार्डन के सामने, नई दिल्ली

(अन्तरक)

- (2) श्री दाविन्द्र सिंह कोहली, सुपुत्र श्री सूरज सिंह कोहली,
(2) श्रीमती सम्पूर्ण कौर, पत्नी एम० भाग सिंह,
निवासी डी-10/5, माडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट का 1/2 भाग जिनका क्षेत्रफल 306 वर्ग गज है और सं० 20 ब्लॉक 'सी-5' पर बना है जोकि माडल टाउन, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० सी-5/21

पश्चिम : जायदाद नं० सी-5/19

उत्तर : जायदाद नं० बी-6/19 तथा सी-6/20

दक्षिण : रोड

एम० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 23 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ़ अली रोड, नई दिल्ली

दिनांक 23 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1974/893/75-
76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० 4899 से 4904 का 1/12 भाग है, जो हौज
काजी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विनोद कुमार, सुपुत्र श्री अमर नाथ
(2) श्री किशोर कुमार (3) अशोक कुमार (4)
अनूप कुमार नाबालिग सुपुत्र श्री अमर नाथ, इनके
पिता श्री अमर नाथ द्वारा, निवासी 19/2-बी, शक्ती
नगर, दिल्ली । (अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभा, पत्नी श्री किशन चंद सोमानी, 3274,
लाल दरवाजा, बाजार सीताराम, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

दुमंजिला मकान का 1/12 भाग जोकि प्लाट, जिसका क्षेत्रफल
627 वर्गगज है मुख्यसिपल नं० 4899 से 4904 (नया 2881
2884 तथा 2885) है पर बना हुआ है तथा जोकि मुख्य
बाजार, हौज काजी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : अजमेरी गेट की मुख्य सड़क

पश्चिम : अन्य जायदाद

उत्तर : अन्य जायदाद

दक्षिण : फाटक नमक

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 23 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली

दिनांक 23 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1973/992/75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 4899 से 4904 का 1/12 भाग है जो हौज काजी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री विनोद कुमार, सुपुत्र श्री अमर नाथ (2) श्री किशोर कुमार (3) अशोक कुमार (4) अनूप कुमार नाबालिग सुपुत्र श्री अमर नाथ, इनके पिता श्री अमर नाथ द्वारा, निवासी 19/2-बी, शक्ती नगर, दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री किशन सोमानी, सुपुत्र श्री मदन लाल सोमानी, 3274, लाल दरवाजा, बाजार सीता राम, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुमंजिला मकान का 1/12 भाग जोकि प्लॉट, जिसका क्षेत्रफल 627 वर्ग गज है मुन्यसिपल नं० 4899 से 4904 (नया 2881 2884 तथा 2885) है पर बना हुआ है तथा जोकि मुख्य बाजार, हौज काजी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—
पूर्व : अजमेरी गेट को मुख्य सड़क

पश्चिम : अन्य जायदाद

उत्तर : अन्य जायदाद

दक्षिण : फाटक नमक

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 23 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 23-12-1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1955/991/75-76—यसः, मुझ, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० 4899 से 4904 का 1/12 भाग है, जो हौज
काजी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 30-4-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब
के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्री विनोद कुमार, पुत्र श्री अमर नाथ (2) श्री
किशोर कुमार (3) अशोक कुमार (4) अनूप
कुमार, नाबालिग सुपुत्र श्री अमर नाथ, इनके पिता
श्री अमर नाथ के द्वारा, निवासी 19/2-बी, शक्ती
नगर, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार, उर्फ छोटे लाल सुपुत्र श्री किशन
सोमानी, 3274, लाल दरवाजा, बाजार सीताराम,
दिल्ली-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

दमजिला मकान का 1/12 भाग जोकि प्लॉट की भूमि पर
जिसका क्षेत्रफल 627 वर्ग गज है म्युनिसिपल न० 4899 से 4904
(नया 2881, 2884 तथा 2885) है पर बना हुआ है तथा
जोकि मुख्य बाजार, हौज काजी, दिल्ली में निम्न से स्थित है :—

पूर्व : अजमेरी गेट की मुख्य सड़क

पश्चिम : अन्य जायदाद

उत्तर : अन्य जायदाद

दक्षिण : फाटक नमक

एम० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज—1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 23 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 23-12-75

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/11/1954/990/75-
76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 4899 से 4904 का 1/12 भाग है, जो होज
काजी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 30-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5—406 GI/75

(1) श्री बिनोद कुमार, पुत्र श्री अमर नाथ (2) श्री किशोर
कुमार (3) अशोक कुमार, (4) अनूप कुमार,
नाबालिग सुपुत्र श्री अमर नाथ, इनके पिता श्री अमर
नाथ, निवासी 19/2-बी, शक्ती नगर, दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री अमिल कुमार, उर्फ छोटे लाल सुपुत्र श्री श्री किशन
सोमानी, 3274, लाल दरवाजा, बजार सीता राम,
दिल्ली-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुमंजिला मकान का 1/12 भाग जोकि प्लॉट की भूमि पर
जिसका क्षेत्रफल 627 वर्ग गज है म्युनिसिपल नं० 4899 से 4904
(नया 2881, 2884 तथा 2885) है पर बना हुआ है तथा
जोकि मुख्य बाजार, होज काजी, दिल्ली में निम्न से स्थित है:—

पूर्व : अजमेरी गेट की मुख्य सड़क

पश्चिम : अन्य जायदाद

उत्तर : अन्य जायदाद

दक्षिण : फाटक नमक

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 23 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, तारीख 23-12-1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1958/989/75-
76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन
संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० 4899 से 4904 का 1/12 भाग है, जो होज
काजी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 30-4-1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयपाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीनकर ऐसे 'अन्तरक' के दायित्व
में कमी करने या उगमे बचने में 'अधिनियम' के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी जन या अन्य अस्तित्वों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मे 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की 'उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विजय कुमार, पुत्र श्री अमर नाथ (2) किशोर
कुमार (3) अशोक कुमार (4) अनूप कुमार, नाबालिग
सुपुत्र श्री अमर नाथ, इनके पिता श्री अमरनाथ के
द्वारा, निवासी 19/2-बी, शक्ती नगर, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) हेम लता, पत्नी श्री राम ओतार सोमानी, 3274,
नाम देववाजी, बाजार सीमा गम, दिल्ली-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिता करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना को
तात्कील से 30 दिन की अवधि को भी अवधि काय में
समोपक्ष होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्थकारी के पाम लिखित में
किए जा सकेंगे।

प्रतिकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में 'व्या-
ख्यानित' हैं, वही नहीं होगा, जो उस 'अध्याय'
में दिया गया है।

अनुसूची

दुर्गमिती नकल का 1/12 भाग जोकि प्लॉट पर जिसका
अंशफल 627 वर्ग गज है 'म्युनिसिपल नं० 4899 से 4904
(नया 2881, 2884 तथा 2885) है पर बनी हुआ है तथा
जोकि मुख्य बाजार, होज काजी, दिल्ली में निम्न प्रकार सीमाओं
से घिरा हुआ है :—

पूर्व : अजमेरी गेट की मुख्य सड़क

पश्चिम : अन्य जायदाद

उत्तर : अन्य जायदाद

दक्षिण : फाटक नमक

एस० एन० एल० अग्रवाल

संक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 23 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रथम अर्ध-डी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
द्वारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अजमेर रोज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, तारीख 23-12-1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन० /11/1949/988/
75-76—मत, मुझे, एन० एन० एन० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० 4899 से 4904 का 1/12 भाग है, जो होज
काजी, दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 30-4-1975 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पड़ा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी अग्र की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विनोद कुमार, पुत्र श्री अमर नाथ (2) किशोर
कुमार (3) अशोक कुमार (4) अनूप कुमार, नाबालिम
मुमूव श्री अमर नाथ, इनके पिता श्री अमर नाथ के
द्वारा, निवासी 19/2-अ, शक्ती नगर, दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री राम अवतार सोमानी, पुत्र श्री मदन लाल सोमानी,
3274, लाल दरवाजा, बाजार मीता राम, दिल्ली-6
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी
के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुमंजिला मकान का 1/12 भाग जोकि प्लॉट पर जिसका
क्षेत्रफल 727 वर्ग गज हैं म्युनिसिपल न० 4899 से 4904 (नया
2881, 2884 तथा 2885) है पर बनी हुआ है तथा जोकि
मुख्य बाजार, होज काजी, दिल्ली में निम्न प्रकार की सीमाओं से
घिरा हुआ है :—

पूर्व : अजमेरी गेट की मखी सड़क

पश्चिम : अन्य जायदाद

उत्तर : अन्य जायदाद

दक्षिण : फाटक नमक

एम० एन० एन० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज—1/2, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख : 23 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, तारीख 23-12-1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1917/(987)/75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 4899 से 4904 का 1/12 भाग है, जो हौज काजी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विनोद कुमार, सुपुत्र श्री अमर नाथ (2) किशोर लाल (3) अशोक कुमार (4) अनूप कुमार नाबालिग पुत्र श्री अमर नाथ, इनके पिता श्री अमर नाथ के द्वारा, निवासी 19/2बी, शक्ती नगर, दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश सोमानी, सुपुत्र श्री मदन लाल सोमानी, 3274, लाल दरवाजा, बजार सीताराम, दिल्ली-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुमजिला मकान का 1/12 भाग जोकि प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 627 वर्ग गज है म्युनिसिपल नं० 4899 से 4904 (नया 2881, 2884 तथा 2885) है पर बना हुआ है तथा जोकि मुख्य बाजार, हौज काजी, दिल्ली में निम्न प्रकार की सीमाओं से घिरा है:—

पूर्व : अजमेरी गेट की मुख्य सड़क

पश्चिम : अन्य जायदाद

उत्तर : अन्य जायदाद

दक्षिण : फाटक नमक

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 23 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 23-12-1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1916/986/75-
76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 4899 से 4904 का 1/12 भाग है, जो हीज काजी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विनोद कुमार, सुपुत्र श्री अमर नाथ (2) किशोरी लाल (3) अशोक कुमार (4) अनूप कुमार नाबालिग पुत्र श्री अमर नाथ, इनके पिता श्री अमर नाथ के द्वारा, निवासी 10/2-बी, शक्ती नगर, दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्रीमती तारा देवी, पत्नी श्री ओम प्रकार सोमानी, 3274, लाल दरवाजा, बजार सीता राम, दिल्ली-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुमजिला मकान का 1/12 भाग जोकि प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 627 वर्ग गज है म्युनिसिपल नं० 4899 से 4904 (नया 2881, 2884 तथा 2885) है पर बना हुआ है तथा जोकि मुख्य बाजार, हीज काजी, दिल्ली में निम्न प्रकार की सीमाओं से घिरा है :—

पूर्व : अजमेरी गेट की मुख्य सड़क

पश्चिम : अन्य जायदाद

उत्तर : अन्य जायदाद

दक्षिण : फाटक नमक

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 23 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली 1

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1911/985/75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 4899 से 4904 का 1/12 भाग है, जो होज काजी, दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री विनोद कुमार, सुपुत्र श्री अमर नाथ (2) किशोर कुमार (3) अशोक कुमार (4) श्री अनूप कुमार, नाबालिग सुपुत्र श्री अमर नाथ, उनके पिता श्री अमर नाथ द्वारा, निवासी 19/2-बी, शक्ति नगर, दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री पुरशोत्तम दास सोमानी, सुपुत्र श्री मदन लाल सोमानी, 3274, लाल दरवाजा, बाजार सीता राम, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुमजिला मकान का 1/12 भाग जोकि प्लॉट, जिसका क्षेत्रफल 627 वर्ग गज है मुन्यसिपल नं० 4899 से 4904 (नया 2881 2884 तथा 2885) है पर बना हुआ है तथा जोकि मुख्य बाजार, होज काजी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : अजमेरी गेट की मुख्य सड़क

पश्चिम : अन्य जायदाद

उत्तर : अन्य जायदाद

दक्षिण : फाटक नमक

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्रयधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 23 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, ग्रासफ गली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 23-12-1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1910/984/75-
76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4899 से 4904 का 1/12 भाग है, जो होज
काजी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 14-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहो किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ के
अन्तरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बिनोद कुमार, सुपुत्र श्री अमर नाथ (2) किशोरी
कुमार (3) अशोक कुमार (4) श्री अनूप कुमार,
नाबालिग सुपुत्र श्री अमर नाथ उनके पिता के द्वारा,
निवासी 19-2/बी, शक्ती नगर, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुमुद रानी, पत्नी श्री पुरशोत्तम दास सोमानी,
3274, लाल बरबाजा, बाजार सीता राम, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अज्ञेयहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

दुमजिला मकान का 1/12 भाग जोकि प्लाट जिसका क्षेत्रफल
627 वर्ग गज है म्युनिसिपल नं० 4899 से 9404 (नया 2881,
2884 तथा 2885) है पर बना है तथा जोकि मुख्य बाजार,
होज काजी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:

पूर्व : अजमेरी गेट की मुख्य सड़क

पश्चिम : अन्य जायबाद

उत्तर : अन्य जायबाद

दक्षिण : फाटक नमक

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 23 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 23-12-1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यु०/11/1894/(983)/

75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4899 से 4904 का 1/12 भाग है, जो होज
काजी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 7-4-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री विनोद कुमार, सुपुत्र श्री अमर नाथ (2) किशोरी
कुमार (3) अशोक कुमार (4) अनूप कुमार, सुपुत्र
श्री अमर नाथ द्वारा अमर नाथ 19-2/बी, शक्ती नगर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लीलावती सोमानी, पत्नी श्री मदन लाल
सीमानी, 3274, लाल दरवाजा, बाजार सीताराम,
दिल्ली-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुमजिला मकान का 1/12 भाग जोकि प्लाट जिसका क्षेत्र-
फल 627 वर्ग गज है जो मयुनिसिपल नं० 4899 से 4904 (नया
2881 2884 तथा 2885) है पर बना है तथा जोकि मुख्य
बाजार, होज काजी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :-

पूर्व : अजमेरी गेट की मुख्य रोड

पश्चिम : अन्य जायदाद

उत्तर : अन्य जायदाद

दक्षिण : फाटक नमक

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 23 दिसम्बर, 1975

मोहर .

प्ररूप—आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली- 1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1893/982/75-
76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० 4899 से 4904 है, जो हाउस काजी, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
7-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
6-496GI/75

(1) श्री विनोद कुमार, सुपुत्र श्री अमर नाथ (2) किशोर
कुमार (3) अशोक कुमार (4) अनूप कुमार, सुपुत्र
श्री अमर नाथ द्वारा अमरनाथ 19-2/बी, शक्ती
नगर, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री गोपाल किशन सोमानी, सुपुत्र श्री मदन लाल
सोमानी 3275, लाल दरवाजा, बाजार सीता राम,
दिल्ली-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुमजिला मकान का 1/12 भाग जोकि प्लॉट जिसका क्षेत्रफल
627 वर्ग गज है, मुयुन्यसिल न० 4899 से 4904 (नया 2881
2884 तथा 2885) है पर बना है तथा जो कि मुख्य बाजार,
हाउस काजी, दिल्ली में निम्न प्रकार की सीमाओं से घिरा है :—

पूर्व : अजमेरी गेट को मुख्य रोड

पश्चिम : अन्य जायदाद

उत्तर : अन्य जायदाद

दक्षिण : फाटक नमक

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 23 दिसम्बर 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज 3, दिल्ली-1

4/14-ए० आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 3/एस० आर० 3/जून/308(4) /75-76—यतः, मुझे, एस० सी० परीजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० 7 विधा 12 विस्था है, जो गांव छतरपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) त्रिनेडियर आर० आर० सूरी पुत्र स्व० श्री एम० डी० सूरी और श्रीमती राधा सूरी पत्नी त्रि० आर० आर० सूरी और पुत्री श्री त्रिलोचन दास बेदी दोनों निवासी बी-81 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० नाहर थियेटरस् प्रा० लि० 9 कर्जन रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सभी भूमिदारी तथा मालिकाना अधिकारों सहित जमीन खसरा नं० 1339/2, (3 विधा 18 विश्वास और 1338/1/2 और 1338/2/2 (3 विधा 14 विश्वास) कुल क्षेत्रफल 7 विधा 12 विश्वास जो कि एक छोटे से कमरे तथा बारबेड सहित है जो कि गांव छतरपुर दिल्ली तथा जमीन पर एक कुआँ-जिसमें एक 5 हार्स पावर की बिजली की मोटर लगी हुई है और एक पम्पिंग सेट चालू हालत में भी है ।

एस० सी० परीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 22 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफअली रोड, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, तारीख 22 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 3/एस० आर० 3/जुलाई/348(II)/75-76—यतः, मुझे, एस० सी० परीजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० प्लॉट नं० 24 है, जो श्री फोर्ट रोड, मस्जिद मौठ-नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डी० आर० गुप्ता पुत्र श्री बलवन्त राय निवासी एन-155 पंचशील पार्क, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) सिगल दीवान प्रोपर्टीस (प्रा०) लि० 11, कम्युनिटी सेन्टर, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लोज होल्ड प्लॉट क्षेत्रफल 400 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी मस्जिद मौठ के इलाके में है तथा जिसका प्लॉट नं० 24 जो कि निम्न प्रकार से घिरा है :—

पूर्व : मेन रोड

पश्चिम : प्लॉट नं० 25

उत्तर : डी० डी० ए० के फ्लेट्स और सर्विस लेन

दक्षिण : गांव शाहपुर

एस० सी० परीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, दिल्ली-1

4/14ए आसफ अली रोड, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, तारीख 22 दिसम्बर 1975

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यु० 3/एस० आर० 3/जून/
309/(5)/75-76—यत्., मुझे, एस० सी० परीजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी स० 7 बीघा 12 बिघा है, जो गांव छत्तरपुर दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 4-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्री जे० जे० सिंह पुत्र श्री जबनंद सिंह द्वारा उसके
अर्तानी जर्नल श्रीमती गीता जसवीर सिंह निवासी
बी-85 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) मै० नाहर थियेटरस प्रा० लि० 9 कर्जन रोड,
नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सभी भूमिदारों और मालिकाना अधिकारों सहित जमीन
खसरा नं० 1332/2, 1602/1, 1602/2/2, 1603/3/2,
1602/4/2 जो कि खसरा नं० 1338/1 और 1338/2 जिसका
क्षेत्रफल 7 बिघा 12 बिघा है जो कि गांव छत्तरपुर नई दिल्ली
में है।

एस० सी० परीजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज धारवाड़ का कार्यालय

तारीख 19-12-1975

निर्देश सं० 91/75-75/एक्यू०—यतः, मुझे, पी० सत्यनारायण
राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी आर० एस० सं० 249/1 है, जो अथणी तालूक
के मदभांवी ग्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अथणी
डाक्युमेंट सं० 76 के अन्तर्गत 15-4-1975 के दिन में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्री केशव बालकृष्ण कुलकर्णी (2) श्री शशिकान्त
बालकृष्ण कुलकर्णी (3) श्री बालकृष्ण केशव-
राव कुलकर्णी, मदभांवी, अथणी तालूक
(अन्तरक)

(2) श्री सत्तेप्पा रायप्पा मगदुम, मदभांवी, अथणी तालूक,
बेलगांव जिला
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके, पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

आर० एस० सं० 249/1 में से 4 एकड़ 16 गुंठा खेती जमीन
जो अथणी तालूक के मदभांवी ग्राम में स्थित है।

पी० सत्यनारायण राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 19-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड

धारवाड, तारीख 19 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 92/75-76/एक्यू०—यत, मुझे पी० सत्य-
नारायण राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० आर० एस० सं० 249/1 है, जो मदभावी ग्राम,
अथणी तालूक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अथणी
डायुमेट सं० 77 के अन्तर्गत 15-4-1975 के दिन
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए :—

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री केशव बालकृष्ण कुलकर्णी
(2) श्री शशिकान्त बालकृष्ण कुलकर्णी
(3) श्री बालकृष्ण केशवराव कुलकर्णी, मदभावी,
अथणी तालूक (अन्तरक)

(2) श्री केदारी उर्फ तम्मण्णा रायप्पा, मगदुम,
मदभावी, अथणी तालूक बेलगाव जिला
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आर० एस० सं० 249/1 में से 4 एकड़ खेती जमीन जो अथणी
तालूक के मदभावी ग्राम में स्थित है।

पी० सत्यनारायण राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज धारवाड

तारीख 19-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड़, तारीख 19 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 93/75-76/एक्यू—यत, मुझे, पी० सत्य-
नारायण राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० आई० एस० 249/1 है, जो अथणी तालूक के
मदभावी ग्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अथणी
डायुमेट सं० 78 के अन्तर्गत 15-4-1975 के दिन
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्री केशव बालकृष्ण कुलकर्णी
- (2) श्री शशिकान्त बालकृष्ण कुलकर्णी
- (3) श्री बालकृष्ण केशवराव कुलकर्णी,
मदभावी, अथणी तालूक

(अन्तरक)

- (2) श्री रत्नप्पा रायप्पा, मगदुम, मदभावी, अथणी तालूक
बेलगाव जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आर० एस० सं० 249/1 में से 4 एकड़ खेती जमीन जो
मदभावी ग्राम में अथणी तालूक में स्थित है।

पी० सत्यनारायण राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, धारवाड़

तारीख 19-12-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड कार्यालय

धारवाड, तारीख 19-12-1975

निर्देश सं० 94/75-76/एक्यू०—यत, मुझे, पी०

सत्यनारायण राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिम की सं० सी० सं० 1083बी है, जो बालवेकर गली, हुबली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबली डाकघर सं० 303 के अन्तर्गत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्री प्रभुदयाल कालू राम शर्मा,
- (2) श्री महेश प्रभुदयाल शर्मा,
- (3) श्री वीजय प्रभुदयाल शर्मा, (4) श्री अजय,
- (5) श्री सजय पी० शर्मा न० 4 और 5 एम/जी न० 1

(अन्तरक)

- (2) श्री रमेश सातप्पा खोदानपुर, हस्तीकाल साल, हुबली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इससे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुराना मकान और खुला जागा सि० सं० 1083-बी में, बार्ड न० 2, बाडवेकर गल्ली, हुबली में स्थित है।

सीमाएँ

पूर्व में सि० सं० 1084+85/ए-बी

पश्चिम में सि० सं० 1083ए

उत्तर में रोड

दक्षिण में सि० सं० 1083ए

पी० सत्यनारायण राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड

तारीख 19-12-1975

मोहर

प्रूप आई० टी० एन० एम० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़ तारीख 19-12-1975

निदेश सं० 95/75-76/एक्यू०—यतः, मुझे, पी०

सत्यनारायण राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सि० सं० 2404, 2405, 2406 और 2403 अ है, जो स्टेशन रोड, हुबली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबली डाक्यूमेंट सं० 296 के अन्तर्गत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-406 GI/75

(1) श्री गोपीदनायक गुरुनायनायक कलघटगी, ल्यांड लार्ड, दुर्गदबैल, हुबली

(अन्तरक)

(2) कर्नाटक अग्रीकलचरल् फौन्डेशन सोसाइटी, हुबली, सेक्रेटरी श्री बालकृष्ण एन० कटारे, विश्वेश्वर नगर, हुबली-22 के जरिये

(अन्तरिती)

(3) मैस० वेस्ट पेटेंट पेस्स को० (लि०), हुबली

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में गमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वार्ड सं०	सि० सं० सं०	वर्ग याई
1	2404	144
1	2405	32
1	2406	39
1	2403 A	19485 7/9

इन में से 18,740 वर्ग याई क्षेत्र जो स्टेशन रोड, हुबली में स्थित है।

पी० सत्यनारायण राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 19-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 54 रफी अहमद

किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, तारीख 22-12-1975

निदेश सं० 303/एन०-III/75-76/कलकत्ता—अतः मुझे,
एल० के० बालसुब्रमनियन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 413 है तथा जो श्यामा प्रसाद मुखर्जी रोड,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर,
24 परगणा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 13-5-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती (1) अनिता गुह मजुमदार
(2) वैद्य नाथ गुह मजुमदार 413, श्यामा
प्रसाद मुखर्जी रोड, कलकत्ता (अन्तरक)
- (2) श्री श्यामल कुमार गुह मजुमदार 413, श्यामा प्रसाद
मुखर्जी रोड कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

करीब 1 कट्ठा 12 छटांक जमीन साथ उस पर बनाया दो
तल्ला मकान जो 413, श्यामाप्रसाद मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर
अवस्थित और जो डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार, आलिपुर, 24 परगणा
द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 3972/ 1975 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III
54, रफी अहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 22-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई-1

बम्बई, तारीख 9-12-1975

निर्देश सं० आई-1/1160-1/अप्रैल/75---/75---अतः, मुझे ,
व्ही आर० अमीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सी० एस० न० 695 फोर्ड है, जो होर्न बे रोड
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 1-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) एच० एच० सुलतान आबद बिन सालेह ओकेटी सुलतान
और मुकल्ला (अन्तरक)

(2) अब्दुल रशीद सुलेमान उमर (अन्तरिती)

(3) किराएदार
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई के रजिस्ट्रेशन उपजिले में होर्न बे रोड बम्बई में स्थित
परती और सावधिक लगान (क्विट और ग्राउंड रेंट टेन्च्युर) की
जमीन का तमाम भाग तथा उस पर बनी गृहवाटिकाओं रिहाइशी,
या आवासीय मकान सहित जो कि माप में 349 वर्गगज तथा एक
वर्गगज के 920 हिस्सों में से पांच हिस्से हैं या उसके समकक्ष है
तथा जो भूराजस्व समाहर्ता (कलक्टर) की नई सं० 5115
तथा नई सर्वेक्षण सं० 8929 के अधीन पंजीकृत है, जिसकी
फोर्ड डिवीजन की कंटेस्टुल सर्वेक्षण सं० 695 है तथा जिसका
निर्धारण म्युनिसिपल दर और कर एस्सेसर एवं कलक्टर ने 'ए'
वार्ड सं० एस 1369 (2) और 1429-स्ट्रीट सं० 323--325
के अधीन किया है तथा इस प्रकार से विरा हुआ है कि उत्तर में
अथवा उत्तर की ओर एच० ई० बोर्डे की प्रापटी है, दक्षिण में
अथवा दक्षिण की ओर सुलेमान हाजी अहमद उमर की प्रापटी है,
पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर होर्न बे रोड है तथा पूर्व में अथवा
पूर्व की ओर सोराबजी मास्टर की प्रापटी है।

व्ही आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई-1

तारीख : 9 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 54 रफी अहमद किववाई रोड,
कलकत्ता, तारीख 22-12-1975

निर्देश सं० 304/अ० रे०-III/75-76/कलकत्ता—अतः

मुझे, एल० के० बालासुब्रमण्यम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० 7/1ए है तथा जो मैडम्मीले गार्डन, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
27-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स प्राथम प्रोडक्ट्स लि०, 87/8, कोलपी रोड,
कानपुर, उ० प्र० ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गायत्री देवी मुनमुनवाला (2) सावित्री देवी
मुनमुनवाला 7/1 ए, मैडम्मीले गार्डन, कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 2 क० 9 छ० 25 वर्गफीट है जिसके साथ
एक अंशत दो तल्ला और अंशत तीन तल्ला इमारत है जो 7/1ए,
मैडम्मीले गार्डन, कलकत्ता, पर स्थित है । दलील सं०—3084
ता० 27-5-75 ।

एल० के० बालासुब्रमण्यम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 22-12-1975

मोहर :

प्रारूप आई०टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 60161 एरंडवना,
कर्वे रोड पूना-411004

पूना-411004, तारीख 20 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सी० ए/5/अप्रैल/75 हवेली II/258/75-76—
यतः, मुझे, एच० एस० ओलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०
सर्वे क्रमांक 84/2 केतकर रोड, पूना-4 है तथा जो केतकर रोड
पूना-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली II (पूना) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 5-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री ए० व्ही० पाटकर (2) श्री एस० व्ही० पाटकर
4 गुलिस्तान लिक्क लैंड रोड, वरली बम्बई-25
(अन्तरक)

(2) श्री त्रिदल को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
चेयरमैन—श्री ए० व्ही० पटवर्धन
118/2/ए केतकर रोड, पूना-4
(अन्तरिती)

(3) 1. श्री ए० व्ही० पाटकर
2. श्री एस० व्ही० पाटकर 4 गुलिस्तान लिक्क
लैंड रोड, वरली, बम्बई-25
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड बगले के साथ प्लॉट आर० एस० क्रमांक 118/2/ए०
सर्वे क्रमांक 84/2 केतकर रोड, पूना-4

प्लॉट का क्षेत्रफल—9177 वर्ग फीट

ग्राउण्ड फ्लोर—1200 वर्ग फीट

ग्राउण्ड फ्लोर—1200 वर्ग फीट

1957 में बंधी हुई

(जैसी कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 597 अप्रैल 1975 में सब
रजिस्ट्रार हवेली-II पूना के दफ्तर में लिखा है)

एच० एस० ओलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 20-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, तारीख 22 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 217/अर्जन/हरीद्वार/75-76/2296—अतः, मझे,
विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 7-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मललिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
याकिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गिरीश कुमार पुत्र श्री सुन्दर लाल मुख्तारआम
श्री विजय कुमार पुत्र श्री सुन्दर लाल निवासी चौकसा,
जिला शाहजहांपुर
(अन्तरक)

(2) श्री लीला सन्स चैरिटेबल ट्रस्ट श्री गंगानगर द्वारा
श्री जगदीश प्रसाद लीला, ट्रस्टी उक्त ट्रस्ट सुपुत्र श्री
स्व० लक्ष्मी चन्द निवासी श्री गंगानगर राजस्थान
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति 1/4 भाग एक मकान राज भवन पश्चिम
मुहाना जो भीम गोडा रोड हरिद्वार में स्थित है, 17,500 रु०
मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 22-12-1975
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 218/अर्जन/हरीद्वार/75-76/2297--अतः मुझे,
विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरीद्वार
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 7-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री गिरीश कुमार पुत्र श्री सुन्दर लाल मुखबार ग्राम
श्रीमती विश्वावती बेवा श्री सुन्दर लाल निवासी
चौकसा, शाहजहाँपुर

(अन्तरक)

(2) श्री लीला सन्स चैरिटेबल ट्रस्ट श्री गंगा नगर द्वारा
श्री जगदीश प्रसाद लीला, ट्रस्टी उक्त ट्रस्ट सुपुत्र श्री
लक्ष्मी चन्द निवासी श्री गंगा नगर राजस्थान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति 1/4 भाग एक मकान राजभवन पश्चिम
मुहाना जो भीम गोडा रोड, हरीद्वार में स्थित है 17,500 रु०
मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 219/अर्जन/हरीद्वार/75-76/2298—अतः मुझे,
विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरीद्वार में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
7-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गिरीश कुमार पुत्र श्री सुन्दर लाल अग्रवाल निवामी
चौकसा, शाहजहांपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री लीला मन्स चैरिटेबल ट्रस्ट श्री गंगानगर द्वारा
श्री जगदीश प्रसाद लीला ट्रस्टी उक्त ट्रस्ट सुपुत्र
स्व० श्री लक्ष्मी चन्द निवामी श्री गंगानगर, राजस्थान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति 1/4 भाग एक मकान राजभवन पश्चिम
मुहाना जो भीम गोडा रोड़, हरीद्वार में स्थित है, 17500 रु० मूल्य
में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-12-1975

मोहर :

प्रकरण ० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 22 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 220/अर्जन/हरीद्वार/75-76/2299—प्रतः, मुझे,
विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरीद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—
8—406GI/75

(1) श्री गिरीश कुमार पुत्र श्री सुन्दर लाल मुस्तार आम श्री राज कुमार पुत्र श्री सुन्दर लाल निवासी चौकसा शाहजहापुर (अन्तरक)

(2) श्री लीला सन्म चैरिटेबल ट्रस्ट श्री गगानगर द्वारा श्री जगदीश प्रसाद लीला ट्रस्टी उक्त ट्रस्ट सुपुत्र श्री लक्ष्मी चन्द, निवासी श्री गगानगर राजस्थान। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति 1/4 भाग एक मकान राज भवन पश्चिम मुहाना जो भीम गोडा रोड, हरीद्वार में स्थित है, 17,500 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गव

[सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 6-12-1975

निर्देश सं० 101 एस/अर्जन—अतः, मझे, बिशम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिन की सं० मकान नं० 34 है तथा जो नज़र बाग, लखनऊ
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
31-5-1975/17-6-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पुष्पा बती सहगल (अन्तरक)

(2) श्रीमती रीना रानी जैन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किना मकान नं० 34 जो कि नज़र बाग, लखनऊ में स्थित
है ।

बिशम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 6-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री कृष्ण लाल

(अन्तरक)

(2) श्री सूरज प्रकाश और अन्य

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

निदेशनं० 100-एस/अर्जन—अतः, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० 709 एम है तथा जो ग्राम बरीराय जि० नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशीपुर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 709-एम जिसका क्षेत्रफल 2.5 बीघा 4 बिस्वा है। जो कि ग्राम बरीराय तह० गदरपुर जिला नैनीताल में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 4-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 दिसम्बर 1975

निदेश न० 43--पी/भर्जन--भत, मुझे, विशम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की स० 782 है तथा जो ग्राम मझोला जिला मुरादाबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
18-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

(1) श्री मगू

(अन्तरक)

(2) श्री पुरन सिंह व अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क
में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि न० 782 जिसका क्षेत्रफल 5.57 एकड़ है जो
ग्राम मझोला जिला मुरादाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रंज, लखनऊ

तारीख 12-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री शिवराज सिंह व अन्य

(अंतरक)

(2) श्री नौनिहाल सिंह

(अंतरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 101 एस/अर्जन—अतः मुझे, बिशम्बर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिस की सं० खसरा नं० 16 व अन्य है तथा जो ग्राम हसनपुर रैनी जिला बिजनौर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-6-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 16, 19, व 20 जो ग्राम हसनपुर रैनी तह० धामपुर जिला बिजनौर में स्थित हैं।

बिशम्बर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 11-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

() श्री शिव राज सिंह व अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री सरदार मेहर सिंह

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाखिल
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

कृषि भूमि खमरा न० 17, 19 व 20 जो ग्राम हसनपुर रैनी
तहसील —धामपुर जिला—बिजनौर में स्थित हैं।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 11-12-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री कृष्ण लाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मुंशी राम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 66—एम०/अर्जन—अतः, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 711 एम है तथा जो ग्राम बरीराय जि० ननीताल में स्थित है (और जिससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 711-एम जिसका क्षेत्रफल 25 बीघा 1 बिस्वा है। जो कि ग्राम बरीराय तह० गदरपुर जि० ननीताल में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-12-1975

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री कृष्ण लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मुन्शी राम

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्तावरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिस का रकबा 25 बीघा 1 बिस्वा है। खसरा नं० 711-एम जो कि मोगा बरीराय तह० गदरपुर जि० नैनीताल में स्थित है।

विशम्भर नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

निर्देश नं० 66-एम/अर्जन-अतः, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 711-एम है तथा जो ग्राम बरीराय बि० नैनीताल में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अथवा आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 4-12-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती गुरुदीप कौर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री जिसतेन्द्र सिंह व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश नं० 30सी—जे/एफ्यू०—अतः मुझे, विशम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1194 व अन्य है तथा जो भर्दाजकजा जिला
पीलीभीत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बीसलपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 27-6-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9—406GI/75

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जो ग्राम भर्दाजकजा पोस्ट बिलमन्डा जिला पीली
भीत में स्थित है।

विशम्भर नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 3-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 3 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 30 बी-जे/एचयू०—अतः मुझे विश्वम्भर नाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1194 व अन्य है तथा जो ग्राम भर्वाजकजा जिला पीलीभीत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बीसलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रेशम सिंह

(अन्तरक)

(2) श्री जिससेन्द्र सिंह व अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जो ग्राम भर्वाजकजा पोस्ट विलमन्डा जिला पीलीभीत में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 3-12-1975

मोहर :

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सरजीत सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री जिसतेन्द्र सिंह व अन्य

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 3 दिसम्बर 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता शुरू हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश न० 30 ए—जे/एफ०—अत. मूले, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० 1194 व अन्य हैं तथा जो ग्राम भर्दाजकजा जिला पीलीभीत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बीसलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

कृषि भूमि जो ग्राम भर्दाजकजा पोस्ट बिलसन्डा जिला पीलीभीत में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 3-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 12 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 18—एच/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० एम-8 है तथा जो गोल मार्केट, महानगर लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री पीतम्बर लाल (अन्तरक)

(2) श्री हुसैन अहमद अब्बासी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान नं० 545/480 जो प्लॉट नं० एम-8 पर बना हुआ है, जो गोल मार्केट महानगर, लखनऊ में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 12-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री कृष्ण लाल (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री हंस राज और अन्य (अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता शुरु हूँ।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

अर्जन रेंज, लखनऊ

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

लखनऊ, तारीख 4 दिसम्बर 1975

निर्देश नं० 17-एच/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिस की सं० 709-एम है जो ग्राम बरीराय जि० नैनीताल में स्थित है (और इससे उपान्वृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-6-1975 को

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

कृषि भूमि खसरा नं० 709-एम जिसका क्षेत्रफल 25 बीघा 4 बिस्वा है। जो कि ग्राम बरीराय तह० गदर पुर जि० नैनीताल में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 6 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 25-जी/अर्जन—अतः, मुझे बिशम्बर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० 6-डी है तथा जो पीलीभीत रोड जि० बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-6-1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० कृष्णमूर्ति (अन्तरक)

(2) श्री राज्जु राम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 6-डी जो पीलीभीत रोड जि० बरेली में स्थित है।

बिशम्बर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 6-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 4 दिसम्बर 1975

निर्देश नं० 54-बी/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 47 है तथा जो टैगोर टाउन इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अथवा आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्राण नाथ कौल व अन्य (अन्तरक)

(2) श्री कु० भूपेन्द्र सिंह व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 47 जिसका क्षेत्रफल 1612 वर्ग गज है। जो कि टैगोर टाउन इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

(1) श्री सुखजेंदर कौर (अन्तरक)

(2) श्री बलविन्दर सिंह व अन्य (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 3 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 53 सी-बी एमयू०—अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० 1194 व अन्य हैं तथा जो ग्राम भर्वगकजा जिला पीलीभीत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बीसलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जो ग्राम भर्वगकजा पोस्ट बिलसन्हा जिला पीलीभीत में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 3-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री मुरजीत सिंह (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बलविन्दर सिंह व अन्य (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 3 दिसम्बर 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश नं० 53 बी-बी/एक्यू०—अतः मुझे, विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिनकी सं० 1194 व अन्य है तथा तथा जो ग्राम भवगकजा
जिला पीलीभीत में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बीसलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 27-6-1975

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

कृषि भूमि जो ग्राम भवगकजा पोस्ट बिलसन्डा जिला पीली-
भीत में स्थित है।

विशम्भर नाथ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री रौनक सिंह (अन्तरक)

(2) श्री बलविन्दर सिंह व अन्य (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

निर्देश नं० 53ए-बी/एक्यू०—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1194 व अन्य है तथा जो ग्राम भर्वगकजा जिला पीलीभीत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बीसलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिभूमि जो ग्राम भर्वगकजा पोस्ट बिलसन्डा जिला पीलीभीत में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 3-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 56 ए/एक्यू०—अतः मुझे, विशम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० डी-31/81 ए व अन्य है तथा जो मदनपुरा,
वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 11-6-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री हाजी अब्दुल गफ्फार व अन्य (अन्तरक)

(2) श्री हाफिज अब्दुल कबीर व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मकान नं० डी-31/81 ए तथा 31/81 बी जो मदनपुरा,
वाराणसी में स्थित हैं।

विशम्भर नाथ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 12-12-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

निर्देश नं० 55ए/अर्जन---प्रतः मुझे, बिशम्बर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन [सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० बी-8/14 है तथा जो बारागम्भीर सिंह भेलूपुर
वार्ड बाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 1 सितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती आशा रानी सूर और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल रशीद

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-
षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान मय भूमि नं० बी-8/14 जो कि मोहल्ला
बारा गम्भीर सिंह, भेलूपुर वार्ड जिला बाराणसी में स्थित है ।

बिशम्बर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 11 दिसम्बर 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्री जगीर सिंह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती महेन्द्र कौर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

लखनऊ, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश नं० 72-एम/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 191 है तथा जो ग्राम इटरोरा तह० मोहम्मदी जिला लखीमपुर खीरी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोहम्मदी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिस का क्षेत्रफल 12.50 एकड़ का 1/5 भाग जो कि ग्राम इटरोरा तह० मोहम्मदी जिला लखीमपुर खीरी में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 20-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री जगीर सिंह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री फतेह सिंह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

लखनऊ, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश नं० 1-एफ/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स० 191 है तथा जो ग्राम इटरोरा तह० मोहम्मदी
जिला लखीमपुर खीरी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय मोहम्मदी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 17-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की

गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 12.50 एकड़ का 1/5 भाग जो
कि ग्राम इटरोरा तह० मोहम्मदी जिला लखीमपुर खीरी में स्थित
है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 20-12-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री जगीर सिंह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री अजीत सिंह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

लखनऊ, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निर्देश नं० 57-ए/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी स० 191 है तथा जो ग्राम इटरोरा तह० मोहम्मदी जिला लखीमपुर खीरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोहम्मदी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17 जून 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 12.50 एकड़ का 1/5 भाग जो ग्राम इटरोरा तह० मोहम्मदी जिला लखीमपुर खीरी में स्थित है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक 20 दिसम्बर 1975
मोहर ;

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

(1) श्री जगीर सिंह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सोवरन कौर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 103 एस/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 191 है तथा जो ग्राम इटरोरा तह० मोहम्मदी
जिला लखीमपुर खीरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मोहम्मदी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 17 जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 12.50 एकड़ का 1/5 भाग
जो कि ग्राम इटरोरा तह० मोहम्मदी जिला लखीमपुर खीरी में
स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 20 दिसम्बर 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निर्देश नं० 8-आई/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 191 है तथा जो ग्राम इटौरा तह० मोहम्मदी
जि० लखीमपुर खीरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मोहम्मदी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 17 जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—406GI/75

(1) श्रीमती अजीत कौर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्दर कौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 12.50 एकड़ का 1/5 भाग जो
कि ग्राम इटौरा तह० मोहम्मदी जिला लखीमपुर खीरी में स्थित
है।

विशम्भर नाथ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 20 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 102-एम/अर्जन—अतः मुझे विश्वम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० डी-48/141 ए है तथा जो मिशिर पोखर वाराणसी में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती रत्ना नन्दी

(अन्तरक)

(2) श्री सीताराम चैरटी ट्रस्ट

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 48/141 ए जो मिशिर पोखर, जि० वाराणसी में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 17 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री राम रुचि पाठक

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कुल बल व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 45-के/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की स० है तथा जो ग्राम अछबर तह० ज्ञानपुर जिला बिजनौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ज्ञानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12 जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बीघा 19 बिस्वा और 5 बिस्वान्सी है जो कि ग्राम अछबर तह० ज्ञानपुर जि० वाराणसी में स्थित हैं।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 19 दिसम्बर 1975

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री फुजैल-उर रहमान हिलाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 71-एफ/अर्जन—अतः मुझे बिशम्बर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 7-सी है तथा जो ग्राम अमौसी, प० बिजनौर
जिला लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोटन
लाल गंज लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 11 जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तया पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(2) श्री मुजफ्फर हुसैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान जो प्लॉट संख्या 7-सी पर बना हुआ है जो
कि ग्राम अमौसी, परगना बिजनौर, जिला लखनऊ में स्थित है ।

बिशम्बर नाथ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 19 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती रत्ना नन्दी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सीता राम चैरटी ट्रस्ट

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

लखनऊ, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 102-एस/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० डी-48/141ए है तथा जो मिसिर पोखर,
वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 3 जून 1975 को

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

रिक्त स्थान (भूमि) नं० डी 48/141 ए जिसका क्षेत्रफल
6 कोट्टा 15 छटाक 22 वर्गफीट है। जो मिसिर पोखर, जि०
वाराणसी में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

बिशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

दिनांक : 17 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

(1) श्रीमती रत्ना नन्दी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 102-एस/बी/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० डी-48/141ए है तथा जो मिशिर पोखर, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30 जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री सीता राम चैरटी ट्रस्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिक्त भूमि नं० डी 48/141 ए जिसका क्षेत्रफल 3 कोट्टा, 15 छटांक, 35 वर्ग फीट है जो मिशिर पोखर, वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 17 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री प्रताप राज सिंह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बलविन्दर सिंह व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करना हैं।

लखनऊ, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश नं० 55-बी/अर्जन—अतः मुझे, बिशम्बर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० है तथा जो ग्राम सिमरौव जि० लखीमपुर
खीरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मौमदी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
26 जून 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 40
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिस का क्षेत्रफल 18 एकड़ 25 डिस्मिल है जो
ग्राम सिमरौव पोस्ट मथौली तह० मौमदी, जिला लखीमपुर
खीरी में स्थित है।

बिशम्बर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 18-12-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती राज वती

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मंगल सेन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

निर्देश नं० 68-एम/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० — है तथा जो ग्राम सैदपुर जय राम
मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 5 जून 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण, में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

अनुसूची

कृषि भूमि जो सैदपुर जय राम सम्भल मुरादाबाद में स्थित
है ।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 18-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी०एन०एस०—

(1) श्री सन्त कुमार ब अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मलकीत सिंह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

लखनऊ, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

निर्देश नं० 69-एम/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिस की सं० 104 व अन्य है तथा जो ग्राम चिन्तापुर पीली
भीत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बीसलपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
5 जून 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव,
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 104, 105, 108, व 103, जिसका
क्षेत्रफल 10 एकड़ 52 डिस्मिल है। जो ग्राम चिन्तापुर तह० बीसल
पुर, जिला पीलीभीत में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

दिनांक : 18-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री राम स्वरूप

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मुकुट बिहारी लाल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 70-एम/अर्जन—अतः मुझे, बिशम्बर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन [सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिम की सं० — है तथा जो पुरनपुर जि० पीलीभीत
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पीलीभीत में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
4 जून 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान जो पुरनपुर मोहल्ला चौक, तह० खास,
जिला पीलीभीत में स्थित है।

बिशम्बर नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 18-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री राम स्वरूप

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नरेन्द्र प्रकाश

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक, 18 दिसम्बर 1975

निदेश न० 14-एन/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० — है तथा जो पूरनपुर जि० पीलीभीत
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पीलीभीत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 4 जून 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान जो पूरनपुर मोहल्ला चौक तहसील
खास, जिला पीलीभीत में स्थित हैं।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 18 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

निर्देश न० 75-आर/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं०— है तथा जो ग्राम सैदपुर जयराम मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सम्मेल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5 जून 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती ओमवती

(अन्तरक)

(2) श्री राकेश कुमार व अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जो ग्राम सैदपुर जयराम, सम्मेल, जि० मुरादाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 18-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री विश्वनाथ चौधरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० जी० मेहरोत्रा व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

लखनऊ, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश नं० 23-बी/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० बी-3/3 है तथा जो निराला नगर लखनऊ में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
16 जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण, में, में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-3/3 जो निराला नगर लखनऊ में स्थित है।

विशम्भर नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 17 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक, 23 दिसम्बर 1975

निदेश सं० एम आर एस/21/75-76--अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० भूमि 154 कनाल 18 मरले है तथा जो गांव नागोके, तहसील सरसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरसा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती काकी बाई पत्नी श्री चन्द्र भान, निवासी भिवानी

(अन्तरक)

(2) (i) श्री सुदागर चन्द } पुत्र श्री जोरा सिंह
(ii) श्री जागर सिंह }

निवासी गांव नागोके, तहसील सरसा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि गांव नागोके, तहसील सरसा में स्थित है 88/5/7-4
6/7-12 7/1-0 14/6-16 15/7-12 16/7-12
17/6-16 104/5-मिन/4-0 6-15/16-0 105/10/2/6-0
107/17-18/16-0 19-मिन/1-0 107/20-मिन/1-01
24/8-0, 13-14/16-0, 6/16-18, 7/7-7, 8/7-7,
15/7-8, 23/8-0 108/ 1/2/1-16, 10/2/1-16,
11/2/1-16-भूमि क्षेत्रफल 154 कनाल 18 मरले

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख सं० 717 मई 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरसा के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 23 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एम०—

(1) श्रीमती सरला देवी, पत्नी श्री जीवन बल, आजकल निवासी 21, दी माल, शिमला

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 23-12-1975

निर्देश सं० एसएमएल/217/75-76—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बार्नस्टन हाऊस नाम की सम्पत्ति है तथा जो स्टेशन वार्ड शिमला-1, में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) (i) श्री वजीर सिंह } पुत्र श्री मेवा सिंह
(ii) श्री रमेशवर लाल }
(iii) श्रीमती तीरथ कौर
(iv) श्रीमती हरबंस कौर
निवासी बार्नस्टन हाऊस, नजदीक रिवाली सिनेमा शिमला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बार्नस्टन हाऊस नाम की सम्पत्ति स्टेशन वार्ड शिमला-1
खसरा नं० 837/189, बी/189, 189/1, 189/5, 180/6
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 312 जुलाई 1975 को रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय में लिखा है)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 23-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

निर्देश नं० 1417—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन मसम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 265 अप्रैल 1975 में है तथा जो इन्द्रा भारकिट जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रामजी दास कापूर मृपुत्र रूप लाल कापूर वामी
396 लाजपत नगर जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री मनमोहन कृष्ण कापूर पुत्र कृष्ण कापूर 6 बेला
वस्ता वाली हिल रोड बन्दारा बम्बई

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति, जो इस संपत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 265 अप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख : 23 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निदेश सं० केपीएल/218/75-76—यतः मुझे, बी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है जो कपूरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—406GI/75

(1) श्री कर्म सिंह, पुत्र श्री बतन सिंह, मनजीत सिंह कुलदेव सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह, श्रीमती सुरिंदर कौर बोलिना विधवा श्री गुरदीप सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह, जालंधर ।

(अन्तरक)

(2) कपूरथला स्टील एण्ड रबड़ इन्डस्ट्रीज, कपूरथला

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है और किरायेदार यदि कोई हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 161 अप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है ।

बी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 20 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निदेश नं० केपीएल/219/75-76---यतः मुझे बी० आर०
सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो कपूरथला में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री करम सिंह सुपुत्र श्री बतन सिंह, मनजीत सिंह,
कुलदेव सिंह सुपुत्रान श्री करम सिंह, श्रीमती सुरिन्द
कौर बोलीना विधवा श्री गुरदीप सिंह सुपुत्र श्री करम
सिंह बासी जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स कपूरथला स्टील एण्ड रबर इन्डस्ट्रीज, कपूरथला
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि हों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 162 अप्रैल 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में है।

बी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 20 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निदेश नं० केपीएल/220/75-76—यतः मुझे, बी० आर०
सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो कपूरथला में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री करम सिंह सपुत्र श्री बतन सिंह, मनजीत सिंह
कुलदेव सिंह सुपुत्र श्री करम सिंह, श्रीमती सुरिन्द्र
कौर बोलीना विधवा श्री गुरदीप सिंह सुपुत्र श्री करम
सिंह वासी जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स कपूरथला स्टील एण्ड रबर इन्डस्ट्रीज, कपूरथला
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हों
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 163 अप्रैल 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में है।

बी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 20 दिसम्बर 1975।

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निदेश नं० केपीएल/221/75-76—यतः मुझे बी० आर०
सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० सम्पत्ति है तथा जो कपूरथला में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री करम सिंह सुपुत्र श्री बतन सिंह, मनजीत सिंह,
कुलदेव सिंह सुपुत्रान श्री करम सिंह, श्रीमती सुरिन्द्र
कौर बोलीना विधवा श्री गुरदीप सिंह सुपुत्र श्री
करम सिंह वासी जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स कपूरथला स्टील एण्ड रबड़ इन्डस्ट्रीज कपूरथला ।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हों ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 164 अप्रैल 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में है ।

बी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 20 दिसम्बर 1975
मोहर :

प्ररूप आई० एी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निदेश नं० केपीएल/222/75-76—यतः मुझे बी० आर०
सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की स० सम्पत्ति है तथा जो कपूरथला में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री कर्म सिंह पुत्र श्री बतन सिंह, मनजीत सिंह, कुलदेव
सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह, श्रीमती सुरिन्द्र कौर बोलिना
विधवा श्री गुरदीप सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह, बामी जालंधर
(अन्तरक)
- (2) मैसर्स कपूरथला स्टील एण्ड रबड़ इण्डस्ट्रीज कपूरथला
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है और किरायेदार यदि कोई हो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 165, अप्रैल
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 20 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 208/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० 12-10-399 सीताफल मंडी है, जो सिकन्दरा
बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 15 मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सतपाल बंडारी पुत्र सेलूमल बंडारी 12-10-399,
सीताफल मंडी, सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री कालीशंकर शुक्ला तिवोली सिनेमा कम्पाउंड,
सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

नं० 12-10-399, सीताफलमंडी, सिकन्दराबाद ।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 22-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 209/75-76—यतः मुझे के० एस०

वेकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० 4-1-633 तुरूप बाजार है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15 मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) सय्यद जाफर हुसैन (2) सय्यद मोहम्मद हुसैन, पुत्र सय्यद अली मुरतुजा हुसैन 16-5-53, दबीरपुरा हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री बुधराम गुप्ता पुत्र लाल चन्द 5-1-600, तुरूप बाजार, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

4-1-633, हिन्दुस्तानी गली, तुरूप बाजार, हैदराबाद क्षेत्रफल 827.26 वर्गगज ।

के० एस० वेकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 22 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 210/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सठ० 4-1-938/आर-6 तिलक रोड़ है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 18 मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) मैसर्स श्री एसेस, भागीदार श्री बन्सीलाल पुत्र हरदास
मिंग द्वारा तथा अन्य भागीदार एविड रोड, हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री राज कुमार, पुत्र केदार नाथ 3-2-350, चापल
बाजार, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 4-1-938/आर-6 का भाग, तिलकरोड़, हैदराबाद

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 22 दिसम्बर, 1975

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

स० आर० ए० सी० 211/75-76—यत मुझे के० एस०
वेकट रामन,

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की स० 4-1 938/आर-7 तिलक रोड है, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिम्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—406GI/75

(1) मैसर्स श्री एसेम, भागीदार श्री भीशन लाल अट्टुजा द्वारा एविद रोड, हैदराबाद

(अन्तरक)

(27 श्रीमती शोभाबाई पन्नी हरीराम 3-2-350 चणल बाजार, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

न० 4-1-938/आर-7, तिलक रोड, हैदराबाद

के० एस० वेकट

सक्षम प्राधि०

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदरा

दिनांक : 22 दिसम्बर 1975

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 212/75-76—यतः मुक्त, के० एस०
वेकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० 4-1-938/आर-8 एविड रोड है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 18-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स श्री एसेस् श्री भागीदार भीशनलाल अट्टा
एविड रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बसन्ती बाई पत्नी, केदारनाथ 3-2-350,
चप्पल बाजार, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

नं० 4-1-938/आर-8, एविड रोड, हैदराबाद ।

के० एस० वेकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 22 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हदराद, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

स० आर० ए० सी० 213/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेकट रामन,
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी स० 4-1-938/आर-9-एबिड रोड है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 18 मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स श्री एसेस्, भीशनलाल अहुजा भागीदार,
एबिड रोड, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रुक्मिणी बाई पत्नी महावीर प्रभाव 3-2-350,
चप्पल बाजार, हैदराबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्वेस्ताधरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

नं० 4-1-938/आर-9, तिलक रोड, हैदराबाद

के० एस० वेकटरा

सक्षम प्राधि

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदरा

दिनांक : 22 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

(1) मैसर्स श्री एसस, भागीदार श्री भीशन लाल ग्रहुजा द्वारा एबिड रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती शोभा बाई पत्नी गिरी राज चारकमान, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 214/75-76—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 4-1-938/आर-10 तिलकरोड़ है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18 मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

नं० 4-1-938/आर-10 तिलकरोड़, हैदराबाद ।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ।

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 22 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 215/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिस की म० 6-1-3 एम० जी० रोड कोत्तागूडम् है, जो
कोत्तागूडम् में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोत्तागूडम्
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० राघवया तथा अन्य दो व्यक्ति, एम० जी०
रोड, कोत्तागूडम्

(अन्तरक)

(2) श्री सी० एम० सकरंय्या प्रोपराइटर कास मास होटल,
एम० जी० रोड, कोत्तागूडम्,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 6-1-3, एम० जी० रोड, कोत्तागूडम्,

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 22 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 दिसम्बर 1975

निदेश सं० XVII/13/35/75-76—यतः, मुझे, जी०
रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० 46, 46 ए, 46 बी, 47 और 48 हैं, जो सेलम मैन रोड कोमा-
रपालयम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोमारपालयम पत्र सं० 782/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5 जून 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्राप्ति, को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब
के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्री जे० के० ए० राजप चट्टीयार और भार० शन्मुग
सुन्दरम, कोमारपालयम
(अन्तरक)

(2) श्री एस० वेंकटेशन, कोमारपालयम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तिरुचेंगोडु तालुक, कोमारपालयम, सेलम मैन रोड सरखे सं
624/2, और सं० 46, 46 ए, 46 बी, 47 और 48 में 2080
स्क्वायर फीट की भूमि (मकान नं० के साथ)

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, I मद्रास

दिनांक : 24 दिसम्बर 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती शिव पति

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्रीमती द्रौपदी

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 21 डी/अर्जन—अतः मुझे विश्वम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिस की सं० 487 है तथा जो कर्नल गंज इलाहाबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18
जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 487 जो कि मोहल्ला कर्नल गंज
जिला इलाहाबाद में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 23 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 305/अर्जन/कानपुर/75-76/2301—यतः मुझे, विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11 अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरि की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) शिवप्यारी पत्नी प्यारेलाल व (2) राम दुलारी बेवा महादेव प्रसाद साकिनान, अचल गंज, डाकखाना खास, तहसील व जिला उन्नाव।

(अन्तरक)

(2) श्री राम चन्द (2) वासदेव (3) ओम प्रकाश आत्मज जोहरी लाल साकिनान 31/126 लाठी मोहाल कानपुर व (4) ठाकुर राम लक्ष्मण जानकी जी व हनुमान जी महाराज व सरवाहकारी वासदेव व राम चन्द सा० 31/126, लाठी मोहाल, कानपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 76/164 बाके बादशाहीना का कानपुर जो 1,00,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-12-1975
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०-II/अप्रैल/835/(24)/75-76—यतः, मुझे एस० सी० परीजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी-72 है, जो रोशो नगर, शाकुरबस्ती, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

15—406GI/75

(1) श्री राम शर्मा, सुपुत्र पं० अत्मा राम, निवासी आर 278, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली इसके जनरल एटारनी श्री वेस राज, सुपुत्र श्री चरण दास अरोड़ा के द्वारा, निवास 1096/345 (पुराना) रानी बाग, शाकुरबस्ती, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश लाल, सुपुत्र श्री वेस राज अरोड़ा, मकान नं० -बी 72 रोशो नगर, शाकुरबस्ती, दिल्ली-34 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसका नं० बी-72 है तथा जोकि रोशो नगर कालोनी, शाकुरबस्ती, दिल्ली में, सालीमपुर माजरा भादोपुर के गांव के क्षेत्र में फ्रीहोल्ड प्लॉट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 160 वर्गगज है तथा जिसकी सीमाएं निम्न प्रकार से हैं :-

पूर्व : खाली जमीन

पश्चिम : गली 10 फुट

उत्तर : 140 वर्ग गज जोकि राज कुमार को बेची गई है का अन्य भाग

दक्षिण : गली

एस० सी० परीजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली ।

तारीख : 17 दिसम्बर 1975

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिसेज परीक्षा, 1976

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1976

सं० एफ० 5/2/75-ई०-1 (बी०)—भारत के राजपत्र, दिनांक 10 जनवरी, 1976 में रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज के पदों पर नियुक्ति हेतु चयन के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इलाहाबाद, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, विल्ली, विसपुर (गोहाटी) हैदराबाद, जयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिमला तथा त्रिचेन्द्रम में 15 जुलाई, 1976 से एक परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो परीक्षा के उपर्युक्त केंद्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट किए गए उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (बेखिए उपाबंध II, पैरा 10)

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 15 है। इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन रिक्तियों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुसार किया जाएगा।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर बैंक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की राशि किसी भी हाल में वापस नहीं की जाएगी।

नोट:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिसेज परीक्षा, 1976 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिसेज परीक्षा, 1976 के लिए निर्धारित आवेदन प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रमाण-पत्रों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 8 मार्च, 1976 को या उससे पहले (8 मार्च, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 22 मार्च, 1976 तक) अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपाबंध I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट रीति से अवश्य करें।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा जो उपाबंध I के पैराग्राफ 2 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

6. उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबद्ध किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एम० एस० प्रभो,

उप-सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

उपाबंध I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में रु० 36.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 9.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डरों अथवा स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली में देय बैंक ड्राफ्टों द्वारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क की राशि संबद्ध भारतीय मिशन में जमा कर सकते हैं।

2. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को, या उसके बाद भारत आया है, या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद प्रजनन कर भारत आया है, और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो, तो उसे रु० 21.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 5.00) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट II की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्हक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की शर्तों की अपेक्षाओं का अथवा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त उपबंधित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

उपाबन्ध-II

उम्मीदवारों को अनुदेश

1 इस नोटिस के पैरा 3 में उल्लिखित रीति द्वारा इस परीक्षा से संबंध नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण सब लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियम ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैराग्राफ 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2 (i) उम्मीदवारों को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

(ii) भरा हुआ आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड सचिव, सब लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अठमान एव निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 8 मार्च, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अठमान एव निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप में रह रहा था।

जो उम्मीदवार पहले से ही सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर कार्य प्रभारित कर्मचारी की हैसियत से कार्य कर रहे हों उन्हें अपने आवेदन-पत्र संबंध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर आयोग को भेज देगा। ऐसे उम्मीदवारों को स्वयं अपने हित में आवेदन पत्रों की अग्रिम प्रतियां आयोग को सीधे भेजनी चाहिए। यदि वे आवेदन-पत्र निर्धारित शुल्क के साथ भेजे गए होंगे तो उन पर अंतिम रूप से विचार कर लिया जाएगा किन्तु मूल आवेदन-पत्र साधारणतया अंतिम तारीख के बाद पंद्रह दिन

के अन्दर आयोग में पहुंच जाने चाहिए यदि सरकारी सेवा में पहले से ही कार्यरत कोई व्यक्ति अपने आवेदन-पत्र की अग्रिम प्रति निर्धारित शुल्क के साथ नहीं भेजता है अथवा इसके द्वारा भेजा गया आवेदन-पत्र आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख को या उससे पहले प्राप्त नहीं होता है, तो उसके द्वारा अपने विभाग या कार्यालय के माध्यम से भेजा गया आवेदन-पत्र यदि आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख के बाद प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

गैर-सरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमों या उस प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह सब लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3 उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए।

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए उपाबन्ध I)।
- (ii) आयु के प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से० मी० x 7 से० मी०) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतियां।
- (v) स्कूल और कालेज में उम्मीदवार के शिक्षण काल का सक्षिप्त विवरण जिसमें उसकी शैक्षिक तथा खेलकूद से संबंध सफलताओं का उल्लेख हो तथा जिसे वह स्वयं अपने हाथ से लिखे और उस पर हस्ताक्षर करे।
- (vi) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (vii) जहां लागू हो वहां आयु में छूट/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

नोटः—उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्रों के साथ उपर्युक्त सब (ii), (iii), (iv) तथा (vii) पर उल्लिखित प्रमाण पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित हो अथवा स्वयं उम्मीदवार द्वारा सही रूप में सत्यापित हो। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा

के परिणामों के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरंत बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के 1975 के नवम्बर महीने में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को उस समय मांगे जाने पर आयोग को प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखना चाहिए तथा लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद उन्हें आयोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्रों की मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

मद (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (vi) और (vii) में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण पैरा 4 और 5 में दिया गया है।

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर :—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए :—



तथा इस प्रकार भरा जाए :— Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इण्डिया, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय हों तथा विधिवत् रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट :—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु० 36.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित

जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 9.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा कर सकते हैं, और उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष "051 Public Service Commission Fees" में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजे।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करती है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र अथवा समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित / प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो तो इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे उस प्रमाण-पत्र की केवल आयु से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ही भेजनी चाहिए।

नोट 2:—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए उनके द्वारा जन्म की तारीख एक बार

लिख भेजने और किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र:—उम्मीदवार को किसी प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्व-विद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के समर्थन में कोई अन्य प्रमाण प्रस्तुत करना चाहिए। आयोग इस प्रमाण के औचित्य पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं है।

यदि उम्मीदवार द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में प्रस्तुत किए गए विश्वविद्यालय के इंटरमीडिएट या कोई अन्य अर्हक परीक्षा पास करने के प्रमाण पत्र में सभी उत्तीर्ण विषयों का उल्लेख नहीं है तो उसे प्रिंसिपल के इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने अर्हक परीक्षा गणित के साथ-साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर उत्तीर्ण की है।

जिस उम्मीदवार पर नियम 6 (ख) या नियम 6 (ङ) लागू होता हो तो उसे अपनी शैक्षिक योग्यताओं के प्रमाण स्वरूप सम्बद्ध विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार/कालेज के प्रिंसिपल/संस्था के अध्यक्ष से नीचे दिए गए निर्धारित फार्म में लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*-----

सुपुत्र/सुपुत्री/श्री*-----

इस विश्वविद्यालय/
कालेज/संस्था* के/की* वास्तविक छात्र/छात्रा* है/वे/धी*।

2. उन्होंने त्रि-वर्षीय डिग्री कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा/पंचवर्षीय इंजीनियरी डिग्री कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा/ग्रामीण उच्चतर शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद की ग्रामीण सेवाओं में त्रि-वर्षीय डिप्लोमा कोर्स की प्रथम परीक्षा* जो ----- को समाप्त हुई, उत्तीर्ण कर ली है और उन्हें प्रथम वर्ष के लिए निर्धारित विषयों में से किसी में भी फिर से परीक्षा में नहीं बैठना है।

अथवा

उन्होंने----- विश्वविद्यालय द्वारा संचालित त्रि-वर्षीय डिग्री कोर्स की प्रथम/द्वितीय* वर्ष की परीक्षा/पंच वर्षीय इंजीनियरी डिग्री* कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा ----- श्रेणी में उत्तीर्ण कर ली है।

@3. उनके परीक्षा-विषय निम्नलिखित थे:—

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

@पंच-वर्षीय इंजीनियरी डिग्री कोर्स के विद्यार्थियों पर लागू नहीं होगा।

(रजिस्ट्रार/प्रिंसिपल* के हस्ताक्षर)
विश्वविद्यालय/कालेज/संस्था* का नाम

तारीख-----

स्थान-----

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

जिस उम्मीदवार पर नियम 6 के नीचे दिया गया नोट 1 लागू होता हो उसे जिस संस्था से उसने परीक्षा उत्तीर्ण की हो उसके प्रिंसिपल/हेडमास्टर से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसके कुल अंक विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी को अंक सीमाओं के अन्तर्गत आते हैं।

नोट:—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। किन्तु ऐसे उम्मीदवारों को निम्नलिखित निर्धारित फार्म में सम्बद्ध कालेज/संस्था के प्रिंसिपल से एक प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि वे अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उनको परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 30 सितम्बर, 1976 से पहले प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

परीक्षा में इस प्रकार बैठने की अनुमतिप्राप्त उम्मीदवार को, चाहे वह इस परीक्षा के लिखित भाग में उत्तीर्ण हो अथवा नहीं, उपर्युक्त अवधि के भीतर अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। इस अनुदेश का पालन न करने पर उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और वह अपना परिणाम जानने का अधिकारी नहीं होगा।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*-----

सुपुत्र/सुपुत्री*-----

निम्नलिखित विषय
लेकर ----- द्वारा संचालित
----- परीक्षा में

मास, 19 _____,
में बैठने वाले/वाली* है बैठ चुके/चुकी* है —

- (i)
- (ii)
- (iii)
- (iv)
- (v)

प्रतिपक्ष के हस्ताक्षर
(कालेज/संस्था* का नाम)

तारीख—

स्थान—

*जो शब्द लागू न हो उन्हें काट दें।

(iv) फोटो की दो प्रतियां :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० 7 से० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नथी कर देना चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि कोई आवेदन-पत्र उपर्युक्त पैरा 3(ii), 3(iii), 3(iv) तथा 3 (v) के अन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण-पत्रों में से किसी के साथ प्रस्तुत नहीं किया जाता और इसे न भेजने के लिए कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता तो आवेदन-पत्र अस्वीकृत किया जा सकता है तथा इसकी अस्वीकृति के लिए किसी अपील पर विचार नहीं किया जाएगा। जो प्रमाण-पत्र आवेदन पत्र के साथ प्रस्तुत नहीं किए जाते वे आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के तुरन्त बाद भेज दिए जाने चाहिए और वे हर हालत में आयोग के कार्यालय में [उपर्युक्त पैरा 3(iii) के नोट में दी गई व्यवस्था के अतिरिक्त] आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख के एक महीने के भीतर अवश्य पहुंच जाने चाहिए। अन्यथा आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिसे संबंधित राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी प्रयोजन से आमतौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म —

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी* _____

सुपुत्र/सुपुत्री* श्री_____

जो गांव/कस्बा* _____

जिला/मण्डल* _____

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र* _____

के/की* निवासी है

जाति/जन जाति* के/

की* है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है —

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950* ।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950* ।

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951* ।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951* ।

[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई, पुनर्गठन अधिनियम, 1960 पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 द्वारा यथा संशोधित] ।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956* ।

संविधान (अंडमान और निकोबार-द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959* ।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962* ।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962* ।

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964* ।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967* ।

संविधान (गोआ, दमन और दिवु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968 ।

संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जन जातियाँ
आदेश, 1968*।

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश,
1970*।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी* _____ और/
या* उनका परिवार आमतौर से गांव/कस्बा*_____
_____जिला/मण्डल*_____
_____राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*_____
_____में रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर _____

**पदनाम _____

(कार्यालय की मोहर)

स्थान _____

तारीख _____

राज्य

संघ राज्य क्षेत्र*

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट :—यहां "आम तौर से रहते/रहती हैं" का अर्थ वही होगा जो "रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल ऐक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

**अनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/डिप्टी कमिशनर/ऐडिशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/तालुका मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।

†प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं।

(ii) चीफ प्रैसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ऐडिशनल चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रैंवेन्यू अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलप-मट अफसर, लक्षद्वीप।

g. (i) नियम 5 (ख) (ii) अथवा 5 (ख) (iii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्न-

लिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को अथवा उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रव्रजन कर भारत आया है :—

- (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्य में स्थित सहायता शिविरों के कैंप कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) संबंध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के अतिरिक्त प्रभारी जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) अपने ही कार्यभार के अधीन संबंध सब-डिवीजनल सब-डिवीजनल अफसर।
- (5) उप-शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

यदि वह उपाबन्ध I के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(ii) नियम 5 (ख) (iv) अथवा 5 (ख) (v) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्चआयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964, के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपाबन्ध 1 के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iii) नियम 5 (ख) (vi) अथवा 5 (ख) (vii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्या-वर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिये गये पहिचान प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा में आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपाबन्ध I के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिम्मा अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iv) नियम 5 (ख) (viii) अथवा 5 (ख) (ix) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुन-वर्तन, रक्षा मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप नियुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट—

के रैंक न० _____ की _____

_____ रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अशांतिग्रस्त* क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर _____

पदनाम _____

तारीख _____

*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(v) नियम 5 (ख) (x) अथवा 5 (ख) (xi) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट—

के रैंक न० _____ की सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर _____

पदनाम _____

तारीख _____

6. यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता-प्रमाण पत्र (एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट) आवश्यक हो तो उसे अभीष्ट पात्रता प्रमाण-

पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) को आवेदन करना चाहिए।

7. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें अथवा किसी सही सूचना को न छिपायें।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे प्रमाण-पत्र अथवा उनके द्वारा प्रस्तुत की गई प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न उसमें कोई फेरबदल करें और न ही फेरबदल किए गए झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

8. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमूक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

9. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक मास के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती (एक्नालेजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए।

10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। परन्तु यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने के पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

11. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न पत्रों से संबद्ध पुस्तिकाओं की बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है।¹ उन्हें (i) किताब महल, रिबोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग, सी ब्लॉक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 तथा संघ लोक सेवा आयोग का कार्यालय, झोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 और (iii) गवर्नमट आफ इंडिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएँ विभिन्न मुफरिसल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

12. आवेदन-पत्र में संबद्ध पत्र-व्यवहार:—आवेदन-पत्र में संबद्ध सभी पत्र आवेदन सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ध्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

1. परीक्षा का नाम
2. परीक्षा का महीना और वर्ष
3. रोल नंबर अथवा उम्मीदवार की जन्म तिथि यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो।
4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
5. आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता

ध्यान दें :—जिन पत्रों आदि में यह ध्योरा नहीं होगा संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

13. पते में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बखले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित ध्योरे के साथ यथा-शीघ्र दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 11th December 1975

No. A.32014/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri M. C. Khurana, an officiating Senior Personal Assistant (Grade I of CSSS) in the cadre of the Union Public Service Commission, to officiate as Private Secretary (Selection Grade of CSSS), in the same cadre on a temporary and ad hoc basis for a period of 46 days from 1st December 1975 to 15th January 1976 or until further orders, whichever is earlier.

R. S. AHLUWALIA, Under Secy.
Union Public Service Commission.

CABINET SECRETARIAT

DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADM. REFORMS CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 11th December 1975

No. T-/269-V.—The President is pleased to appoint Shri T. R. Vardarajan, an I.P.S. Officer of Maharashtra Cadre (1957) to officiate as Deputy Inspector General of Police, C.B.I./S.P.E. with effect from the forenoon of 2nd December 1975 in a temporary capacity, until further orders.

K. K. PURI, Deputy Director (Admn.)
C.B.I.

New Delhi, the 5th December 1975

No. A-19036/14/75-AD-V.—In supersession of Notification of even number dated 26th November 1975 the D/CBI and I.G.P., S.P.E. hereby appoints Shri R. S. Shukla, a deputationist Inspector of Police of Madhya Pradesh Police Department as officiating Deputy Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 15th November 1975 until further orders.

The 11th December 1975

No. A.20023/5/75-AD-V.—Dy. Director (Admn), C.B.I. and Dy. I.G. of Police, SPE hereby appoints, Shri S. V. Palnisakar, a deputationist from Maharashtra State Police, as P.P. in the CBI with effect from the forenoon of 10th November, 1975 until further orders

The 15th December 1975

No. A.35018/15/75-AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Amal Kumar Bhattacharjee Inspector of Police, West Bengal State Police on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central, Bureau of Investigation, Calcutta Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 25th November 1975 until further orders.

No. PF/M-68/66-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri M. D. Agharkar, Deputy Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation GOW, Bombay on promotion, to officiate as Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, GOW, Bombay in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st December 1975 until further orders.

16—406GI/75

2. Shri M. D. Agharkar relinquished charge of office of Deputy Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation GOW, Bombay on the forenoon of 1st December 1975.

G. L. AGARWAL, Administrative Officer (E)
C.B.I.

New Delhi, the 11th December 1975

No. M-11/74-AD-V.—Shri Madan Lal Kalra, Executive Engineer, C.B.I. relinquished charge of the office of Executive Engineer in the C.B.I. on the afternoon of 26th November 1975. His services have been placed back at the disposal of the Engineer-in-Chief, C.P.W.D., New Delhi with effect from the afternoon of 26th November 1975.

V. P. PANDEY, Administrative Officer (E)
C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL CRP (FORCH)

New Delhi-110001, the 5th December 1975

No. F.2/33/75-Estt(CRPF).—The President is pleased to appoint Shri S. P. Gairola, Dy. SP (Coy. Comdr/Quarter Master) on promotion as Assistant Commandant on ad-hoc basis in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. Consequent on his promotion on ad-hoc basis, Shri S. P. Gairola took over charge of the post of Assistant Commandant 56th Bn CRP Force on the afternoon of 30th October 1975.

No. O.II-1013/75-Estt(CRPF).—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Manoranjan Das, as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis w.e.f. the forenoon of 30th June 1975.

2. Dr. Manoranjan Das, has been posted to 2nd Bn, CRPF.

The 6th December 1975

No. O.II-1245/75-Estt.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Rakesh Mohan Sharma Dy. SP, 22nd Bn. CRPF, with effect from the forenoon of 27th October 1975.

The 10th December 1975

No. O.II-38/71-Estt.—Consequent on his repatriation to the Army, Lt. Col V. K. Raj handed over the charge of the post of Commandant, Group Centre, CRPF, Avadi (Madras) on the afternoon of 18th November 1975

The 12th December 1975

No. O.II-429/69-Estt.—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri Dayal Singh, Dy. SP 12th Bn CRP Force has relinquished charge of his post on the afternoon of 5th November 1975.

A K BANDYOPADHYAY, Assistant Director (Adm)

**OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-110003, the 5th December 1975

No. E-32015(2)/7/74-Ad I.—The President is pleased to appoint the following personnel (direct entry) to officiate as Deputy Superintendent of Police in the Central Industrial Security Force with Hqrs at Training College, Hyderabad with effect from the date (s) noted against each, until further orders :—

- (a) Sh. Harsha Vardhan Chaturvedi—1.10.75 (FN).
- (b) Sh. Narinder Kumar Khajuria—do—
- (c) Sh. Shri Ranbir Rattan Bhardwaj—do—
- (d) Sh. Harwinderjit Singh—do—
- (e) Sh. Diwan Singh Badwal—14-10-75(FN)

L. S. BISHT, Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 10th December 1975

No. 11/13/75-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri H. P. Rymbai, an officer of the Assam Civil Service I as Assistant Director of Census Operations, Meghalaya in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 6th October 1975 until further orders.

The headquarters of Shri Rymbai will be at Shillong.

BADRI NATH, Deputy Registrar General, India &
ex-officio Deputy Secretary

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
CENTRAL REVENUES**

New Delhi-110001, the 9th December 1975

No. Admn.I/0.0692/PF/G.S Joneja/3138.—In pursuance and on the expiry of the notice served by Sh. G. S. Joneja on this office, under F.R.56(R) for retiring from Govt. Service after attaining the age of 50 years, the Accountant General, Central Revenues, has permitted Sh. Joneja to retire from Govt. Service with effect from 30th November 1975 (A.N.)

The date of birth of Sh. Joneja is 13th April 1925.

The 12th December 1975

No. Admn. I/O.O. 705/5-8/70-76/3153.—The Accountant General has ordered proforma promotion under 2nd proviso to F. R. 30(i) in the Accounts officers' Grade in the time scale of Rs. 840-1200 of the following Section officers of this office/Asstt. Supdts. of the C. A. G's. office (allotted proforma to this office), retrospectively from the dates shown against their names, until further orders :—

S. No.	Name	Date of proforma promotion as A. O.	Remarks
	S/Shri		
1.	J. N. Behl, S. O.	26-6-73 (F.N.)	
2.	G. S. Joneja, S. O.	1-1-74 (F.N.)	
3.	Brij Bhushan, S. O.	17-1-74 (F.N.)	In respect of Sh. Brij Bhushan this notification is in Supersession of notification No. Admn I/5-8/70-74/2846 dated 15-2-74.
4.	S. R. Chawla, Asstt. Supdt. (CAG's Office)	17-1-74 (F.N.)	
5.	P. C. Gupta, S. O.	25-1-74 (F.N.)	
6.	Amar Nath I, S. O.	31-1-74 (F.N.)	
7.	Amar Nath II, S. O.	2-5-74 (F.N.)	
8.	K. N. Bali, S. O.	24-6-74 (F.N.)	

H. S. DUGGAL, Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
ANDHRA PRADESH-I**

Hyderabad-500004, the 27th November 1975

No. P.B I/8-312/74-75/341.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri B. Durga Prasada Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 26th November 1975 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

The December 1975

No. E.B.I/8-312/74-76/344.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri G. R. Vidyasagar a Section Officer in the Office of the Accounts General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 22nd November 1975 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

S. R. MUKHERJEE,
Sr Deputy Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
COMMERCE WORKS & MISC**

New Delhi, the 5th December 1975

No. Admn.I/2(4)/V/9007-15.—The Accountant General, Commerce, Works & Misc., New Delhi is pleased to promote on provisional basis Shri H. N. Kaulaskar Section Officer as Accounts Officer in the office of the Sr. Dy. Accountant General, Commerce, Works & Misc., Bombay w.e.f. 24th November 1975 (F.N.) until further orders.

The 16th December 1975

No. Admn. 1/2(4)/V/9117-27.—The Accountant General, Commerce, Works & Misc., New Delhi has been pleased to promote on temporary and provisional basis Miss Suiata Gupta, Section Officer as an Accounts Officer in the Office of the Sr. Dy. Accountant General, Commerce Works and Misc., Calcutta w.e.f. 24th November 1975 (F.N.) until further orders.

B. B. DEB ROY, Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

**DEFENCE ACCOUNT DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS**

New Delhi-110022, the 29th November 1975

No. 23012 (1)/75/AN-A (Vol.II).—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned Permanent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in a substantive capacity with effect from the forenoon of the dates shown against each :—

Sl. No.	Name	Organisation in which serving	Date of effect
	Sarvashri		
1.	M. Krishnamurthy	CDA (Fys) Calcutta	1-2-1975
2.	B. G. Krishnamurthy	CDA (Fys) Calcutta	1-2-1975
3.	Bhagat Ram Bhala	CDA (Fys) Calcutta	1-2-1975
4.	R. B. Balasundram	CDA (Fys) Calcutta	1-2-1975
5.	Harbans Lal Anand	CDA Patna	1-2-1975
6.	R. Subramaniam	CDA (ORs) North Meerut	1-2-1975
7.	Satya Prakash Behl	CDA (AF) Dehra Dun	1-2-1975
8.	Gulab Singh Verma	CDA CC Meerut	27-2-1975
9.	M. Harihar Subramanian	CDA (ORs), South, Madras	28-2-1975
10.	Purushotham Dass Makker	CDA (Pensicns) Allahabad	1-3-1975
11.	Satpal Sehgal	CDA WC Meerut	1-3-1975
12.	A. V. Prakasham	CDA SC Poona	1-3-1975

S. K. SUNDARAM,
Addl. Controller General of
Defence Accounts (Admn.)

**MINISTRY OF LABOUR
LABOUR BUREAU**

Simla-171004, the 2nd January 1976

No. 23/3/75-CPI.—The All India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 decreased by the point to reach 315 (Three hundred and fifteen) during the month of November, 1975. Converted to base : 1949=100 the Index for the month of November, 1975 works out to 383 (Three hundred and eighty three).

K. K. BHATIA, Director.

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Jagjivannagar, the December 1975

No. P.8(9)67.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1)(b) of Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee hereby nominate the Sub-Area Manager, Ib Valley Sub-Area, Orient Colliery, P. O. Brajrajnagar, Dist. Sambalpur, Orissa as Employers' representative on the Orissa Coalfield Sub-Committee constituted in Notification No. P.8(9)67 dated 12th January 1973 and subsequent amendment vide Notification of even number dated 7th February 1974 vice Shri S. K. Mukherjee, Sub-Area Manager, Sambalpur, Orissa and makes the following amendments in the said notification :—

For the entry "Sl.No. 4—Shri S. K. Mukherjee, Sub-Area Manager, Sambalpur, Orissa"—an entry "Sl.No.4—The Sub-Area Manager, Ib Valley Sub-Area, Orient Colliery, P.O. Brajrajnagar, Dist. Sambalpur, Orissa" shall be substituted.

R. P. SINHA, Coal Mines Welfare Commissioner,
Dhanbad.

**MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER**

Bombay-400020, the 9th December 1975

No. CER/6/75.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) order 1948, and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. T. C. (4)/58, dated the 7th March, 1958, namely :—

In the Table appended to the said Notification in column 2 againsts. No.4, after item (xxviii) the following entries shall be added, namely :—

1	2
“(xxix)	Joint Director of Handlooms, Powerlooms & Co-operative textiles (ADM), Nagpur.
(xxx)	Joint Director of Handlooms Powerlooms & Co-operative Textiles, (Tech.), Nagpur.
(xxxI)	The Regional Deputy Director, Directorate of Handlooms, Powerlooms & Co-operative Textiles, Nagpur.
(xxxii)	The Regional Deputy Director, Directorate of Handlooms, Powerlooms and Co-operative Textiles, Bombay.
(xxxiii)	The Regional Deputy Director, Directorate of Handlooms, Powerlooms and Co-operative Textiles, Sholapur.”

G. S. BHARGAVA, Joint Textile Commissioner.

Bombay-400020, the 11th December 1975

No. EST-I-2(635).—The Textile Commissioner is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 21st November 1975 and until further orders Shri William Pereira, Superintendent in the Weavers' Service Centre, Bombay as Assistant Director, Grade. II (NT) in the Regional Office of the Textile Commissioner, Bombay.

VIRENDRA B. VERMA, Director

**DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMN. BR. A-6)**

New Delhi, the 11th December 1975

No. A6/247(580)/67.—Consequent on his reversion from Metallurgical Branch of Grade II of the Indian Inspection Service, Class I to Grade III of the Service, Shri S. K. Pandey relinquished charge of the post of Deputy Director of Inspection (Metallurgical) in the Metallurgical Inspectorate, Jamshed-

pur in the afternoon of the 31st October 1975 and assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection (Metallurgical) at Rourkela in the same Inspectorate in the forenoon of 1st November 1975.

The 12th December 1975

No. A-17011(94)/75-A-6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri Sabalendu Das Asstt. Director of Supplies (Grade II) in the Headquarters office of the Directorate General of Supplies and Disposals to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Met. Chem.) in the Bumpur Inspection Circle w.e.l. the forenoon of the 21st November 1975 until further orders.

Shri Das relinquished the charge of the post of Asstt. Director of Supplies (Grade II) in the Hqrs. office of DGS &D, New Delhi on the after noon of 10th November 1975 and assumed charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Met. Chem.) in the Bumpur Inspection Circle on 21st November 1975 (F.N.).

No. A6/247(220).—Shri B. P. Sengupta, a permanent Dy. Director of Inspection in Textile Branch of Grade II of the Indian Inspection Service Class I and officiating Director of Inspection in Grade I of the Indian Inspection Service Class I in the N.I. Circle, New Delhi under the Directorate General of Supplies & Disposals retired from Govt. service on the afternoon of 30th November 1975 on attaining the age of superannuation.

SURYA PRAKASH, Dy Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

**MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA**

Calcutta-700013, the 11th December 1975

No. 760U/B/12/72(SLD)/19A.—Shri Sohan Lal Dugar, Assistant Cost Accounts Officer, Geological Survey of India, relinquished charge of his duties on the afternoon of the 16th November 1973 on resignation.

V. K. S. VARADAN, Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 9th November 1975

No. A19012(44)/71-Estt.A.—Shri M.V.V. Peri Sastry, on his reversion back from the Ministry of Energy, Department of Coal, has taken over charge of the post of Mineral Officer (Statistics) in Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 8th July 1975.

The 10th December 1975

No. A19011(68)/75-Estt.A.—Shri S. L. Rai, Deputy Mineral Economist (Intelligence), on his reversion back from the United Nations Technical Assistance Recruitment Service has taken over charge of the post of Deputy Mineral Economist (Intelligence) with effect from the forenoon of 23rd October 1975.

A. K. RAGHAVACHARY, Sr. Administrative Officer
for Controller

**SURVEY OF INDIA
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE**

Dehradun, the 9th December 1975

No. C-5029/594.—Shri Sureswar Bose, Technical Assistant, Map Reproduction (Selection Grade) in Class III Division I Service, is appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (GCS Class II) in No. 102(PLO) Printing Group (EC), Survey of India, Calcutta in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810—EB-35-880-40-1000—EB-40-1200 with effect from 14th November 1975 (FN).

No. C-5030/718-A.—Shri S. D. Kararia, officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Class II) Map Record and Issue Office, Survey of India, Dehra Dun on an ad-hoc basis on pay of Rs. 840/- p.m. in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 1st December 1975 (F.N) vice Shri B. R. Pant, Establishment & Accounts Officer retired on superannuation.

No. C-5031/718-A.—Shri R. N. Sharma, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment & Accounts Officer (GCS Class II), Map Publication Office, Survey of India, Dehra Dun on an ad-hoc basis in a short term leave vacancy on pay of Rs. 840/- p.m. in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 1st December 1975 (FN) *vice* Shri H. Banerjee, Establishment & Accounts Officer proceeded on leave.

HARI NARAIN, Surveyor General of India
(Appointing Authority)

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY
NATIONAL ATLAS ORGANISATION

Calcutta-700019, the 12th December 1975

No. 35-2/75/Estt.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri Sudarshan Mukherjee, permanent Field Officer, is promoted to officiate in the post of Scientific Officer in the National Atlas Organisation w.e.f. 10th December 1975 until further orders.

S. P. DAS GUPTA, Director

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL
PUBLICITY

New Delhi, the 6th December 1975

No. A.19012/7/75-Estt.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri M. S. Shantaram, Field Exhibition Officer, B. G. Coach Unit, Madras, to officiate as Assistant Production Manager (Outdoor Publicity) in this Directorate with effect from the forenoon of the 29th October 1975 on a purely ad-hoc basis until further orders.

R. L. JAIN, Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 9th December 1975

No. 4(9)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri G. S. Hiranyappa as Programme Executive, All India Radio, Bangalore in a temporary capacity with effect from the 30th October 1975 and until further orders.

SHANTI LAL, Deputy Director of Administration,
for Director General.

New Delhi, the 5th December 1975

No. 2/12/75-SII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri D. Subhindra Rao, SEA, All India Radio, Parbhani to officiate in the grade of Assistant Engineer on ad-hoc basis with effect from 15th November 1975 at TV Centre, All India Radio, Bombay until further orders.

The 12th December 1975

No. 4(115)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri D. C. Kachari as Programme Executive, All India Radio, Gauhati in a temporary capacity with effect from the 15th October 1975 and until further orders.

P. K. SINHA, Deputy Director of Administration
for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 3rd December 1975

No. 20/6(2)/75-CGHSL.—Consequent on acceptance of his resignation Dr. Vinod Kumar, Junior Medical Officer (Adhoc), relinquished charge of post of G.D.O. Grade II Junior Medical Officer on 29th October 1975. (After Noon).

K. VENUGOPAL, Deputy Director (Admn.)
for Director General of Health Services.

New Delhi, the 5th December 1975

No. F9-33/75-CGHSL.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Sm.) A.M. Joshi to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health

Scheme, Bombay under this Directorate, on a purely ad-hoc basis, with effect from the forenoon of the 27th October, 1975 and until further orders.

K. VENUGOPAL, Deputy Director Administration (CGHS)

New Delhi, the 10th December 1975

No. 11-3/74-Admn.-I.(Vol.III).—The President is pleased to appoint Shri G. Pandharpakesan, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the C.S.S. to officiate in Grade I of the C.S.S. for the further periods mentioned below :—

1. From 13th September 1975 (FN) to 20 the September 1975 (A.N.).

2. From 25th September 1975 (FN) to 12th November 1975 (F.N.).

2. The President is also pleased to appoint Shri G. Pandharpakesan as Deputy Director (Admn.) in this Directorate for the above periods.

A. SURIN, Deputy Director Administration

New Delhi, the 11th December 1975

No. 17-8/75-SI.—On retirement from Government Service, Shri S. Rajasekharan, an Assistant Depot Manager of the Medical Store Organisation relinquished charge of the said post in the Medical Store Depot, Bombay on 30th November 1975 (A.N.).

SANGAT SINGH, Deputy Director Administration (Stores)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 11th December 1975

No. F/4-6(20)/74-A.I.—Consequent on his joining as Controller of Imports and Exports at Panaji, under the Ministry of Commerce, Shri R. P. Dhaundiyal, is deemed to have resigned his post of Assistant Marketing Officer in this Directorate, with effect from 4th May 1975 (A.N.).

E. S. PARTHASARTHY, Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Maharashtra-401504, the 19th November 1975

No. TAPS/ADM/634-III.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints S/Shri Hari Nath Singh Gau and P. K. Chopra as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Tarapur Atomic Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 19, 1975 until further orders.

The 27th November 1975

No. TAPS/ADM/735-A.—On his posting by the Cadre Authority, the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri S. Thriambaknath, a temporary Senior Stenographer of Bhabha Atomic Research Centre as Assistant Personnel Officer in the Tarapur Atomic Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of November 20, 1975 until further orders.

K. V. SETHUMADHAVAN, Chief Administrative Officer

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION
(NARORA ATOMIC POWER PROJECT)

Bombay-400005, the 31st October 1975

No. NAPP/1(26)/75-Adm.3806.—On his repatriation from Bharat Pumps & Compressors Limited, Allahabad to Narora Atomic Power Project, Shri R. K. Bali, Senior Personnel Officer relinquished charge of his post in Bharat Pumps & Compressors Limited, Allahabad on the afternoon of July 8 1975 and assumed the charge of the post of Administrative Officer-II in the Narora Atomic Power Project at Narora on the forenoon of July 15, 1975.

2. Shri Bali shall continue to hold the post of Administrative Officer-II in NAPP until further orders.

The 5th December 1975

No. PPLD/3(236)/75-Adm.13223.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay, hereby appoints Shri R. R. Save, a temporary Scientific Assistant 'B' of this Division, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the same Division, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1975 until further orders.

No. PPED/3(236)/75-Adm.13224.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri N. Rajagopala Rao, a temporary Scientific Assistant 'C' in this Division, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the same Division, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of November 1, 1975 until further orders.

N. G. PARULEKAR, Administrative Officer
for Director

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 11th December 1975

No. AMD/1/18/75-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri Shubhanker Dutta as Scientific Officer/Engineer (Geology) Grade 'SB' in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division, with effect from the 19th September 1975 Forenoon until further orders.

No. AMD/1/18/75-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri Dilip Haripant Joshi as Scientific Officer/Engineer (Geology) Grade 'SB' in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division, with effect from the 11th December 1975 Forenoon until further orders.

S. RANGANATHAN, Sr. Administrative & Accounts Officer.

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 21st November 1975

No. RRC-II-1(26)/72-24381.—Project Director, Reactor Research Centre appoints Shri Porundhapakkam Venugopalachary Sundararajan an officiating Assistant of this Centre as an Assistant Administrative Officer in the same Centre in an officiating capacity on an adhoc basis for the period from 4th October 1975 to 15th November 1975 *vice* Shri S. R. Sambasivan, Assistant Administrative Officer reverted as Senior Stenographer.

K. SANKARANARAYANAN,
Senior Administrative Officer.

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-110003, the 9th December 1975

No. E(1)05853.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri T. V. Vaidyanathan, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of fortyeight days with effect from the forenoon of 28th October 1975 to 14th December 1975.

Shri Vaidyanathan, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

No. F(1)05131.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. R. Seshadri, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of thirtythree days with effect from the forenoon of 27th November 1975 to 29th December 1975.

Shri Seshadri, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

The 15th December 1975

No. E(1)04267.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri P. K. E. Raja, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of sixtytwo days with effect from the forenoon of 17th November 1975 to 17th January 1976.

Shri Raja, Offg. Assistant Meteorologist has been transferred to the office of the Director, Instruments, Poona with effect from the forenoon of 17th November 1975.

M. R. N. MANIAN,
Meteorologist,
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 9th December 1975

No. A.31014/1/75-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. Sarkar in a substantive capacity in the grade of Assistant Communication Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department with effect from 1st January 1975.

H. L. KOHLI,
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 11th December 1975

No. A.32013/5/73-EC.—The President is pleased to appoint Shri L. P. Samuel, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay as Technical Officer on *ad-hoc* basis with effect from the 8th September 1975 (FN) until further orders and to post him at Aeronautical Communication Station, Calcutta.

V. V. JOHRI,
Asstt Director (Admn.)
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 9th December 1975

No. A.32013/2/74EA.—The President has been pleased to appoint Shri K. V. P. Iyenger, Aerodrome Officer to the grade of Senior Aerodrome Officer, in the Civil Aviation Department, in an officiating capacity, with effect from the 24th November 1975 (A.N.) and until further orders. Shri Iyenger is posted at Madras Airport, Madras.

V. V. JOHRI,
Asstt. Director (Admn.)

New Delhi, the 9th December 1975

No. A-31013/4/75-EH.—The President has been pleased to appoint Shri B. S. Rao, Officiating Deputy Director, Flight, Crew Standards, Civil Aviation Department, in a substantive capacity in the same grade with effect from 27th August, 1975

T. S. SRINIVASAN,
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 9th December 1975

No. 1/394/75-EST.—Shri Kapoor Singh Guliani, is appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in the Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 14th November 1975, and until further orders.

No. 1/395/75-EST.—Shri Jasbir Singh Sadana, is appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in the Bombay Branch, with effect from the forenoon of the 15th November 1975, and until further orders.

The 10th December 1975

No. 1/396/75-EST.—Shri A. R. Subramonia Iyer, is appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in the Bombay Branch, with effect from the forenoon of the 24th November 1975, and until further orders.

No. 1/381/75-EST.—Shri Y. P. Sarabhai, Permanent Inspector, Directorate General of CRPF, New Delhi, is appointed as Security Officer in an officiating capacity in Headquarters Office, Bombay, on deputation basis, with effect from the forenoon of the 1st December 1975 and until further orders.

P. G. DAMLE,
Director General.

Bombay, the 10th December 1975

No. 1/246/75-LSF.—The Director General OCS has accepted the resignation from Government Service, of Shri G. B. Tewari, Quasi-permanent Assistant Engineer, Switching Complex, Bombay, with effect from the afternoon of the 24th November 1975.

P. K. G. NAYAR,
Dy. Director (Admn.)
for Director General.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Calcutta, the 12th November 1975

CUSTOMS ESTABLISHMENT

No. 1/75.—Shri Ranjit Sen, Office Superintendent, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Administrative Officer, Calcutta Customs House, w.e.f. 21-12-73 (F.N.).

No. 2/75.—Shri A. V. Mudalier, P.O. Gr. I, Calcutta Customs House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 8-11-74 (F.N.).

No. 3/75.—Shri G. R. Sinha, P.O. Gr. I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 8-11-74 (F.N.).

No. 4/75.—Shri A. G. Xavier, P.O. Gr. I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 8-11-74 (F.N.).

No. 5/75.—Shri C. V. Stephens, P.O. Gr. I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 8-11-74 (F.N.).

No. 6/75.—Shri J. T. Cranchenburgh, P.O. Gr. I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 8-11-74 (F.N.).

No. 7/75.—Shri N. C. Dutta, officiating Appraiser, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 8-11-74 (F.N.).

No. 8/75.—Shri B. C. Saha, P.O. Gr. I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 8-11-74 (F.N.).

No. 9/75.—Shri F. Toppo, P.O. Gr. I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 8-11-74 (F.N.).

No. 10/75.—Shri P. K. Roy Laskar, P.O. Gr. I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 8-11-74 (F.N.).

No. 11/75.—Shri D. C. Roy, P.O. Gr. I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 8-11-74 (F.N.).

No. 12/75.—Shri N. N. Mondal, P.O. Gr. I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 8-11-74 (F.N.).

No. 13/75.—Shri H. C. Majumdar, P.O. Gr. I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 8-11-74 (F.N.).

No. 14/75.—Shri D. R. Banerjee, P.O. Gr. I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 23-12-74 (F.N.).

No. 15/75.—Shri S. K. Sen, P.O. Gr. I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 28-1-75 (F.N.).

D. N. LAI,
Collector of Customs

Bangalore, the 10th September 1975

No. 14/75.—The following permanent and officiating (S.G.) Inspectors of Central Excise have been promoted to officiate as Superintendents of Central Excise Class II in the time scale of Rs. 650-30-740-35-810-E. B.-35-880-40-1000 E. B.-40-1200 and posted to the formations noted against their names :—

Sl. No.	Name of the Officer	Formations to which posted	Date of joining
S/Shri			
1.	N. D. Thakur	MOR Shimoga	4-8-1975
2.	P. N. Dandi	MOR IX Bangalore I Division.	8-8-1975

The 15th October 1975

No. 16/75.—The following officiating office Superintendents of Central Excise have been promoted to officiate as Administrative Officer Assistant Chief Accounts officer of Central Excise Class II in the time scale of Rs. 650-30-740-35-810-E. B.-35-880-40-1000-E. B. 40-1200, and assumed charge as Administrative Officers/Assistant Chief Accounts Officer in the formations noted against their names.

Sl. No.	Name of the Officer	Formations to which posted	Date of joining
S/Shri			
1.	M. K. Ramachandra	Administrative Officer I. D. O., Nipani.	15-9-1975
2.	C. L. Ajjegowda	Administrative Officer, I. D. O., Bangalore II Division	14-8-1975 A.N.
3.	K. S. Susaimanickam	Assistant Chief Accounts Officer Headquarters Office, Bangalore	13-8-1975
4.	B. R. Phatate	Administrative Officer, I. D. O., Mangalore Customs Division	11-9-1975
5.	B. K. Bagalwad	Administrative Officer, I. D. O. Mangalore Central Excise Division	12-9-1975

S. VENKATARAMA IYER,
Collector

NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior, the 15th December 1975

No. 36.—Shri M. S. Bansal, Intelligence Officer, Narcotics Intelligence Bureau, Narcotics Commissioner's Office, Gwalior is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 1000/- in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1st October 1974.

No. 37.—Shri Gorakh Nath, Superintendent (Ex.), Ghazipur is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 810/- in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1st May 1975.

No. 38.—Shri S. K. Ghoshal, District Opium Officer, Neemuch-V, Division is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 1000/- in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1st February 1974.

A. SHANKER,
Narcotics Commissioner of India

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 11th December 1975

No. A-19012/217/75-Adm.V.—Consequent on his reversion back to his parent Department i.e. India Meteorological Department, Lodi Road, New Delhi, Shri J. K. Khanna, relinquished charge of the post of Extra Assistant Director (Hydro-Met.) in the Central Water Commission, with effect from the forenoon of the 10th November 1975.

No. A-19012/471/74-Adm.V.—In continuation of this Commission's notification of even number dated 26th August 1975 the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. L. Ahluwalia to officiate in the post of Special Officer (Documentation) in the Central Water and Power Research Station, Poona, on a purely temporary and ad-hoc basis, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, for a further period upto 29.2.76 or till the post is filled, on a regular basis, whichever is earlier.

CORRIGENDUM

The 12th December 1975

No. A-19012/514/74-Adm.V.—The date 14th December 1974 appearing in this Commission's Notification No. A-19012/514/74-Adm.V., dated 23rd July 75 may be substituted by the date 10th December 1974."

No. A-19012/544/75-Adm.V.—Consequent upon his selection by the Union Public Service Commission, the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri Ulhas Viswanath Purandare to the post of Assistant Research Officer (Engineering-Civil) in the Central Water and Power Research Station, Poona, Central Water Commission in the pay Scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 with effect from the forenoon of 15th November 1975.

Shri U. V. Purandare will be on probation for a period of two years with effect from the above date and time.

K.P.B. MENON, Under Secy.
for Chairman, C.W. Commission

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad-121001, the 6th December 1975

No. 3-374/75-C.H.(Estt.).—Consequent on his selection by U.P.S.C. Shri K.V.S. Sastry is hereby appointed to the post of Asstt Hydrogeologist G.C.S. Class II (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on temporary basis in the C.G.W.B. with his headquarter at Bhopal (M.P.), w.e.f. 10th November 1975 (F.N.) till further orders.

No. 3-412/75-C.H.(Estt.).—Shri J. N. Rai is hereby appointed to the post of Asstt. Hydrogeologist G.C.S. Class-II (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on temporary basis in the C.G.W.B. with his headquarter at Nagpur w.e.f. 14th November 1975 (F.N.) till further orders.

D. S. DESHMUKH, Chief Hydrogeologist & Member

Faridabad-121001, the 12th December 1975

No.3-424/75-Estt.II.—Shri M. M. S. Dhillon is deemed to have been appointed to officiate as Store Officer (CGS Class II Gazetted) on ad-hoc temporary basis w.e.f. 7th May 1973 in the Scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with his headquarters at Central Ground Water Board, Narmada Project, Bhopal.

Shri Dhillon will however, get his pay in the capacity of Stores Officer w.e.f. 1st September 1975 i.e. the date from which he actually took over charge of the post.

D. PANDEY, Superintending Engineer

OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF CENTRAL

PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 6th December 1975

No. 5/6/75-ECI.—The President is pleased to appoint the following candidates on the results of the Engineering Services Examination 1974 on probation in the CES Class I/CEES Class I in the C.P.W.D. against temporary posts of Asstt. Executive Engineer (Civil)/Asstt. Ex. Engineer (Elect.) with effect from the dates mentioned against their names :—

CES Class I

S/Shri

- | | |
|--------------------------|----------|
| 1. Jagdish Chander Wason | 19-11-75 |
| 2. Sushant Baliga | 20-11-75 |
| 3. Lekhraj Singh | 24-11-75 |

CEFS Class I

- | | |
|--------------------|----------|
| 1. Anil Kumar Jain | 20-11-75 |
|--------------------|----------|

S S. P. RAU, Dy. Director of Administration

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of Messrs
MAKSUDPUR REFRIGERATION INDUSTRIES
PRIVATE LIMITED [Section 445(2)]*

Patna-1, the 4th December 1975

No. (425)-Liq/4613.—By an order dated the 31st October 1975 of the High Court of Judicature at Patna in Company

Petition No. 2 of 1975 it has been ordered to wind up Messrs
MAKSUDPUR REFRIGERATION INDUSTRIES PRIVATE
LIMITED.

S. P. TAYAL,
Registrar of Companies, Bihar.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s.
The Eastern Zalawad Motor Transport Company
Private Limited*

Ahmedabad, the 6th December 1975

No. 648/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s The Eastern Zalawad Motor Transport Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA,
Registrar of Companies, Gujarat

*In the matter of the Companies Act 1956 and
of Raipur Metal Products Private Limited*

Gwalior-474001, the 9th December 1975

No. 906/Liqn/1863.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that Raipur Metal Products Private Limited, Raipur has been ordered to be wound up by an order dated 3rd October 1975 passed by the High Court of Madhya Pradesh, Jabalpur and the Official Liquidator, Indore has been appointed as the liquidator of the company.

MAHESH PRASAD,
Registrar of Companies, Madhya Pradesh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
JAISWAL TOURIST PRIVATE LIMITED*

Hyderabad, the 9th December 1975

No. 1281/T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Jaiswal Tourist Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN,
Registrar of Companies, Andhra Pradesh

*Notice Under Section 247(4) of the Indian Com-
panies Act, 1913, in the matter of National Steel
Corporation Ltd., (in Liqn.)*

Calcutta-700001, the 10th December 1975

No. L/10898/D-738.—Whereas under section 247(4) of the Indian Companies Act, 1913, I have reasonable cause to believe that the affairs of the Company are fully wound up and the returns required to be made by the liquidator have not been made for a period of six(6) consecutive months.

I, therefore, hereby notify that at the expiration of three(3) months from the date of this notice, the name of the Company will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the Company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies, West Bengal

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 4th December 1975

No. F. 48-Ad(AT)/75-P.II.—Shri M. M. Prasad Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was continued to officiate on ad hoc basis in a temporary capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Cuttack Bench, Cuttack upto 30-9-1975 (Afternoon) vide this office Notification of even number dated 31st July 1975, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Cuttack Bench, Cuttack on ad-hoc basis for a further period of six months from 1-10-1975 to 31-3-1976 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

HARNAM SHANKAR
President.

FORM ITNS

(1) Shri Ram Nath Anand s/o Shri Thakar Das Anand 1/o No. 17, Babai Road, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Surinder Singh s/o Shri Ghera Singh, r/o 2657/8, Chuna Mandi, Paharganj, New Delhi. (Transferee)

(3) (i) M/s. Prem Nath Suraj Bhan
(ii) Shri Hari Krishan of M/s. Wadhwa Medical Stores,
(iii) M/s. Polson Dry Cleaners, all r/o XV/2358, Chuna Mandi, Paharganj, New Delhi,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI
4-A/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. III/SR. III/June/314 (10)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. ½ share of Property No. XV/2358 situated at Chuna Mandi Paharganj, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at New Delhi on 9-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share of property No. XV/2358, built on lease hold of land measuring total area 417 sq. yds. situated plot Mandi, Paharganj, New Delhi and bounded as under :—

East : House of Shri Paras Ram and Shri Sukha.
West : Road known as Rajguru Road, Chuna Mandi.
North : House of Shri Ram Nath and Shri Bhola.
South : Remaining half portion of property No. XV/2358.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-III,
New Delhi

Date : 17-12-1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/2039(971)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 shops at No. 1853 situated at Bissmal Colony, Bhagirath Place, Ch. Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 21-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
17—406 GI/75

(1) Smt. Gindo Bai w/o

L. Sh. Bishamber Nath

r/o, 1808, Bissmal Colony, Bhagirath Place,
Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satyapal Bansal,

s/o Shri Jagdish Rai Advocate,

r/o B-15, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three shops measuring 28'.10"×25'×15' constructed on ground floor of the property bearing No. 1853 Bissmal Colony, Bhagirath Place, Chandni Chowk, Delhi and bounded as under:—

North : Passage

South : Wall and owners property.

East : Wall and other portion of the property.

West : Wall and other portion of the property.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 17-12-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1975

Ref No. IAC/Acq.II/1962/972/75 76 —Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 3 shops at No. 1853 situated at Bissmal Colony, Bhagirath Place, Ch. Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 9-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated, in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gindo Bai w/o
L. Sh. Bishamber Nath
r/o, 1808, Bissmal Colony, Bhagirath Place,
Chandni Chowk, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Satyapal Bansal,
s/o Shri Jagdish Rai Advocate,
r/o B-15, Greater Kailash-I,
New Delhi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three shops measuring 29'9"×25'×15' constructed on ground floor of the property bearing No. 1853 Bissmal Colony, Bhagirath Place, Chandni Chowk, Delhi and bounded as under :—

North : Passage
South : Wall and owners property.
East : Wall and other portion of the property.
West : Wall and other portion of the property.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 17-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harbans Lal s/o
Shri Lachman Dass,
r/o C-3/17, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1915(973)/75-76.—Whereas, I,
S. N. L. Agarwala,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Shop No. 27
situated at Ghokle Market, Opp. Tis Hazari Court, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on April, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) Smt. Gurdevi w/o
S. Jagat Singh Kohli,
r/o 5293, Basant Road, Paharganj,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 27 situated in Gokhale Market, Opposite New Courts, Tis Hazari, Delhi constructed on a land measuring 563 sq. ft. charged 2/3rd to Ground floor and 1/3rd to first floor.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date 17-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Harnam Singh, s/o
S. Inder Singh
r/o D-13-A/9 Model Town, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ram Dhare Agarwal,
s/o Shri Jai Lal Agarwala,
r/o 3613, Bara Hindu Rao, Delhi-6.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 19th December 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of the property house No. 6668-69 (old)
and 6161 (New) Ward No. XIII situated in Pakki Gali,
Bara Hindu Rao, Delhi on a free-hold plot of land measuring
91 sq. yds. and bounded as under :

East : Property No. 6160.
West : Property 6162
South : Bahadurgarh Road.
North : Gali and thorough fare.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act,'
in respect of any income arising from the trans-
feror; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said
Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. N. L. AGARWALA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'said Act'. to the following per-
sons, namely :—

Date : 19-12-1975
Seal :

FORM JTNS—

(1) Shri Harnam Singh s/o
S. Inder Singh,
D-13A/19, Model Town, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Vishnu Bhagwan,
s/o Shri Ram Dhare Agarwal,
3613, Bara Hindu Rao, Delhi-6.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said prop-
erty may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 19th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1921(975)/75-76.—Whereas, I,
S. N. L. Agarwala,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No
6161 (First floor)
situated at Pakki Gali, Bara Hindu Rao, Delhi
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on 18-4-1975,
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid prop-
erty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires
later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act'
in respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of
1957);

First floor of the property house No 6668-69 (old)
and 6161 (New) Ward No. XIII situated at Pakki Gali,
Bara Hindu Rao, Delhi on a free-hold plot of land measuring
about sq. yds. and bounded as under.

East : Property No. 6160.
West : Property 6162
South : Bahadurgarh Road.
North : Gali and thorough fare.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'said Act', to the following per-
sons, namely :—

Date, 19-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/316(976)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-7/54 situated at Krishan Nagar, Delhi-51 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 15-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Devki Devi Manga
w/o Shri Devi Dass Manga,
r/o A-7/54, Lal Quarter, Main Road,
Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

- (2) Smt. Bimla Rani w/o
Shri Amar Nagh,
r/o 160, Teliwara, Shahdara, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A built up property bearing Municipal No. XI/284/(old) and A-7/54 (New) built upon the portion of the plot No. A-7/51 constructed on land measuring 66½ sq. yds situated at Krishan Nagar, Delhi-51 & Bounded as under :—

East : Mail Lal Quarter
West : Road
North : Remaining portion of the property.
South : Remaining portion of the property.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-12-1975

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/350/977/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-40 situated at Radhey Puri, Illaqa Shahdara, Delhi-51 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gian Singh s/o
Shri Khushia Singh. r/o
H-5/22, Krishan Nagar, Delhi-51. (Transferor)
- (2) 1. Shri Kewal Krishan s/o Shri Harbans Lal
2. Shri H. A. Meghji s/o Shri A. M. Meghji,
r/o A-7/22, Krishan Nagar, Delhi-51. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ storeyed house constructed on plot of land measuring 100 sq. yds (being Southern portion of the entire plot measuring 200 sq. yds.) situated at No. G-40, Radhey Puri, Village Khureji Khas, Shahdara, Delhi and bounded as under:—

North : Portion of plot No. G-40.
South : Plot No. G-39
East : Others land
West : Road 20 ft.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1953/978/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 51 situated at Gandhi Gali, Fatehpuri, Delhi-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the registering officer at Delhi on 30-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shri Puraray Lal Kapoor,
s/o Shri Ram Saroop Kapur,
r/o 58, Vaidwara Street, Meerut City (U.P.).
(Transferor)
- (2) Shri Naraindev Kumar Khurana and
Shri Chander Mohan Khurana, s/o
Shri Des Raj r/o 51, Gandhi Gali,
Fatehy Puri, Delhi-6
(Transferee)
- (3) 1. Shri Sadano Mohan,
2. Shri Dau Dayal,
3. Shri Narinder Khurana,
4. Shanti Saroop Baljal,
r/o 51 Gandhi Gali, Fatehpuri,
Delhi-6.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house bearing Municipal No. 51 Ward No. III situated at Gandhi Gali, Fatehpuri, Delhi with land underneath measuring 252 sq. yds. and bounded as under:—

East : House of Lala Har Saroop
West : House of Lala Kure Mal
North : House of Lala Chand Saroop.
South : House of Lala Munni Lal.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 19th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/2053/979/75-76 —Whereas I,
S. N. L. Agarwala,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khasra No. 159

situated at Village Dhirpur, Sant Nirankari Colony, Delhi-9
(and more fully described in the Schedule annexed here
to), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Delhi on 26-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceeding for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice (under sub-section
(1) of Section 269D of the 'said Act' to the following per-
sons, namely
18-406GI 75

(1) Smt. Avtar Kaur w/o
S. Anand Singh,
r/o Village Defort, P.O. Madnokev,
Distt Amritsar (PUNJAB)

(Transferor)

(2) Shri Bishan Singh s/o
Shri Gurbaksh Singh,
House No. 99, Sant Nirankari Colony,
Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used
therein as are defined in Chapter XXA of
the 'said Act', shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 300 sq. yds. part of Khasra
No. 159 situated in the colony known as Sant Nirankari
Colony Delhi-9 area of Village Dhirpur, Delhi state, Delhi
and bounded as under:—

North: Land of Amar Singh

South: Gali 10'

East: Road 40'

West: Road 10'

S. N. L. AGARWALA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi.

Date 19-12-1975

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI

New Delhi, the 19th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1904(980)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing B-181, situated at Majlish Park, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on April 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act,' to the following persons namely:—

(1) Shri Om Parkash Sethi s/o
Shri Lal Chand Sethi,
r/o B-206, Majlish Park, Delhi-33. (Transferor)

(2) Shri Madan Lal Anand,
s/o Shri Makhan Lal,
r/o B-181, Majlish Park, Delhi-33. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ storeyed house constructed on a plot of land measuring 100 sq. yds. situated at plot No. 181 in Block B out of Khasra No. 6, in the village Bharola, in abadi of Majlish Park, on G. T. Road, Delhi State and bounded as under —

North : Road
South : Property No. B-101
East : Property No. B-180
West : Property No. B-182.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date . 19-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI

New Delhi, the 19th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1946/981/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1322, 23 Ward No. XIII, situated at Faiz Ganj, Bahadurgarh Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

(1) Shri Koddu Mal s/o
Shri Sunder Dass, r/o
1321, Faiz Ganj, Bahadurgarh, Road,
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur w/o S. Tirath Singh,
r/o 1322-23, Faiz Ganj, Bahadurgarh Road,
Delhi.

(Transferee)

(3) Smt. Dadan Bai,
1322, 23, Faiz Ganj, Delhi-6.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house constructed on a plot of land, measuring 108 sq. yds. situated at No. 1322, 23 Ward No. XIII Gali No. 3 Faiz Ganj, Bahadurgarh Road, Delhi and bounded as under :—

East : Property of others
West : House No. 1324
North : House No. 756
South : Door.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 19-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Sat Pal Kaur,
w/o Shri Sunder Singh,
r/o 2382/12, Beadonpura, Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

- (2) Smt. Savitri Rani Sehgal,
w/o Shri K. K. Sehgal,
r/o 5-C/73, Rohtak Road,
New Delhi-5.

(Transferee)

- (3) 1. Shri S. M. Singh
2. Shri P. V. Raman
3. Shri V. Ramachandran
4. Shri Kaushal Rai
All r/o 38/65, W.E.A. Rohtak Road,
New Delhi.
[Person(s) in occupation of the property]

New Delhi, the 23rd December 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/Acq.II/1882(997)/75-76.—Whereas, I,
S. N. L. AGARWALA,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Plot No. 38 Block 65 situated at W.E.A. New Rohtak Road,
New Delhi
(and more fully
described in the Schedule annexed hereto), has been trans-
ferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on April, 1975, for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act'
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act,
1957 (27 of 1957);

24 storeyed house constructed on a corner plot of land
measuring 273 sq. yds, at plot No. 38 Block 65, W.E.A.
Rohtak Road, New Delhi and bounded as under :

North : Road
East : Road
South : Property No. 37
West : Service lane

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following
persons, namely :—

Date : 23-12-1975

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1995(996)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2187 Ward No. IX situated at Gali Nalwali, Pahari Bhojla, Chitli Qabar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 7-4-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

S/Shri

- (1) 1. Mohammad Irfan
2. Mohammed Ahsan
3. Mohammad Rizwan
4. Mohammad Iqbal
Sons of Haji Mohammad Usman
All residents of House No. IX/2186,
Gali Nalwali, Pahari Bhojla,
Chitli Qabar, Jamamasjid, Delhi (Transferor)
- (2) 1. Mst. Aziz Fatma
w/o Mohammad Ashfaq
r/o IX/1608, Andheri Gali,
Pahari Bhojla, Chitli Qabar, Delhi.
2. Mohammad Yousuf
s/o Shri Mohammad Yaqoob
r/o IX/2187 Gali Nalwali, Pahari Bhojla,
Jamamasjid, Delhi.
3. Mohd. Rafiq
s/o Mohammad Munir
r/o IX/1608, Andheri Gali, Pahari Bhojla,
Chitli Qabar, Jamamasjid, Delhi.
4. Ahmad Din Qureshi
s/o Mohammad Din Qureshi
IX/2801 Pahari Bhojla, Chitli Qabar,
Jamamasjid, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house constructed on a free-hold plot of land, bearing Municipal No. 1321 (old) 2187 (New) situated in Ward No. IX in Gali Nalwali, Pahari Bhojla, Chitli Qabar, Jama Masjid, Delhi measuring 180 sq. yds. and bounded as under :—

North : Wall of others house
South : Wall
West : Wall of others property
East : Wall of others property

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi.

Date : 23rd December, 1975
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1943/995/75-76/.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 of C-5/20 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Tarlok Singh
s/o Sardar Ishar Singh
r/o A-1, Vishal Enclave Opposite Rajouri Garden
New Delhi.
(Transferor)

(2) 1. Shri Devinder Singh Kohli,
s/o Shri Suraj Singh Kohli.
2. Smt. Sampooran Kaur
w/o S. Bhag Singh,
r/o D-10/5, Model Town, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of a free-hold plot of land measuring 306 sq. yds. situated at Plot No. 20 in Block C-5, Model Town, Delhi and bounded as under :
East : Property No. C-5/21
North : Property Nos. C-6/19 and C-6/20
West : Property No. C-5/19
South : Road

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi.

Date : 23rd December, 1975
Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1942/994/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 of C-5/20 situated at Model Town, Delhi-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Ishar Singh
r/o A-1, Vishal Enclave, Opposite Rajouri Garden,
Delhi,
(Transferor)

(2) 1. Shri Devinder Singh Kohli,
s/o Shri Suraj Singh Kohli.
2. Smt. Sampooran Kaur
w/o Shri Bhag Singh,
r/o D-10/5, Model Town, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of a free-hold plot of land measuring 306 sq. yds. situated at Plot No. 20 in Block C-5, Model Town, Delhi and bounded as under :

East : Property No. C-5/21
West : Property No. C-5/19
North : Building Nos. B-6/19 and C-6/20
South : Road

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi,

Date : 23rd December, 1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Amar Nath, 2. Shri Kishore Kumar, 3. Shri Ashok Kumar, 4. Shri Anoop Kumar minor sons of Shri Amar Nath through their father Shri Amar Nath, r/o 19/2-B Shakti Nagar Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Prabha Devi w/o Shri Kishan Chand Somani, r/o 3274, Lal Darwaza, Bazar Sita Ram, Delhi-6, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1974(993)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/12th of 4899 to 4904 situated at Hauz Quazi, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on 30-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds. bearing Municipal No. 4899 to 4909 (New/2881 2884 and 2885) in Main Bazar, Hauz Quazi, Delhi and bounded as under :—

East : Main Road Ajmere Gate
West : Others property
North : Others property
South : Phatak Namak

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 23-12-1975,

Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1973/992/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/12 of 4899 to 4904 situated at Hauz Qazi, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-4-1975, / for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

19—406GI/75

(1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Amar Nath, 2. Shri Kishore Kumar, 3. Shri Anoop Kumar and 4. Shri Ashok Kumar minor sons of Shri Amar Nath through their father Shri Amar Nath r/o 19/2-B, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Somani, s/o Shri Madan Lal Somani, 3274, Lal Darawaza, Bazar Sita Ram, Delhi-6.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds, bearing Municipal No. 4899 to 4904 (New 2881 2884 and 2885) in Main Bazar, Hauz Qazi, Delhi and bounded as under :—

East: Main Road Ajmere Gate
West: Others property.
North: Others property
South: Phatak Namak

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 23-12-1975

Seal;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1955/991/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/12 of 4899 to 4904 situated at Hauz Qazi, Delhi, (and more fully described in the Schedule, annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Amar Nath 2. Shri Kishore Kumar 3. Shri Ashok Kumar 4. Shri Anoop Kumar minor sons of Shri Amar Nath through their father Shri Amar Nath r/o 19/2-B, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar s/o Shri Siri Kishan Somani r/o 3274, Lal Darwaza, Bazar Sita Ram, Delhi-6.

(Trustee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds. bearing Municipal No. 4899 to 4904 (New/2991 2884 and 2885) in Main Bazar, Hauz Quazi, Delhi and bounded as under :—

East : Main Road Ajmere Gate
West : Other property.
North : Others property.
South : Phatak Namak.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 23-12-1975

Seal ;

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,

4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1954/990/75-76.—Whereas, I,
S. N. L. AGARWALA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. 1/12 of 4899 to 4904 situated at Hauz Qazi,
Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Delhi on 30-4-1975,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the 'Said Act', in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition at the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following per-
sons, namely :—

(1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Amar Nath 2. Shri
Kishore Kumar 3. Shri Ashok Kumar 4. Shri Anoop
Kumar minor sons of Shri Amar Nath through their
father Shri Amar Nath r/o 19/2-B, Shakti Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar alias Chhotey Lal son of Shri Siri
Kishan Somani, r/o 3274, Lal Darwaza, Bazar Sita
Ram, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'Said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a
plot of land measuring 627 sq. yds. bearing Municipal No.
4899 to 4904 (New/2991 2884 and 2885) in Main Bazar
Hauz Quazi, Delhi and bounded as under :—

East : Main Road Ajmere Gate
West : Other property
North : Others Property.
South : Phatak Namak

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 23-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II

4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1950/989/75-76.—Whereas, I,
S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/12 of 4899 to 4904 situated at Hauz Qazi, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Amar Nath 2. Shri Kishore Kumar 3. Shri Ashok Kumar and 4. Shri Anoop Kumar minor sons of Shri Amar Nath through their father Shri Amar Nath r/o 19/2-B, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Hem Lata w/o Shri Ram Autar Somani, r/o 3274, Lal Darwaza, Bazar Sita Ram, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds. bearing Municipal No. 4899 to 4904 (New/2991 2884 and 2885) in Main Bazar, Hauz Quazi, Delhi and bounded as under :—

East : Main Road Ajmere Gate
West : Others property
North : Others property.
South : Phatak Namak

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 23-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II

4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1949(988)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/12 of 4899 to 4904 situated at Hauz Qazi, Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Amar Nath 2. Shri Kishore Kumar 3. Shri Ashok Kumar 4. Shri Anoop Kumar minor sons of Shri Amar Nath through their father Shri Amar Nath r/o 19/2-B Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Avtar Somani, s/o Shri Madan Lal Somani, r/o 3274, Lal Darwaza, Bazar Sita Ram, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds. bearing Municipal No. 4899 to 4904 (New/2991 2884 and 2885) in Main Bazar Hauz Quazi, Delhi and bounded as under :—

East : Main Road Ajmere Gate.
West : Others property.
North : Others Property.
South : Phatak Namak.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 23-12-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1917(987)/75-76.—Whereas, I,
S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/12 of 4899 to 4904 situated at Hauz Qazi, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 16-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Amar Nath 2. Shri Kishore Kumar 3. Shri Ashok Kumar 4. Shri Anoop Kumar minor sons of Shri Amar Nath through their father Shri Amar Nath r/o 19/2-B, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(1) Shri Om Parkash Somani, s/o Shri Madan Lal Somani r/o 3274, Lal Darawza, Bazar Sita Ram, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds. bearing Municipal No. 4899 to 4904 (New/2991 2884 and 2885) in Main Bazar Hauz Quazi, Delhi and bounded as under :—

East : Main Road Ajmere Gate.
West : Others property
North : Others property.
South : Phtak Namak.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 23-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Vinod Kumar son of Shri Amar Nath 2. Shri Kishore Kumar 3. Shri Ashok Kumar 4. Shri Anoop Kumar minor sons of Shri Amar Nath through their father Shri Amar Nath r/o 19/2-B, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Smt. Tara Devi w/o Shri Om Parkash Somani, r/o 3274, Lal Darwaza, Bazar Sita Ram, Delhi-6.

(Transferee)

OFFICE OF THE

INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF

INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II

4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1916/(986)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/12 of 4899 to 4904 situated at Hauz Qazi, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Delhi on 16-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds. bearing Municipal No. 4899 to 4904 (New/2991 2884 and 2885) in Main Bazar Hauz Quazi, Delhi and bounded as under :—

East: Main Road Ajmere Gate.

West: Others property.

North: Others property.

South: Phatak Namak.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. L. AGARWALA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 Cof the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 23-12-1975

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II
4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1911(985)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/12 of 4899 to 4904 situated at Hauz Qazi, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 14-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act of the following persons, namely :—

(1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Amar Nath, 2. Shri Kishore Kumar 3. Shri Ashok Kumar 4. Shri Anoop Kumar minor sons of Shri Amar Nath through Shri Amar Nath their father r/o 19/2-B Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Purshotam Dass Somani, s/o Shri Madan Lal Somani r/o 3274, Lal Darwaza, Bazar Sita Ram, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds. bearing Municipal No. 4899 to 4904 (New 2991 2884 and 2885) in Main Bazar Hauz Qazi, Delhi and bounded as under :—

East : Main Road Ajmere Gate
West : Others property.
North : Others property.
South : Phatak Namak.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 23-12-1975
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref No IAC/Acq II/1910/984/75-76 —Whereas, 1, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 1/12 of 4899 to 4904 situated at Hauz Qazi Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 14-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely —

20—406GI/75

(1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Amar Nath 2 Smt Kishore Kumar 3 Shri Ashok Kumar 4 Shri Anoop Kumar minor sons of Shri Amar Nath through their father r/o 19/2-B, Shakti Nagar, Delhi (Transferor)

(2) Smt Kumud Rani w/o Shri Purshotam Dass Somani r/o 3274, Lal Darwaza, Bazar Sita Ram, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds bearing Municipal No 4899 to 4904 (New/2881 2884 and 2885) in Main Bazar Hauz Qauzi, Delhi and bounded as under —

East Main Road Ajmere Gate
West Others Property
North Others Property
South Phatak Namak

S. N. L. AGARWALA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date, 23-12-1975

Scd

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1894(983)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/12th of 4899 to 4904 situated at Hauz Khas, Delhi-6, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 7-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Amar Nath 2. Shri Kishore Kumar, 3. Shri Ashok Kumar, 4. Shri Anoop Kumar minors sons of Shri Amar Nath through their father r/o 19-2/B Shakti Nagar, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Gopal Krishan Sumani, s/o Shri Madan Lal Sumani, 3274, Lal Darwaza, Bazar Sita Ram, Delhi-6.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds. being Municipal No. 4899 to 4904 (New/2881 2884 and 2885) in Main Bazar, Haus Qauzi, Delhi and bounded as under :—

East : Main Road Ajmere Gate,
West : Others property.
North : Others property.
South : Phatak Namak.

S. N. L. AGGARWALA,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi,

Date : 23-12-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1893/982/75-76.—Whereas, I,
S. N. L. AGARWALA,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'Said Act') have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceed-
ing Rs. 25,000/- and bearing
No. 1/12 share of 4899 to 4904 situated at Hauz Qazi, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Delhi on 7-4-1975,
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent consi-
deration and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
Said Act in respect of any income arising from the
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following
persons, namely:—

(1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Amar Nath 2. Shri
Kishore Kumar 3. Shri Ashok Kumar 4. Shri Anoop
Kumar minor s/o Shri Amar Nath through Shri
Amar Nath 19-2/B, Shakti Nagar, Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Lilawati Somani, w/o Shri Madan Lal Somani,
r/o 3274, Lal Darwaza, Bazar Sita Ram, Delhi-6.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the Said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a
plot of land measuring 627 sq. yds. bearing Municipal No.
4899 to 4904 (New/2881 2884 and 2885) in Main Bazar,
Hauz Qauzi, Delhi and bounded as under:—

East : Main Road Ajmere Gate.
West : Others property.
North : Others property.
South : Phatak Namak.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 23-12-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM

MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd December 1975

Ref. No. JAC ACQ III/SR III/Junc/308(4)/75-76—Whereas I, S C PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land mg 7 bighas 12 biswas situated at Village Chhattarpur, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 4-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 169C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely —

- (1) Brig R R Suri
s/o late Shri M D Suri and
Smt Radha Suri
w/o Brig R R Suri and
d/o Shri Trilochan Dass Bedi
Both s/o B-81, Defence Colony
New Delhi

(Transferor)

- (2) M/s Nahar Theatres Pvt Ltd
9, Cuizon Road New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All Bhumidari and ownership rights of agricultural land comprising the following khasras Nos 1339/2, (3 bigha 18 biswas) and 1338/1/2 and 1333/2/2 (3 bighas 14 biswas) total area 7 bighas 12 biswas along with the said land a small built room and barbed wire fencing and the well fitted with electric motor of power (5 H P) with a pumping set in working condition in village Chhattarpur, New Delhi

S C PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, New Delhi

Date 22nd December 1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri D. R. Gupta
s/o Shri Balwant Rai
1/0 N-155, Panchshila Park New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Singal Diwan Properties (P.) Ltd.
11, Community Centre, East of Kailash,
New Delhi.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, III,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 22nd December 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. IAC.ACQ.III/SR.III/July/348(11)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 24 situated at Sri Fort Road, Masjid Moth Area, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 9-7-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A lease-hold plot of land measuring 400 sq. yds. situated in the colony known as plot No. 24, Masjid Moth Area (Sri Fort Road) New Delhi and bounded as under :—
East : Main Road
West : Plot No. 25
North : DDA flats and service lane
South Shahpur Village

S. C. PARIJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 22nd December 1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, III,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.III/SR.III/June/309(5)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land mg. 7 bighas 12 biswas situated at Village Chhattarpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 4-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri J. J. Singh s/o Shri Javand Singh
Through his General Attorney
Smt. Geeta Jasbir Singh
r/o B-85, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Nahar Theatres Pvt. Ltd.
9, Curzon Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the Bhumidari and ownership rights of the agricultural land comprising the following Khasras Nos. 1332/2, 1602/1, 1602/2/2, 1603/3/2, 1602/4/2, and out of Khasras Nos. 1338/1 and 1338/2, total area of 7 bighas 12 biswas situated in the revenue area of the village Chhattarpur, New Delhi.

S. C. PARIJA,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 22nd December 1975

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Keshav Bkrishana Kulkarni
 2. Shri Shashikant Balkrishna Kulkarni
 3. Shri Balkrishna Keshavrao Kulkarni
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE DHARWAR,

Dharwar, the 19th December 1975

Notice No. 91/75-76/Acq.—Whereas, I, P. Satyanarayana Rao, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 249/1 situated at Madabhavi, Athani Taluka (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officers at

Athani under Document No 76 on 15-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Shri Sateppa Rayappa Magadam,
 Madabhavi, Athani Taluk,
 Belgaum District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 acres 16 gunthas land out of R.S. No. 249/1, situated at Madabhavi Village, Athani Taluka.

P. SATYANARAYANA RAO
 Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range, Dharwar.

Date : 19-12-1975
 Seal;

FORM ITNS-----

- (1) 1. Shri Keshav Balkrishna Kulkarni
 2. Shri Shashikant Balkrishna Kulkarni
 3. Shri Balkrishna Keshavarao Kulkarni
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, DHARWAR.

Dharwar, the 19th December 1975

Notice No. 92/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. Satyanarayana Rao, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 249/1 situated at Madabhavi Athani Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Athani under Document No. 77 on 15-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) Shri Kedari Alias Tammanna Rayappa Magadum, Madabhavi, Athani Taluk, Belgaum District.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 acres of land out of R. S. No. 249/1 situated at Madabhavi Village, Athani Taluka.

P SATYANARAYANA RAO
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
 Acquisition Range, Dharwar.

Date : 19-12-1975
 Seal -

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR.

Dharwar, the 19th December 1975

Notice No. 93/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. Satyanarayana Rao, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 24941 situated at Madabhavi Athani Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Athani under Document No. 78 on 15-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—
21—406GI/75

- (1) 1. Shri Keshav Bkishan Kulkarni
2. Shri Shashikant Balkrishna Kulkarni
3. Shri Balkrishna Keshavrao Kulkarni
(Transferor)

- (2) Shri Ratnappa Rayappa Magadum,
Madabhavi, Athani Taluk,
Belgaum District.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 acres of land out of R.S. No. 249/1 situated at Madabhavi Village, Athani Taluka.

P. SATYANARAYANA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar,

Date : 19-12-1975

Seal :

FORM ITNS— —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE DHARWAR,

Dharwar, the 19th December 1975

Notice No. 94/75-76/ACQ—Whereas, 1. P. Satyanarayana Rao, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C. S. No. 1083-B situated at Walvekar Galli, Hubli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hubli under Document No. 303 on 29-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Prabhudyal Kaluram Sharma
2. Shri Mahesh Prabhudyal Sharma,
3. Shri Vijaya Prabhudyal Sharma
4. Shri Ajay
5. Shri Sanjaya P. Sharma
No. 4 and 5 M/G No. 1 Keshwapur,
Hubli

(Transferor)

- (2) Shri Ramesh Strappa Khodangur,
Hattikal Sal, Hubli

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Storeyed old building bearing C.S. No. 1083-B with open space situated at Ward No. 2, Walvekar Galli, Hubli.

BOUNDRIES

East : C.S. No. 1084 | 85

A+B

West : C.S. No. 1083A

North : Road

South : C. S. No. 1083A.

P. SATYANARAYANA RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date : 19-12-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
DHARWAR

Dharwar, the 19th December 1975

Notice No. 95/75-76/ACQ.—Whereas, I P. Satyanarayana Rao, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Act, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 2404, 2405, 2406 and 2403A situated at Station Rd. Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli under Document No. 296 on 23-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Govindnaik Guunathnaik Kalaghatgi,
Land-lord, Durgadbail, Hubli.

(Transferor)

(2) Karnataka Agricultural Foundation Society,
Hubli Through its Secretary,
Shri Balakrishna N. Rathare
Vishweswar Nagar, Hubli-22

(Transferee)

(3) M/s West Patent Press Co. Ltd
Hubli.

[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

18740 square yards area out of the following:—

Ward No.	C.S. No.	sq. yards
1	2404	144
1	2405	32
1	2406	39
1	2403 A	19485 7/9

situated at Station Road, Hubli.

P. SATYANARAYANA RAO,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date : 19-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt Anima Guha Mazumdar & Sri Baidyanath Guha Mazumdar 41E, Shyama Prasad Mukherjee Rd. Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shyamal Kr Guha Mazumdar 41F, Shyama Prasad Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd December 1975

No. 303/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 41E situated at Shyama Prasad Mukherjee Rd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 13.5.1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 1 cottah 12 chittacks, together with two-storied building at 41E, Shyama Prasad Mukherjee Road, Calcutta, which was registered under deed No. 3972 of 1975 before the District Registrar, Alipore, 24-Parganas.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-12-1975

Seal :

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

FORM 11NS

(1) H H Sultan Awad Bin Saleh Alkatty Sultan of
Shehi and Mukalla & Hamidulnisa Begum & Saco-
dunnisa Begum

(Transferor)

(2) Shri Abdul Rashid Suleman Omeri & Riaz Suleman
Omeri

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 9th December 1975

No AR-I/1160-1/April 75—Whereas I V R AMIN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the Said Act) have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-
and bearing

No C S 695 of Fort Division situated at Hornby Road
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 1/4/1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same meaning as
given in that Chapter

TIL SCHEDULE

All that piece or parcel of land of the Quit and Ground Rent
Tenure situate lying and being at Hornby Road in the City
of Bombay together with the messuage tenement, or dwelling
House standing thereon containing by admeasurement three
hundred and forty nine square yards and five math, of a
square yard or thereabouts and situated within the Registra-
tion sub-district of Bombay and registered by the Collector of
Land Revenue under New No 5115 New Survey No 8929,
Cadastral Survey No 695 of Fort Division, and assessed by
the Assessor & Collector of Municipal Rates and Taxes under
A Ward No S1369(2) and 1429, Street Nos 323 325
and bounded as follows that is to say on or towards the
North by the property of H F Bode, on or towards the
South by the property of Suleman Haji Ahmed Omeri on or
towards the West by Hornby Road, and on or towards the
East by the property of Sorabji Master

V R AMIN,
Competent Authority
Inspecting Asslt Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-1, Bombay

Date 9th December 1975
Seal .

FORM ITNS ———

(1) M/s. Prime Products Ltd., 87/8, Kalpi Road, Kanpur, Uttar Pradesh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Gayatri Devi Jhunjunwalla
2. Savitri Devi Jhunjunwalla 7/1A, Mandeville
Gardens, Cal-19.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd December 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

No. 304/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7/1A situated at Mandeville Gardens, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27.5.1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 2 cottahs 9 chittacks and 25 sq. ft. together with a three storied building thereon at 7/1A Mandeville Gardens, Calcutta which was registered under deed No. 3084 of 1975 from the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date 22.12.1975.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

60/61, FRANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004 the 20th December 1975

Ref No CA 5/April'75/Haveli-II/258/75-76—Whereas I H S Aulakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S No 84/2 Katkar Road, Poona 4 situated at Katkar Road, Poona 4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli II, Poona on 5-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely —

- (1) 1 Shri A V Patkar,
2 Shri S V Patkar,
4 Gulistan Cleave Land Road Worli,
Bombay-25
(Transferor)
- (2) Shri Tidal Co operative Housing Society Ltd
Chairman Shri A V Patwardhan,
118/2/A Katkar Road Poona 4
(Transferee)
- (3) 1 Shri A V Patkar,
2 Shri S V Patkar,
4 Gulistan, Cleave Land Road,
Worli Bombay-25
(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Freehold, Bungalow with plot RS No 118/2/A S No 84/2, Katkar Road, Poona 4
Area of the plot 9177 sq ft
Ground floor 1200 sq ft
Ground floor 1200 sq ft
Built in 1957

(Property as mentioned in the Registered deed 597 of April 75 of the Registering authority Haveli II, Poona)

H S AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range Poona

Date 20-12-1975

Seal,

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd December 1975

Ref No 217/Acq/Haridwar/75-76/2296—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on 7-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurish Kumar s/o Shri Sundar Lal, Authorised Representative Shri Vijai Kumar s/o Shri Sundar Lal R/o Chauksa, Distt Shajahanpur (Transferor)
- (2) Lila s/o Charitable Trust, Shri Ganga near, Through Sri Jagdish Prasad Lila, Trustee, s/o Shri Lakshmi Chind, R/o Shri Ganganagar (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/4th portion of house 'Raj Bhawan' Western side (as per details given in form No 37-G bearing No 398) situated at Bheem Goda Road, Baridwar, transferred for an apparent consideration of Rs 17,500/-

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date 22nd December 1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Girish Kumar s/o Shri Sundar Lal, Authorised Representative Smt. Vidyawati, Widow of Sri Sundar Lal R/o Chauksa, Distt. Shahjahanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd December 1975

Ref. No. 218/Acq./Haridwar/75-76/2297.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on 7-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—
22-406 GI/75

(2) Lila Sons Charitable Trust, Shri Ganganagar, Through Sri Jagdish Prasad Lila, Trustee, s/o Shri Lakshmi Chand, R/o Shri Ganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/4th portion of house 'Raj Bhawan' Western side (as per details given in form No. 37-G bearing No. 396) situated at Bheem Goda Road, Haridwar, transferred for an apparent consideration of Rs 17,500/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date : 22nd December 1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd December 1975

Ref. No. 219/Acq./Haridwar/75-76/2298.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haridwar on 7-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

(1) Shri G rish Kumar s/o Shri Sundar Lal Agrawal, R/o Moh. Chauksa, Distt. Shahjahanpur.
(Transferor)

(2) Shree Lila s/o Charitable Trust, Shri Ganganagar, Through Sri Jagdish Prasad Lila, Trustee, s/o Late Sri Lakshmi Chand, R/o Shri Ganganagar, Rajasthan.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/4th portion of house 'Raj Bhawan' Western side. (As per details given in form No. 37-G bearing No. 397) situated at Bhem Goda Road, Haridwar, transferred for an apparent consideration of Rs. 17,500/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date : 22nd December 1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Girish Kumar s/o Shri Sundar Lal, Authorised Representative Shri Raj Kumar s/o Shri Sundar Lal R/o Moh. Chauksa, Distt. Shahjahanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Lila Sons Charitable Trust, Shri Ganganagar, Through Sri Jagdish Prasad Lila, Trustee, s/o Shri Lakshmi Chand, R/o Shri Ganganagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 22nd December 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. 220/Acq./Haridwar/75-76/2299.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on 7-4-1975,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Immovable property consisting of 1/4th portion of house 'Raj Bhawan' Western side (as per details given in form No. 37-G bearing No. 399) situated at Bheem Goda Road, Haridwar, transferred for an apparent consideration of Rs. 17,500/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1958).

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 22nd December 1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Pushapwati Sehgal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sonā Rani Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 6th December 1975

Ref. No. 101-S/Acq.—Whereas, I BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 34, situated at Nazar Bagh, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 31-5-1975/17-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 34, situated at Nazar Bagh, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow

Date : 6-12-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Krishna Lal,

(Transferor)

(2) Shri Suraj Prakash and Others,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 4th December 1975

Ref. No. 100-S/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 709M situated at Village Bariyai Distt. Nainital, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kashipur on 4/6/1975, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 709-M measuring 25 Bigha 4 Biswa situated in village Bariyai, Teh. Gadaspur Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Lucknow

Date : 4-12-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mangu.

(Transferor)

(2) Shri Pooran Singh and others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 12th December 1975

Ref. No. 43-P/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 782, situated at Village Majhola Distt. Moradabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 18-6-1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said imovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5.57 acres situated in Village Majhola Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 12-12-1975

Scal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shiv Raj Singh and others.

(Transferor)

(2) Shri Nauniha! Singh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1975

Ref No. 13-N/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 17, 19, 20 situated at Village Hasanpur Raini Distt. Bijnore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dhampur on 4-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 17, 19, 20, situated in village Hasanpur Raini Teh. Dhampur Distt. Bijnore.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Lucknow

Date : 11-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shiv Raj Singh and others.

(Transferor)

(2) Shri Sardar Mehar Singh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1975

Ref. No. 67-M/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 17, 19, 20 situated at Village Hasanpur Raini Distt. Bijnore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhampur on 4-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 17, 19, 20, situated in village Hasanpur Raini Teh. Dhampur Distt. Bijnore.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date . 11-12-1975
cc :—

FORM ITNS

(1) Shri Krishna Lal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Munshi Ram,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Lucknow, the 4th December 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No 66-M/Acq—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 711—M, situated at village Bariiai Distt. Nainital, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kashipur on 3/6/75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 711-M measuring 25 Bigha 1 Biswa situated in village Bariiai, Teh. Gadaspur Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23—406 GI/75

Date 4-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Krishna Lal

(Transferor)

(2) Munshi Ram

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 4th December 1975

Ref No 66-M/Acq—Whereas I, BISHAMBHAR NATH being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No 711—M situated at village Barrai Distt Nainital, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kashipur on 3/6/75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 25 Bigha 1 Biswa Khasta No 711 M situated in village Barrai, Teh Gadaspur Distt Nainital

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range
Lucknow

Date 4-12-1975

Seal .

FORM ITNS

(1) Smt. Gurdeep Kaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shti Jistendra Singh and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons whichever period expires later.

Lucknow, the 3rd December 1975

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
official Gazette.

Ref. No. 30/C-J/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1194 etc. situated at village Bhardaj Kaja Distt. Pilibhit, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bisalpur on 27/6/75.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in village Bhardaj Kaja P.O. Bilsanda Distt. Pilibhit.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Resam Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jistendra Singh and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 30/B-J/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR
NATH,
being the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 1194 etc. situated at village Bhardaj Kaja Distt. Pilibhit,
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Re-
gistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Bisalpur on 27/6/75,
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the prop-
erty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in village Bhardaj Kaja P.O.
Bilsanda Distt. Pilibhit.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this Notice under
sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the
following persons namely :—

Date : 31-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sarjeet Singh.

(Transferor)

(2) Shri Jistendra Singh and others

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1975

Ref No 30/A-J/Acq—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No 1194 etc situated at village Bhardaj Kaja P O Bilsanda Distt Pilibhit, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bisalpur on 27/6/75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in village Bhardaj Kaja P O Bilsanada Distt Pilibhit

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Lucknow

Date 3-12-1975
Seal.

FORM ITNS

(1) Shri Pitamber Lal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shir Husain Ahmad Abbasi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

Lucknow, the 12th December 1975

Ref. No. 18-H/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-8, situated at Gole Market, Mahanagar Lucknow (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 7-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A double storied building constructed on plot No. M-8, Gole Market, Mahanagar Lucknow bearing house No. 545/480.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 12-12-1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Krishna Lal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hansh Raj and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 4th December 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 17-H/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 709—M, situated at village Barirai Distt. Nainital, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kashipur on 4/6/75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land Khasra No. 709-M, measuring 25 Bigha 4 Biswa situated in village Bari rai Teh. Gadarpur, Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-12-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri P. Krishan Murti,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gajju Ram,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 6th December 1975

Ref No. 25-G/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 6-D, situated at Pilibhit Road, Dist. Bareilly, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 10-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A house No. 6-D situated at Pilibhit Road Distt. Bareilly.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-12-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Pran Nath Kaul and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kr. Bipendra Singh and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 4th December 1975

Ref. No. 54-BACq.—Whereas, I, **BISHAMBHAR NATH**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 47, situated at Tagore Town, Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 13/6/75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

2 4—406GI'75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 47 measuring 1612 sq. vds. situated at Tagore Town, Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax, Acquisition Range,

Lucknow

Date 4-12-1975

Seal

FORM ITNS

(1) Smt. Sukh Jender Kaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balbinder Singh and others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1975

Ref. No. 53/C—B/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1194 etc., situated at village Bhardaj Kaja Distt. Pilibhit, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bisalpur on 27/6/75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in village Bhardaj Kaja P.O. Bilsanda Distt. Pilibhit.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating for concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Surjeet Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balbinder Singh and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 53/-B/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1194 etc., situated at village Bhardaj Kaja Distt. Pilibhit, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bisalpur on 27/6/75,

for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in village Bhardaj Kaja P.O. Bilsanda Distt, Pilibhit.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range,

Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Raunak Singh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balbinder Singh and others,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1975

Ref. No. 53/A-B/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1194 etc., situated at village Bhardaj Koja Distt. Pilibhit, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Bilsanda on 27/6/75,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in village Bhardaj Koja P.O Bilsanda Distt. Pilibhit.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date - 3-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Haji Abdul Gaffar and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hafiz Abdul Kabeer and others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 12th December 1975

Ref. No. 56A/Acquisition.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-31/81A and 31/81-B situated at Madanpura Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 11-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

House Nos. D-31/81A and 31/81-B situated at Madanpura Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 12-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Asha Rani Sur and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abdul Rashid and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1975

Ref. No. 55A/Acquisition.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-8/14 situated at Bara Gambhir Singh Bhelupur ward Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A house along with land No. B-8/14 situated in Mohalla Bara Gambhir Singh Bhelupur ward Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 11-12-1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jagir Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Smt. Mahendra Kaur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th December 1975

Ref. No. 72-M/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAM-
BHAR NATH,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believethat the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- andbearing No. 191, situated at Village Itarora Tehsil Mohammadi
Distt. Lakhimpur-kheri(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Mohammadi on 17-6-1975for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;(b) by any other persons interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the trans-
fer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);1/5 Portion of 12.50 acres of agricultural land situated in
Village Itarora Tehsil Mohammadi Distt. Lakhimpur-kheri.BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, LucknowNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 20-12-1975

Seal

FORM ITNS-----

(1) Shri Jagir Singh

(Transferor)

(2) Shri Fateh Singh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th December 1975

Ref. No. 1-F/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 191 situated at Village Itarora Tehsil Mohammadi Distt. Lakhimpur-kheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mohammadi on 17-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(i) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5 Portion of 12.50 acres of agricultural land situated in Village Itarora Tehsil Mohammadi Distt. Lakhimpur-kheri

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date . 20-12-1975

Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Jagir Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ajit Singh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOWObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 20th December 1975

Ref. No. 57-A/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAM-
BHAR NATH,being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. 191, situated at Village Itarora Tehsil Mohammadi Distt
Lakhimpur-kheri(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Mohammadi on 17-6-1975for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth
tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

1/5 Portion of 12.50 acres of agricultural land situated in
Village Itarora Tehsil Mohammadi Distt. Lakhimpur-kheri.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range,

Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C,
of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acqui-
sition of the aforesaid property by the issue of this notice
under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

25—406 GI/75

Date : 20-12-1975

Seal .

FORM ITNS—

(1) Shri Jagir Singh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sobran Kaur,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th December 1975

Ref. No. 103-S/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 191, situated at Village Itarora Tehsil Mohammadi Distt. Lakhimpur-kheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mohammadi on 17-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction on evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5 Portion of 12.50 acres of agricultural land situated in Village Itarora Tehsil Mohammadi Distt. Lakhimpur-Kheri.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 20-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Ajit Kaur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Inder Kaur,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th December 1975

Ref. No. 8-I/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 191, situated at Village Itarora Tehsil Mohammadi Distt. Lakhimpur-kheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mohammadi on 17-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

1/5 Portion of 12.50 acres of agricultural land situated in Village Itarora Tehsil Mohammadi Distt. Lakhimpur-Kheri.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 20-12-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Ratna Nandy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sita Ram Charity Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th December 1975

Ref. No. 102S/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAM-
C

BHAR NATH,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. D-48/141 A situated at Misirpokhra Distt. Varanasi,
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the Office of Registering Officer at
Calcutta on 26-5-1975
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'said Act', to the following per-
sons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the 'said Act', shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. D-48/141 A situated in Misirpokhra Distt.,
Varanasi.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 17-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Ruchi Pathack.

(Transferor)

(2) Shri Kulbul and others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th December 1975

Ref. No. 45-K/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Village Achchwar Tehsil Gyanpur Distt. Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gyanpur on 12-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 Bighas 19 Biswa and 5 Biswansi situated in Village Achchwar Tehsil Gyanpur Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 19-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Fuzailur Rahman Hilal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Muzaffer Hussain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th December 1975

Ref. No. 71-F/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7-C situated at Village Amausi Pargana Bijnore Distt. Lucknow (Saronjini Nagar Co-op. Housing Society Lucknow) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mohanlal Ganj Lko. on 11-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecting persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

A house standing on Plot No. 7-C situated in Village Amausi Pargana Bijnore Distt. Lucknow (Saronjini Nagar Co-op. Housing Society Lucknow).

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 19-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Ratna Nandy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sita Ram Charity Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Lucknow, the 17th December 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No. 102-S/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAM-A

BHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-48/141 situated at Misirpokhra Distt. Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant plot of land No. D-48/141 A measuring 6 Cottahs 15 Chitak twenty two Sqr. fts. situated in Misirpokhra Distt. Varanasi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 17-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Ratna Nandy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sbri Sita Ram Charity Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th December 1975

Ref. No. 102-S/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-48/141 A situated at Misirpokhra Distt. Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-6-1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, 1922 (11 of 1922), or the 'said Act' or the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant plot of land No. D-48/141 A measuring 3 Cottahs 15 Chittak thirty five Sqr. fts. situated in Misirpokhra Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow.

Date : 17-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Pratap Raj Singh.

(Transferor)

(2) Shri Balwender Singh & others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 18th December 1975

Ref. No. 55-B/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Village Samrava P.O. Matoli Distt, Lakhimpur-kheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mohammadi on 26-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land measuring 18 acres 25 Dc. situated in Village Samrava P.O. Matoli-Tehsil Mohammadi Distt. Lakhimpur-kheri.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

26-406GI/75

Date : 18-12-1975

Seal ;

FORM ITNS

(1) Smt. Rajwati.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mangal Sen

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 18th December 1975

Ref. No. 68-M/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAM-
BHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. situated at Village Sedpur, Jai Ram, Teh. Sambhal
Distt. Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering Officer at

Sambhal (MORADABAD) on 5-6-1975

for an appa-

rent consideration which is less than the fair market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the 'Said Act', in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said
Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the follow-
ing persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in Village Sedpur Jai Ram Tehsil
Sambhal, Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range, Lucknow.

Date : 18-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sant Kumar and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Malkeet Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 18th December 1975

Ref No. 69-M/ACQUISITION—Whereas, I, BISHAM-
BHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 104 and others situated at Village Chintapur—Distt.
Pilibhit

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bisalpur on 5-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the lia-
bility of the transferor to pay tax under the
'said Act' in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said
Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice
under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act'
to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra Nos. 104, 105, 108, and 103,
measuring 10 Acres 52 Decimals situated in Village Chintapur
Tehsil Bisalpur Distt. Pilibhit.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 18-12-1975

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Swaroop.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mukut Behari Lal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 18th December 1975

Ref. No. 70-M/Acquisition.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Puranpur Distt. Pilibhit (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pilibhit on 4-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A house double storeyed situated in Puranpur Mohalla Chowk Tehsil Khas, Distt. Pilibhit.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date : 18-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Swaroop.

(Transferor)

(2) Shri Narendra Prakash,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 18th December 1975

Ref. No. 14-N/Acquisition.—Whereas, I, BISHAMBHAR
NATH,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
25,000- and bearingNo. situated at Puranpur Distt. Pilibhit
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Pilibhit on 4-6-1975for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liabil-
ity of the transferor to pay tax under the 'said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the
Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following
persons, namely :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXXA of
the 'said Act' shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house situated in Puranpur Mohalla
Chowak Tehsil Khas Distt. Pilibhit.BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 18-12-1975

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Smt. Omwati.

(Transferor)

(2) Shri Rakesh Kumar & others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 18th December 1975

Ref. No. 75-R/Acquisition.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing No. situated at Village Sedpur, Jai Ram Teh. Sambhal Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sambhal (MORADABAD) on 5-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in Village Sedpur Jai Ram Tehsil Sambhal, Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 18-12-1975

Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri Vishwa Nath Choudhary

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V G Mehrotra and others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th December 1975

Ref No 23-V/Acquisition —Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No B 3/3 situated at Nirala Nagar Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Lucknow on 16-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A house No B-3/3 situated at Nirala Nagar Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date 17-12 1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 23rd December 1975

Ref. No. SRS/21/75-76.—Whereas, I. V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Land, 154 K and 18 M, situated at Village Nagoke, Tehsil Sirsa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in May, 1975 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kaki Bai, w/o Shri Chander Bhan, R/o Bhiwanl. (Transferor)
- (2) (i) Shri Saudagar Chand, (ii) Shri Jagar Singh, sons of Shri Jora Singh, Residents of Village Nagoke, Tehsil Sirsa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated in Village Nagoke, Tehsil Sirsa.

88								
5	6	7	14	15	16	17	104	
7-4	7-12	1-0	6-16	7-12	7-12	6-16	5-Min	6-15
							4-0	16-0
105	107							
10/2	17-18	19-Min						
6-0	16-0	1-0						
107								
20-Min	24	13-14	6	7	8	15	23	
1-0	8-0	16-0	6-18	7-7	7-7	7-8	8-0	
108								
1/2	10/2	11/2						
1-16	1-16	1-16						

Land measuring 154 kanal and 18 marlas. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 717 of May, 1975 of the Registering Authority, Sirsa.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 23-12-1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sarla Devi, w/o Shri Jiwan Bal, Presently residing at 21, The Mall, Simla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 23rd December 1975

Ref. No. SML/217/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property known as Byenston House, Station Ward, Simla-I, situated at Simla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Simla in July, 1975

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—406G1/75

(2) (i) Shri Wazir Singh (ii) Shri Romeshwar Lall, Sons of Shri Sewa Singh, (iii) Smt. Tirath Kaur, (iv) Smt. Harbans Kaur, Residents of Byenston House, Near Rivoli Cinema, Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as Byenston House, Station Ward, Simla-I. Khasra No. 837/189, B/189, 189/1, 189/5, 189/6.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 312 of July, 1975 of the Registering Authority, Simla.)

V. P. MINOCHA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 23-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ranjit Das Kapoor s/o Roop Lal Kapoor r/o
396 Lalpat Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Manmohan Kishan Kapoor s/o Krishan Kapoor
6, Bela Vista, Bally Hill Road Bandara, Bombay.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 23rd December 1975

Ref. No. AP 1417.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Indira Market Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in April, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 265 of April, 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 23-12-75.
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th December 1975

Ref. No. KPL/218/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in April on 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said to the following persons, namely :—

(1) Shri Karam Singh s/o Shri Watan Singh, Manjit Singh, Kuldev Singh ss/o Shri Karam Singh Smt. Surinder Kaur Bolina Wd/o Shri Gurdip Singh s/o Shri Karam Singh r/o Jullundur.

(Transferor)

(2) Kapurthala Steel and Rubber Industry Kapurthala.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 161 of April, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Amritsar.

Date 25-12-75
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Karam Singh s/o Shri Watan Singh, Manjit Singh Kuldev Singh ss/o Shri Karam Singh Smt. Surinder Kaur Bolina Wd/o Shri Gurdip Singh s/o Shri Karam Singh r/o Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th December 1975

Ref. No. KPL/219/75-76.—Whereas, I V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing

No. Property, situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in April on 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (2) M/s Kapurthala Steel and Rubber Industries, Kapurthala.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 162 of April, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Amritsar.

Date : 20.12.75

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th December 1975

Ref. No. KPL/220/75-76.—Whereas, I V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that, the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in April on 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under-sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Karam Singh s/o Shri Watan Singh, Manjit Singh Kuldev Singh ss/o Shri Karam Singh Smt. Surinder Kaur Bolina Wd/o Shri Gurdip Singh s/o Shri Karam Singh r/o Jullundur. (Transferor)
- (2) M/s Kapurthala Steel and Rubber Industries, Kapurthala. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 163 of April, 1975, of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Amritsar

Date : 20.12-75
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th December 1975

Ref. No. KPL/221/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in April on 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Karam Singh s/o Shri Watan Singh, Manjit Singh Kuldev Singh ss/o Shri Karam Singh Smt. Surinder Kaur Bolina Wd/o Shri Gurdip Singh s/o Shri Karam Singh r/o Jullundur.

(Transferor)

(2) M/s Kapurthala Steel and Rubber Industries, Kapurthala.

(Transferee)

(3) As as S No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the registered Deed No. 164 of April, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range Amritsar.

Date : 20-12-75
Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s Kapurthala Steel and Rubber Industries, Kapurthala.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th December 1975

Ref. No. KPL/222/75-76.—Whereas, I. V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in April on 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely—

- (1) Shri Karam Singh s/o Shri Watan Singh, Manjit Singh Kuldev Singh ss/o Shri Karam Singh Smt. Surinder Kaur Bolina Wd/o Shri Gurdip Singh s/o Shri Karam Singh r/o Jullundur

(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above and tenant (s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 165 of April, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar.

Date : 20.12.75
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd December 1975

Ref. No. RAC, No. 208/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-10-399 situated at Seethapalmandi Secunderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 15-5-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Satpal Bandari,
S/o Rolu Mull Bandari,
R/o H. No. 12-10-399 at Sithapal Mandi,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri Kalishanker Shukla,
R/o Tivoli Cinema Compound
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 12-10-399 at Seethapalmandi, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 22-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd December 1975

Ref. No. RAC No. 209/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-633 situated at Troop Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-5-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely:—

28—406GI/75

(1) Shri Syed Jaffar Hussain and
Sri Syed Mohammad Hussain,
S/o Syed Ali Mustaza Hussain,
H. No. 16-5-53 Outside Dabirpura,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Budhram Gupta,
S/o Lalchand,
H. No. 5-1-600 at Troop Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 4-1-633 at Hindusthanigalli, Troop Bazar, Hyderabad. Area 827.26 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 22-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd December 1975

Ref. No. RAC. No. 210/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of 4-1-938/R-6 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 18-5-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) M/s. Three Aces, Hyderabad,
Partner Sri Bishanlal,
S/o Hadas Singh and other,
Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(1) Sri Raj Kumar S/o Kedarnath,
3-2-350 Chappal Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of premises No. 4-1-938/R-6 at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 22-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd December 1975

Ref. No. RAC No. 211/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of 4-1-938/R-7 situated at Tilak Road Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 18-5-75.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) M/s Three Aces,
Partner Sri Bishanlal Ahuja,
Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Shobha Bai W/o Hari Ram,
3-2-350 at Chappal Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of Premises No. 4-1-938/R-7 at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Three Aces,
Partner Sri Bishanlal Ahuja,
Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Basanthi Bai W/o Kedarnath,
3-2-350 at Chappal Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 22nd December 1975

Ref No. RAC. No. 212/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of No. 4-1-938/R-8 situated at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 18-5-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of premises H. No. 4-1-938/R-8 at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 22-12-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Three Aces,
Partner Sri Bishanlal Ahuja,
Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd December 1975

Ref. No. RAC. No. 213/75-76.—Whereas, I, K. S.
VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25.00/- and bearing No.
Portion of No. 4-1-938/R-9 situated at Abid Road, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at

Hyderabad on 18-5-75,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(2) Smt. Rukmini Bai W/o Mahabeer Parshad,
3-2-350 at Chappal Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said act shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

Property : Portion of Premises No. 41-938/R-9 at Tilak
Road, Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—

Date : 22-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Three Aces,
Partner Sri Bishanlal Ahuja,
Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Shobha Bai W/o Sri Giriraj,
R/o Charkaman, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 22nd December 1975

Ref. No. RAC. No. 214/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion No. 4-1-938/R-10 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 18-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property : Portion of premises No. 4-1-938/R-10 at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd December 1975

Ref. No. RAC. No. 215/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Portion No. 6-1-3 situated at M. G. Road Kothagudem, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kothagudem on 25-5-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Vemula Raghavaiah
2. Sri Laxminarayana,
3. Sri Balaramiah,
R/o M. G. Road, Kothagudem,
Khammam Dist.

(Transferor)

- (2) Shri Cholvaram Mohd Zakrayya,
R/o M.G. Road, Kothagudem,
Khammam Dist.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : M. No. 6-1-3 at M. G. Road, Kothagudem, Khammam-Dist. Area : 248.35 Sq. Mts.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 22-12-1975

Seal

FORM ITNS—

(1) M/s. J. K. A. Rajappa Chettiar & R. Shanmugasundaram, Kullappa Illam, Salem Main Road Komarapalayam (Agraharam), Tiruchengode Tq.,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Venkatesan, S/o. N. E. Siddappa Chettiar, Old Pet, 439, Salem Main Road, Komarapalayam (Agraharam), Tiruchengode Tq.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 24th December 1975

Ref. No. XVII/13/35/1975-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 46, 46A, 46B, 47 & 48 situated at Salem Main Road, Komarapalayam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Komarapalayam (DOC. No. 782/75) on 5-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2080 sq. ft. in Survey No. 624/2 with buildings at door No. 46, 46A, 46B, 47 & 48, Salem Main Road, Komarapalayam, Tiruchengode Tq.

G. RAMANATHAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 24-12-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Shiv Pati.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2. Smt. Dropadi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 23rd December 1975

Ref. No. 21—D/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 487, situated at Cornel Ganj Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 18-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—
29—406GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 487 situated in Mohalla Cornel Ganj Distt. Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 23-12-1975.

Seal :

FORM ITNS

- (1) (1) Smt. Shivpyari w/o Pyare Lal, and
 (2) Smt. Ram Dulari, widow Mahadev Prasad,
 R/o Achalganj, Post-Khas, Distt. Unnao.
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th December 1975

Ref. No. 395/Acq./Kanpur/75-76/2301.—Whereas, I, BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 11-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Ram Chand, 2. Vasdev, 3. Om Prakash ss/o Jauhari Lal R/o 31/126, Lathi Mohal, Kanpur, and 4. Thakur Ram Laxman Jankiji and Hanumanji Maharaj, Through Authorised Representative Vasdeo and Ram Chand R/o 31, 126, Lathi Mohal, Kanpur.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing No. 76-164, situated at Baisakhi Naka, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,00,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range,
 Kanpur.

Date : 16-12-1975.
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sri Ram Sharma s/o Pt Atma Ram,
r/o R-278, Greater Kailash, New Delhi through
his General Attorney Shri Des Raj s/o Shri
Charan Das Arora, r/o No. 1096/345 (old),
Rani Bagh, Shakur Basti, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jagdish Lal s/o Shri Des Raj Arora H. No.
B-72, Rishi Nagar, Shakurbasti, Delhi-34.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 17th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. III/SR. II/April/835 (24)/75-76,—
Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. B-72, Rishi Nagar situated at Shakurbasti, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering officer at New Delhi on 25-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said
Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the fol-
lowing persons, namely:

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said Act,'
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house No. B-72, situated in the colony
known as Rishi Nagar, Shakurbasti, Delhi area of Village
Salimpur Mazra Madipur, Delhi on a free-hold plot of
land measuring 160 sq. yds. and bounded as under:—

North : Other portion of 140 sq. yds. sold to Raj
Kumar.
South : Gali about.
East : Vacant Land.
West : Gali 10'

S. C. PARIJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-III,
New Delhi

Date : 17-12-1975
Seal :

**UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE
SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES
EXAMINATION, 1976**

New Delhi, the 10th January 1976

No. F5/2/75-E1(B).—An examination for selection of candidates for appointment as Special Class Apprentices in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers will be held by the Union Public Service Commission at ALLAHABAD, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUCHATI), HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SIMLA AND TRIVANDRUM commencing on the 15th July, 1976 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated the 10th January, 1976.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of the examination is 15. This number is liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. *This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.*

NOTE :—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1976. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1976, WILL NOT BE ENTERTAINED.

4. The completed application form must reach the Secretary Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 on or before the 8th March, 1976 (22nd March, 1976, in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 8th March, 1976) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

5. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

6. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. S. PRUTHI, Dy. Secy.
Union Public Service Commission

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 36.00 (Rs. 9.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft drawn on the State Bank of India, New Delhi.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March 1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

3. A refund of Rs. 21.00 (Rs. 5.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note II below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

ANNEXURE II

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 3 of the Notice. *Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.*

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATES MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. (i) The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

(ii) The completed application form, and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011) so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 8th March, 1976.

Persons already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, must submit their applications through the Head of their Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward them to the Commission. Such candidates should, in their own interest,

submit advance copies of their applications direct to the Commission. These, if accompanied by the prescribed fee, will be considered provisionally, but the original application should ordinarily reach the Commission within a fortnight after the closing date. If a person already in Government Service does not submit an advance copy of his application along with the prescribed fee or if the advance copy submitted by him is not received in the Commission's office on or before the closing date, the application submitted by him through the Head of his Department or Office, if received in the Commission's Office after the closing date, will not be considered.

Applications from all other candidates whether in private employment or in Government-owned industrial undertakings or other similar organisations, can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Statement in the candidate's own handwriting and duly signed giving a short narrative of his career at school and college and mentioning both his educational and sports success.
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable. (See para 4 below).
- (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission where applicable (see para 5 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) AND (vii) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF NOVEMBER 1976. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4 and 5 :—

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—*

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below :



and completed as follow :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—*

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

NOTE.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 36.00, Rs. 9.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country, who should be asked to credit the amount to the account head "051. Public Service Commission—Examination Fees". The candidates should forward the receipt from that Office with the application.

(ii) *Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational qualification.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualifications. If an attested/certified copy of such a

certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the Intermediate or any other qualifying examination submitted by a candidate in support of his educational qualification does not indicate all the subjects passed, an attested/certified copy of a certificate from the Principal showing that he has passed the qualifying examination with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry must be submitted.

A candidate whose case is covered by Rule 6(b) or Rule 6(c) must submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Registrar of the University/Principal of the College/Head of the Institution concerned, as proof of the educational qualification possessed by him.

The form of certificate to be produced by the candidate—

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari"..... son/daughter of Shri..... is/was* a bona-fide student of this University/College/Institution*.

2. He/she* has passed the first year examination under the three year degree course/first year examination of the five year Engineering Degree Course/first Examination of the three year diploma course in Rural Services of the National Council for Rural Higher Education* and is not required to reappear in any of the subjects prescribed for the first year.

Or

He/she* has passed in..... division the first/second* year examination of the three year degree course/first year examination under the five year Engineering Degree Course* conducted by the University of

3. @He/she* was examined in the following subjects :

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

@Not applicable to those studying for the five year degree course in Engineering.

(Signature of the Registrar/Principal)
(Name of the University/College/Institution*)

Date.....
Place.....

*Strike out whichever is not applicable.

A candidate covered by Note I below Rule 6 must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Headmaster of the institution from where he passed the examination showing that his aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to this examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates must, however, submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Principal of the College/Institution concerned. They will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 30th September, 1976.

A candidate thus admitted is required to submit the proof of passing the qualifying examination by the above time limit, whether he qualifies or not at the written part of this examination. If he fails to comply with this instruction his candidature will be cancelled and he will not be entitled to know the result.

The form of certificate to be produced by the candidate—

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*..... son/daughter* of is expected to appear/has appeared* at Examination conducted by in the month of 19 with the following subjects :—

- (i)
- (ii)
- (iii)
- (iv)
- (v)

(Signature of Principal)
(Name of the College/Institution*)

Date.....
Place.....

*Strike out whichever is not applicable.

(iv) Two copies of photographs.—A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm. X 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) 3(iv) and 3(v) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office (except as provided for in Note under paragraph 3(iii) above) within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India—

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*..... son/daughter* of of village/town"..... in District/Division*..... of the State/Union Territory*..... belongs to the Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Tribe* under :—
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Schedule Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

As amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971.]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village/town* of District/Division* of the State/Union Territory* of

Signature.....
**Designation.....
(with seal of office)

Place.....

Date.....

State*

Union Territory

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)", used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

*Officers competent to issue Caste/Tribe certificates—

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 5 (b)(ii) or 5(b) (iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge,

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(b)(iv) or 5(b)(v) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b)(vi) or 5(b)(vii) should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963 or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 5(b) (vii) or 5(b) (ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director General Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of the certificate to be produced by the candidate—

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature
Designation
Date

*Strike out whichever is not applicable.

(v) A candidate disabled while in the Border Security Force, claiming age concession under Rule 5(b)(x) or 5(b)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof

The form of certificate to be produced by the candidate—

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature
Designation
Date

6 A person in whose case a certificate of eligibility is required, should apply to the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board) for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

7 Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

8 The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

9 If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10 Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11 Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications Civil Lines Delhi-(110006), and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash pay-

ment from (i) the Kitab Mahal opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-(110001) (ii) Sale Counters of the Publications Branch Vidya Bhawan, New Delhi-(110001) and Office of the Union Public Service Commission Dholpur House, New Delhi 110011 and (iii) the Government of India Book Depot 8, K S Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

12 *Communications Regarding Applications*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011) AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS —

- (1) NAME OF EXAMINATION
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS)
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

13 *Change in address*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 12 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.